● वर्ष-3
● अंक-73
रायपुर, शुक्रवार
03 नवंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› कटघोरा सामान्य सीट पर ...

लूटने वाले बचेंगे नहीं, कांग्रेस- विकास में 36 का आंकड़ा

विजय संकल्प रैली में पीएम मोदी ने भरी हुंकार, कहा : 5 वर्षों में बस्तर के गरीब दलित पिछड़े आदिवासी परिवारों को क्या मिला?

रायपुर/कांकेर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर बस्तर कांकेर की धरती से कांग्रेस की सभी गारंटियों को ध्वस्त करते हुए यह गारंटी दी कि जिन्होंने छत्तीसगढ़ को लूटा है वे कितने भी ताकतवर क्यों न हों, बच नहीं पाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 3 दिसंबर को छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बन रही है। मैं भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण का न्यौता देने आया हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने आदिवासी योद्धाओं को नमन करते हुए स्थानीय भाषा में जनता का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि परिवर्तन की आंधी चल रही है। भाजपा की संकल्प रैली में शामिल होने का मुझे सौभाग्य मिला है। भाजपा का संकल्प छत्तीसगढ़ को देश के शीर्ष राज्यों में लाने का है। कांग्रेस और विकास में 36 का आंकड़ा है। जहां कांग्रेस रहेगी, वहां विकास नहीं रह सकता।

प्रधानमंत्री मोदी ने नारा देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ने भरी हुंकार, अबकी बार भाजपा सरकार। उन्होंने कहा कि कल ही छत्तीसगढ़ ने अपना स्थापना दिवस मनाया। छत्तीसगढ़ के लोगों और भाजपा ने साथ मिलकर छत्तीसगढ़ का निर्माण किया। जब तक दिल्ली में कांग्रेस की सरकार रही, यहां की भाजपा सरकार से दुश्मनी निकालती रही। छत्तीसगढ़ 25 साल का होने वाला है। परिवार में बेटे बेटियों के जीवन में भी यह 25 साल बहुत महत्वपूर्ण होता है। यह चुनाव सिर्फ विधायक मंत्री या मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं है। आपके भविष्य, आपके बच्चों के भविष्य, का फैसला करने वाला चुनाव है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि 5 वर्षों में कांग्रेस नेताओं का विकास हुआ है। कांग्रेस के नेताओं के बच्चों और रिश्तेदारों को ही फायदा हुआ है। बस्तर के गरीब दलित पिछड़े आदिवासी परिवारों को क्या मिला? कुछ भी नहीं मिला। छत्तीसगढ़ के लोगों को कांग्रेस ने टूटी-फूटी सड़कें दीं। बीमार स्कूल अस्पताल दिए हैं। कांग्रेस ने सरकारी दफ्तरों में घूसखोरी का नया रिकॉर्ड बनाया है। कांग्रेस शासन में नौकरियों की बंदरबांट, पीएससी घोटाला, हत्या अपराध, हिंसा यही सब मिला है। छत्तीसगढ़ का, बस्तर का एक-एक भाई बहन तंग आ गया है। कांग्रेस की

सरकार से कह रहा है अऊ नई सहिबो, बदल के रहिबो। उन्होंने कहा कि गरीब की चिंता भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। हम आपके वर्तमान और आपके भविष्य दोनों की चिंता करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीते 9 वर्षों में केंद्र की भाजपा सरकार ने जो भी योजनाएं बनाई है उनका लक्ष्य एक ही रहा है, गरीब का कल्याण। आदिवासी का कल्याण। झुग्गी झोपड़ी कच्चे मकान के अंदर कितना कष्ट होता है यह मैं भली भांति जानता हूं इसलिए हमने गरीबों को पक्के घर की योजना बनाई। जब गरीब के लिए दिल में दर्द होता है तो काम कैसे होते हैं यह हमने बताया है। छत्तीसगढ़ में सारे गरीब परिवारों के लिए मकान देंगे। यह मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार गरीब के घर बनने में भी रोने लगती है। उन्हें गरीबों की चिंता नहीं है। उनकी चिंता यह है कि अगर गरीबों को घर मिल जाएगा तो वह मोदी का जय जयकार करेगा। कोरोना संकट में खाने का संकट न हो, इसके लिए अन्न दिया। छत्तीसगढ़ में इसमें भी घोटाला हो गया। आजादी के बाद कई दशक तक कांग्रेस की सरकार देश में रही

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बड़ा एलान

- भाजपा करेगी तेंदूपत्ता बेचने वालों की बेहतर व्यवस्था, देगी पारिश्रमिक एवं बोनस
- छत्तीसगढ़ को लूटने वाले बच नहीं पाएंगे यह मोदी की गारंटी है
- किसानों को धान का पैसा हम देते है और कांग्रेस झूठ बोलती है कि पैसा वह देती है
- छत्तीसगढ़ में जिसके पास मकान नहीं है उन सबको मकान मिलेगा
- तीस टका कक्का आपका काम पक्का, बताओं कक्का कहां गया प्लांट मक्का

मोदी की गारंटी हर चीज की गारंटी, विजय संकल्प रैली में पीएम ने भरी हुंकार।

लेकिन गरीब के घर शौचालय नहीं बने, पानी की सुविधा नहीं पहुंची, गैस कनेक्शन की तो बात ही कहां थी। बैंक के दरवाजे तक गरीब नहीं जाता था। छत्तीसगढ़ में तो परिस्थितियों और भी गंभीर थी।

आपके स्वास्थ्य के इलाज पर होने वाले खर्च की भी उतनी ही चिंता है। बस्तर से ही मैंने आयुष्मान योजना, गांव गांव अच्छे अस्पताल बनाने का अभियान शुरू किया। हमने हेल्थ वेलनेस सेंटर नाम रखा था लोगों ने काम देखा तो उसका नाम बदल कर आयुष्मान आरोग्य मंदिर रख दिया। अस्पताल मैं गरीब को पैसा न देना पड़े इसके लिए आयुष्मान योजना बनाई। छत्तीसगढ़ के 2 करोड़ से अधिक साथी इसके लाभार्थी हैं। लाखों साथी इस योजना के तहत अपना मुफ्त इलाज करा चुके हैं। भाजपा सरकार में हजारों जन औषधि केंद्र खुले हैं। ताकि गरीबों को सस्ती दवाएं मिल सकें। हमने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति और बीमा योजना इसलिए बनाई ताकि गरीबों को भी मुश्किल समय में मदद मिल सके। हमने अटल पेंशन योजना बनाई। 60 वर्ष की आयु के बाद के सभी गरीब सुरक्षित हैं। इसमें सबसे बड़े लाभार्थी हैं हमारे एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग के लोग। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी यानी हर गारंटी को पूरा करने की गारंटी। कांग्रेस पर आक्रमण करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गंगा जी की कसम खा कर झूठी घोषणा करने का काम सिर्फ कांग्रेसी ही कर सकते हैं। हमने महिला आरक्षण दिया। कितने समय से लटका पड़ा था। यह काम भी मोदी ने पूरा किया। हम समाज के उन वर्गों को भी पूछते हैं जिन्हें पहले कभी किसी ने नहीं पूछा। हमारे विश्वकर्मा साथी हर गांव में हैं। कुम्हार हो, लोहार हो, माला बनाने वाले मालाकार हो, खिलौने वाले हो, मूर्तिकार हो, टोकरी बनाने वाले हो, बांस के काम करने वाले हो, जूते बनाने वाले हो, पत्थर तोड़ने वाले हो, इन सब के छोटे-छोटे परिवार बिखरे पड़े थे। कोई सुध नहीं लेता था। मोदी है उसे उनका दर्द भी पता चलता है हमने ऐसे परिवारों के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना बनाई।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सबको सम्मान का जीवन मिले, यही भाजपा की नीति है। विकास से कोई वंचित नहीं रहेगा। देश के इतिहास में भाजपा ने पहली बार एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाया लेकिन कांग्रेस ने उनका भी विरोध किया।

कैंडल जलाकर बोडरा के ग्रामीणों ने निकाला कैंडल मार्च छ. ग. के मानचित्र पर मोर रायपुर-वोट रायपुर लिख कर दिया मतदाता जागरुकता का संदेश।

बिखरने लगा इंडि गठबंधन! कांग्रेस को तो फुर्सत ही नहीं

नईदिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज पटना में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की बीजेपी हटाओ, देश बचाओ रैली में शामिल हुए। सीएम नीतीश ने कहा कि जो लोग हमारे देश के संविधान को बदलने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें रोकने के लिए इंडि एलायंस का गठन किया गया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमने सभी दलों से बात की, उनसे एकजुट होने और देश को उन लोगों से बचाने का आग्रह किया जो इसके इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए पटना और अन्य जगहों पर बैठकें हुईं। इसके साथ ही नीतीश ने अपनी नाराजगी भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इंडिया एलायंस बना लेकिन कुछ खास नहीं हो रहा। 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की दिलचस्पी उनमें ज्यादा है। उन्होंने पुरानी पार्टी को संदेश देते हुए साफ तौर पर कहा कि हम सब मिलकर कांग्रेस पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे थे लेकिन उन्हें अभी इस सब की चिंता नहीं है। वे अभी 5 राज्यों के चुनाव में व्यस्त हैं। इसलिए 5 राज्यों के चुनाव के बाद वे खुद ही सबको बुलाएंगे। इस बीच सीपीआई नेता डी राजा ने भी कहा कि हमारे देश की हालत बहुत

खराब है और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने देश को बर्बाद कर दिया है।

इंडिया समूह की आखिरी बैठक 31 अगस्त-1 सितंबर को मुंबई में हुई थी, जिसके बाद यह घोषणा की गई कि कांग्रेस अगली तारीखें तय करेगी। अटकलें थीं कि यह दिल्ली में होगा लेकिन कोई घोषणा नहीं की गई। ऐसी भी चर्चा थी कि यह चुनाव वाले मध्य प्रदेश में होगा लेकिन वह भी नहीं हुआ। नीतीश कुमार को व्यापक रूप से इंडिया ब्लॉक के संस्थापक सदस्यों में से एक के रूप में देखा जाता है; वास्तव में, यह बिहार के मुख्यमंत्री ही थे जिन्होंने वरिष्ठ विपक्षी नेताओं को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए एकजुट होने की संभावना के बारे में बताया और अपनी वरिष्ठता का उपयोग करते हुए उनके और कांग्रेस के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य किया।

इंडिया ब्लॉक की पहली बैठक जून में पटना में हुई, जिसमें कुमार को एक बार फिर शांति-निर्माता की भूमिका निभानी पड़ी; ऐसा तब हुआ जब आम आदमी पार्टी ने बैठक का बहिष्कार करने की धमकी दी क्योंकि कांग्रेस ने दिल्ली प्रशासनिक सेवा अध्यादेश के खिलाफ उसके अभियान का समर्थन नहीं किया था। मध्य प्रदेश चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच तकरार के बाद नीतीश कुमार की यह टिप्पणी भी आई है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि उनकी पार्टी छह सीटों पर चुनाव लड़ेगी, इस समझौते को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा, अगर मुझे पता होता तो हम कांग्रेस से बात नहीं करते।

प्रमुख समाचार

राहुल ने ओवैसी पर लगाये भाजपा से पैसे लेने के आरोप

नईदिल्ली। तेलंगाना विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार जैसे-जैसे गर्माता जा रहा है वैसे-वैसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन

ओवैसी के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। राहुल गांधी ओवैसी पर हमला करते हैं और बदले में ओवैसी राहुल को धो डालते हैं। राहुल गांधी ने तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि ओवैसी भाजपा से पैसे लेते हैं उसके बाद तो हैदराबाद के सांसद और उनकी पार्टी ने कांग्रेस नेता पर जोरदार हमला बोल दिया। ओवैसी ने सवाल किया कि 2008 में अमेरिका के साथ परमाणु सौदे और अन्य मुद्दों पर संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन सरकार का समर्थन करने के लिए उनकी पार्टी को कितने पैसे दिए गए थे। राहुल गांधी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में सवाल किया, %बेचारे राहुल गांधी ये बताइए कि 2008 परमाणु सौदे में संप्रग का समर्थन करने के लिए हमने कितने पैसे लिए थे? राहुल की अमेठी लोकसभा सीट से हार पर ओवैसी ने सवाल किया।

ईडी ने दिल्ली के मंत्री राज कुमार आनंद के परिसरों पर छापा मारा

नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन संबंधी एक मामले की जांच के तहत दिल्ली के कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राज कुमार आनंद के परिसरों और कुछ अन्य

स्थानों पर बृहस्पतिवार को छापा मारा। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के सिविल लाइन्स इलाके में स्थित मंत्री के परिसरों समेत एक दर्जन स्थानों पर सुबह साढ़े सात बजे से छापेमारी की कार्रवाई जारी है। छापा मार रहे निदेशालय के दलों के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक टीम भी है।आनंद के खिलाफ जांच धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि राजस्व खुफिया निदेशालय ने अंतरराष्ट्रीय हवाला लेनदेन के अलावा सात करोड़ रुपये से अधिक की सीमा शुल्क चोरी के लिए आयात की गलत जानकारी देने को लेकर आरोप पत्र दायर किया था। यह जांच इसी आरोप पत्र से जुड़ी है।उन्होंने बताया कि एक स्थानीय अदालत ने हाल में डीआरआई अभियोजन की शिकायत पर संज्ञान लिया था जिसके बाद ईडी ने आनंद और कुछ अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया।

सरदार पटेल ने बनाया अखंड भारत: वेंकैया नायडू

नईदिल्ली। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सरदार वल्लभभाई पटेल के कार्यों को याद करने की अपील करते हुए कहा कि उन्होंने देश की एकता और अखंडता को बनाए

रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आठ राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लेते हुए नायडू ने कहा कि हमारी आजादी के बाद, भारत गौरव हासिल कर रहा है और एक मजबूत राष्ट्र बन रहा है। अगर हम बारीकी से देखें, तो भारत को दुनिया भर में मान्यता और सम्मान मिलता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अधिकांश सीईओ भारतीय हैं।नायडू ने मातृभाषा के महत्व का हवाला देते हुए अपनी मातृभाषा का सम्मान करने की अपील की और एक अलग पहचान बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, मातृभाषा का सम्मान करने से आपको खुद को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। नायडू ने गोवा के राज्यपाल के प्रयासों की सराहना की और कहा कि गोवा के विभिन्न हिस्सों की उनकी यात्राओं से उन्हें गोवावासियों के जीवन और शैली को जानने और देखने में मदद मिली।

राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची केरल सरकार

नईदिल्ली। केरल सरकार ने राज्य विधानमंडल द्वारा पारित आठ विधेयकों को मंजूरी देने से इनकार करने के संबंध में राज्यपाल आरिफ

मोहम्मद खान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की है। याचिका में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि इनमें से तीन विधेयक राज्यपाल के समक्ष दो साल से अधिक समय से लंबित हैं। याचिका में कहा गया है कि राज्यपाल का आचरण, जैसा कि प्रदर्शित किया जाएगा, कानून के शासन और लोकतांत्रिक शासन सहित हमारे संविधान के मूल सिद्धांतों और बुनियादी नींव को कमजोर करने और नष्ट करने की धमकी देता है। यह आचरण लोगों के अधिकारों में भी बाधा डालता है। राज्य कल्याणकारी उपायों को विधेयकों के माध्यम से लागू करने का लक्ष्य रखता है।संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत अनुमोदन के लिए राज्यपाल को प्रस्तुत किए गए आठ लंबित विधेयक 2021 में 2 विश्वविद्यालय कानून संशोधन विधेयक , 2021 में विश्वविद्यालय कानून संशोधन विधेयक , केरल सहकारी सोसायटी संशोधन विधेयक 2022 में विश्वविद्यालय कानून संशोधन विधेयक 2022 में केरल लोकायुक्त संशोधन

लोकसभा की आचार समिति के सामने पेश हुई महुआ मोइत्रा

नईदिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में बृहस्पतिवार को लोकसभा की आचार समिति की

समक्ष पेश हुईं। भारतीय जनता पार्टी के सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली समिति ने मोइत्रा को इस मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था।इस मामले के संदर्भ में वकील जय अनंत देहाद्रई और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पिछले दिनों लोकसभा की आचार समिति के समक्ष पेश होकर अपने बयान दर्ज करवाए थे। भाजपा सांसद दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष को 15 अक्टूबर को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया था कि मोइत्रा द्वारा लोकसभा में हाल के दिनों तक पूछे गये 61 प्रश्नों में से 50 प्रश्न अडाणी समूह पर केंद्रित थे। उन्होंने शिकायत में कहा है कि किसी समय मोइत्रा के करीबी रहे देहाद्रई ने मोइत्रा और कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के बीच अडाणी समूह तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधने के लिए रिश्वत के लेनदेन के ऐसे साक्ष्य साझा किये हैं जिन्हें खारिज नहीं किया जा सकता।तृणमूल कांग्रेस की सांसद मोइत्रा ने आरोपों को 'ठुकराए हुए पूर्व प्रेमी' का झूठ करार देते हुए खारिज कर दिया है।

जातीय जनगणना पर कन्फ्यूज नहीं है भाजपा

अवधेश कुमार

यह सच है कि विपक्ष द्वारा जातीय जनगणना को आगामी चुनाव के लिए मुद्दा बनाए जाने का असर बीजेपी और एनडीए पर भी पड़ा है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का जातीय जनगणना के पक्ष में दिखता बयान बताता है कि बीजेपी के सहयोगी दल मनोवैज्ञानिक दबाव में आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में अपना दल भी समाजवादी पार्टी के दबाव में आकर इसकी बात करने लगी है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि आखिर बीजेपी की जातीय जनगणना पर नीति क्या है? आम विश्लेषकों की टिप्पणी यही है कि बीजेपी की नीति इस विषय पर अस्पष्ट है। क्या यही सच है? पहले देखें कि इस धारणा का आधार क्या है?

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से कराई गई जातीय जनगणना का जहां राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी ने विरोध किया, वहीं प्रदेश पार्टी इकाई ने समर्थन। बिहार जाति आधारित गणना रिपोर्ट का एक अंश आने के बाद बीजेपी ने राजनीतिक रूप से इस पर प्रश्न उठाए, लेकिन नीतिगत विरोध का संदेश वक्तव्य से नहीं आया। नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद के अंदर वक्तव्य दिया था कि अगली जनगणना में जाति गणना भी की जाएगी। उस समय बीजेपी ने उस पर चुप्पी साध ली थी। इनसे निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि बीजेपी समझ नहीं पा रही, उसे क्या करना है। वह

मनोवैज्ञानिक दबाव में है। किंतु इसके दूसरे पहलुओं को देखें तो बीजेपी की नीति को लेकर कोई संदेह नहीं रहता। मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जाति जनगणना संबंधी याचिका पर दिए गए हलफनामे में दो बातें बिलकुल साफ कर दी हैं।

पहली, सरकार जातीय जनगणना नहीं कराएगी। दूसरी, जातीय जनगणना व्यावहारिक नहीं है। इस तरह मोदी सरकार की नीति बिल्कुल स्पष्ट है। ध्यान रखने की बात है कि बीजेपी को इस समय अनेक राज्यों में पिछड़ी जातियों के सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं। ऐसे में वह माहौल के विरुद्ध इस प्रकार का शपथपत्र देकर सामान्य तौर पर राजनीतिक जोखिम मोल नहीं लेती। वास्तव में इस स्पष्ट रुख के पीछे ठोस कारण हैं। यूपीए सरकार ने 2011 की जनगणना के समानांतर सामाजिक आर्थिक गणना के नाम से जाति जनगणना कराई थी। हालांकि सरकार के अंदर मतभेद के कारण इसे जनगणना आयुक्त की जगह ग्रामीण मंत्रालय के तहत कराया गया जो जारी नहीं हुआ। मोदी सरकार ने जातिगत गणना की रिपोर्ट जारी करने का निर्णय किया और इसकी घोषणा भी कर दी गई। मगर इसकी अध्ययन समिति ने रिपोर्ट पर बारीकी से गौर करने के बाद हाथ खड़े कर दिए।

अध्ययन का निष्कर्ष था कि भारत में जाति व्यवस्था इतनी जटिल है कि राष्ट्रीय स्तर पर इसकी गणना करके बिल्कुल स्पष्ट रिपोर्ट देना संभव ही नहीं। इसे जारी करने के बाद देश में सामाजिक अशांति और तनाव बढ़ने का खतरा होगा। भारत की जाति व्यवस्था का गहराई से अध्ययन करने वालों को पता है कि यह विश्व की अनोखी सामाजिक व्यवस्था थी। बाद के कालखंड में जाति भेद, ऊंच-नीच, छुआछूत आदि ने इसको विरूपित किया। गांधी जी ने भारत में अस्पृश्यता, ऊंच-नीच के उन्मूलन का अभियान चलाया, जाति व्यवस्था समाप्त करने का नहीं। अंग्रेजों को लगा कि जब तक भारत की जाति व्यवस्था में फूट नहीं डालेंगे यहां स्थिर रूप से शासन करना संभव नहीं होगा। इसलिए अंग्रेजों ने समाज में फूट डालो और राज करो की नीति के तहत जाति जनगणना कराना शुरू किया। इसका ध्यान रखते हुए नेहरू मंत्रिमंडल ने तय किया कि आगे से भारत में जाति जनगणना नहीं होगी। उस निर्णय में डॉक्टर बाबा साहब आंबेडकर भी शामिल थे। अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए आरक्षण की व्यवस्था संविधान में थी, इसलिए उनकी गणना का निर्णय किया गया। इस बीच बिहार में हुई जाति आधारित गणना की रिपोर्ट पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

रिपोर्ट में यादवों की 14 प्रतिशत से ऊपर की आबादी देखकर लोग हैरत में हैं। सामान्य जातियों की संख्या इतनी कम दिख रही है जिसकी कल्पना ही नहीं थी। बिहार के क्षेत्रों से यह शिकायत आ रही है कि उनके यहां कोई आया ही नहीं। राजनीतिक पाला बदलते रहने के कारण नीतीश कुमार की विश्वसनीयता इतनी नीचे है कि प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों ने जाति आधारित गणना के आदेश को गंभीरता से नहीं लिया। बाद में दबाव बढ़ने पर आनन-फानन कोशिश हुई। ऐसा लगता है कि सत्ता संचालन का मुख्य केंद्र लालू यादव परिवार होने का प्रभाव पूरी रिपोर्ट पर पड़ा। सवाल यह भी है कि नीतीश सरकार रिपोर्ट का दूसरा भाग सार्वजनिक करने में विलंब क्यों कर रही है।

पीएम मोदी की सभा से पहले बस्तर संभाग में नक्सलियों ने की चार ग्रामीणों की हत्या, किया था अगवा

■ चुनाव अधिकारियों को दी मतदान केंद्रों पर नहीं जाने की चेतावनी

कांकेर। कांकेर में इस वक्त एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पीएम मोदी के सभा से पहले नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक में तीन ग्रामीणों की हत्या कर दी है। पूरा मामला पखांजूर क्षेत्र के छोटे बेटियां थाना अंतर्गत मोरखंडी गांव का है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने मोरखंडी गांव से पांच ग्रामीणों को अगवा किया था। जिसमें तीन ग्रामीणों की मुखबिरी का आरोप लगाकर हत्या कर दी है। मृतकों की पहचना कुल्ले कतलामी (35), मनोज कोवाची (22), डुग्गे कोवाची (27) के रूप में हुई है।

बीजापुर में एक ग्रामीण की हत्या

नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के आरोप में एक ग्रामीण की रस्सी से गला घोंटकर कर हत्या कर दी और चुनाव अधिकारियों को सात नवंबर को मतदान कराने के लिए मतदान केंद्रों पर नहीं जाने की चेतावनी दी। ग्रामीण की हत्या कर नक्सलियों ने शव को नडपल्ली व गलगम के बीच सड़क पर फेंक दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक, बुधवार की दरमियानी रात बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र

के गलगम निवासी ग्रामीण मुचाकी लिंगा पिता मल्ला उम्र 40 की नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के आरोप में रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। नक्सलियों ने ग्रामीण की हत्या के बाद गलगम व नडपल्ली के बीच सड़क में शव को फेंक दिया। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों का पता लगाने के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

एक अन्य घटना में मतदान अधिकारियों के लिए चेतावनी वाला एक नोट भेजा गया है। यह नोट स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) की पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी द्वारा जारी किया गया था। जिसमें चुनाव अधिकारियों को सात नवंबर को मतदान कराने के लिए मतदान केंद्रों पर नहीं जाने की चेतावनी दी गई है। बीजापुर उन 20 विधानसभा क्षेत्रों में से एक है, जहां 7 नवंबर को दो चरणों वाले राज्य विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान होगा। कुल 90 सीटों में से शेष 70 सीटों के लिए मतदान 17 नवंबर को दूसरे चरण में होगा।

क्या चाहते हैं नक्सली?

पीएम मोदी की सभा से पहले नक्सलियों ने फिर दहशत फैलान की कोशिश की है। चुनाव के समय नक्सलियों ने फरमान जारी कर कहा था कि चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारी गांव से दूरी बनाकर रखें, चुनाव में सहयोग ना करें। ऐसा नहीं करने पर नक्सलियों ने गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। इस वजह से इस बार कई मतदान केंद्र गांव से एक किलोमीटर की दूरी पर बनाए गए हैं। खुद मतदानकर्मियों ने हाल ही में कहा था कि यदि गांव के पास गए तो शहीद हो जाएंगे।

गरमाई बीजेपी और कांग्रेस की राजनीति

दूसरी और नक्सलियों की इस कायराना हरकत से बीजेपी और कांग्रेस की राजनीति गरमा गई है। वो फिर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप में लगा रहे हैं। बीजेपी नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस सरकार बस्तर संभाग में सुरक्षा नहीं दे पा रही है। लोगों की रक्षा नहीं कर पा रही है। नक्सलियों से भय और आतंक का माहौल बना हुआ है। पार्टी के कई नेताओं की भी नक्सली हिंसा में हत्या हो चुकी है। पीएम मोदी की सभा से पहले इस तरह की वारदात भूपेश सरकार पर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ बीजेपी मीडिया विभाग के इंचार्ज अमित चिमनानी ने आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव में हार के डर से कांग्रेस हिंसा पर उतर आई है। बीजेपी पहले से ही कहती रही है कि कांग्रेस हिंसा के जरिए चुनाव को प्रभावित करना चाहती है। इससे पहले टारगेट किलिंग और अब नक्सलियों की ओर से चार ग्रामीणों की हत्या इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कांग्रेस हिंसा का सहारा ले रही है। भूपेश सरकार बीजेपी नेताओं को सुरक्षा नहीं दे पा रही है।

वहीं, कांग्रेस नेता दावा कर रहे हैं कि भूपेश सरकार में नक्सली वारदातों में कमी आई है। केंद्र सरकार बस्तर में सुरक्षा के नाम पर सहयोग नहीं कर रही है। पर्याप्त मात्रा में फोर्स की व्यवस्था नहीं कर पा रही है।

कबीरधाम में आज शाह और चार को सीएम योगी करेंगे रोड शो

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के पंडरिया और कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में प्रथम चरण के अंतर्गत सात नवंबर को मतदान होना है। कांग्रेस, भाजपा, आप समेत अन्य पार्टी व प्रत्याशी द्वारा प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसी कड़ी में कवर्धा में भाजपा का दो दिन तक बड़ा कार्यक्रम होगा।

तीन नवंबर शुक्रवार को अमित शाह तो शनिवार यानी चार नवंबर को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ कवर्धा में रोड शो करेंगे। भाजपा कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार, तीन नवंबर शुक्रवार को पंडरिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भावना बोहरा के पक्ष में प्रचार करने अमित शाह आ रहे है। अमित शाह सुबह 10 बजे पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रणवीरपुर के स्कूल ग्राउंड (दशहरा मैदान) में विजय संकल्प महारैली में शामिल होंगे।

वहीं, शनिवार यानी चार नवंबर को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का कबीरधाम जिले के पंडरिया व कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में दो कार्यक्रम में शामिल होंगे। सीएम योगी दोपहर दो से तीन बजे तक पंडरिया में आयोजित सभा को संबोधित करेंगे। पंडरिया के बाद सीधे कवर्धा आएंगे, जहां दोपहर 3.30 बजे से रोड शो व आमसभा को संबोधित करेंगे। शाम पांच बजे रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दौरान कवर्धा में भाजपा प्रत्याशी विजय शर्मा के पक्ष में प्रचार करेंगे।

बालोद में 6 को प्रियंका गांधी की रैली, मैदान में उतरे दिग्गज

बालोद। पहले चरण का मतदान जैसे जैसे करीब आता जा रहा है वैसे वैसे चुनावी पारा आसमान पर चढ़ता जा रहा है। बालोद की तीनों विधानसभा सीटों पर हाथ का साथ दिलाने के लिए कांग्रेस जी जान से जुटी है। 6 नवंबर को खुद कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी जुंगेरा से तीनों विधानसभा सीटों को साधने के लिए पहुंच रही हैं। प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जोश हाई है वहीं दौरे को सफल बनाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने अपने बड़े नेताओं को मैदान में उतार दिया है।

कांग्रेस का कहना है कि खुद प्रियंका गांधी ने जब कह दिया है कि लड़की हूं लड़ सकती है तो ऐसे में तीन में दो सीटों पर महिलाओं को टिकट देना तो बनता ही था। मैदान में सियासी मोर्चाबंदी करने निकले सीएम के सलाकार राजेश तिवारी ने कहा कि कांग्रेस की योजनाओं का लाभ और जनता के हित में चल रही राज्य सरकार की योजनाओं का सीधा फायदा कांग्रेस को मिलेगा। हमारी कोशिश है कि प्रियंका गांधी की रैली में ज्यादा से ज्यादा महिलाएं शामिल हों, आयोजन को भव्य और बड़ा बनाने की हर संभव कोशिश भी की जा रही है।

प्रियंका गांधी की 6 तारीख को होने वाली रैली को लेकर कांग्रेस जहां उत्साहित है और 75 पार के नारे को बुलंद कर रही है वहीं बीजेपी को हारा हुआ खिलाड़ी भी बताने से नहीं चूक रही है। बालोद में मैदान संभाले मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी ने तंज कसते हुए कहा कि रमन सिंह और बीजेपी दोनों की स्थिति खराब है। जनता ने हमारा पांच साल का पिछला रिकार्ड देख लिया है। हम फिर से जीतने वाले हैं।अभी तो पहले चरण की 20 सीटों पर मतदान हुआ भी नहीं और कांग्रेस ने ये दावा करना शुरू कर दिया है कि वो 75 पार के नारे को हर हाल में पूरा करेगी। ऐसे में अब ये देखना काफी दिलचस्प होगा कि जिस बीजेपी को कांग्रेस बेदम पार्टी बता रही है वो कितना जोर मैदान में लगाती है, क्योंकि फैसला तो जनता को करना है क्योंकि जनता ही लोकतंत्र में जनार्दन है।

गुंडरदेही में कांग्रेस को भाजपा और आप की चुनौती हर बार विधायक बदलने का रहा है इतिहास

बालोद। बालोद जिले के गुंडरदेही विधानसभा क्षेत्र में इन दोनों सभी प्रत्याशियों ने प्रचार प्रसार में अपनी ताकत झोंक दी है। बीजेपी के वीरेंद्र साहू विधानसभा के तीन बड़े ब्लॉक में जनसंपर्क किया है। इस दौरान वीरेंद्र साहू ने गुंडरदेही से मौजूदा कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर सिंह निषाद पर तंज कसा है।वीरेंद्र साहू ने कहा कि केंद्र की योजनाओं को लेकर विधायक कुंवर सिंह निषाद वाहवाही लूट रहे हैं। हमें तो यह जानकारी मिल रही है कि गांव-गांव से विधायक को भगाया भी जा रहा है। यहां की जनता अब पूरी तरह बदलाव की मूड में है।

बीजेपी प्रत्याशी वीरेंद्र साहू ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में क्षेत्र में विकास कार्यों का सूखा पड़ा हुआ है। हम जब गांव गांव जा रहे हैं तो देख रहे हैं कि सरपंच काफी परेशान हैं। कमीशन दे देकर सरपंचों के आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी है। विधानसभा में अब बदलाव की उम्मीद लेकर लोग आशा भरी निगाहों से भारतीय जनता पार्टी की ओर देख रहे हैं।

वीरेंद्र साहू ने कहा हमें विश्वास है कि इस बार जनता को न्याय जरूर मिलेगा। इस बार भ्रष्टाचारी विधायक को लोग बदल कर रहेंगे। वीरेंद्र ने कहा कि हम गांव-गांव घूम रहे हैं तो यह जानकारी मिल रही किस तरह पहले कुंवर सिंह निषाद यहां

आए थे जिन्हें भगा दिया गया।आखिर एक विधायक को क्यों गांव से भागना पड़ रहा है यह सबसे बड़ा सवाल है।

वहीं बीजेपी कांग्रेस की इस लड़ाई में आम आदमी पार्टी ने भी चुनौती पेश की है। आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी जसवंत सिन्हा ने कहा कि हम केवल केजरीवाल के नौ गारंटी को लेकर प्रचार प्रसार कर रहे हैं। जिसमें शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार शामिल है। यह सब मूलभूत सुविधाएं ही जनता को विकास के शिखर पर पहुंचाती है। जब हम लोगों के बीच जा रहे हैं तो उनका जन समर्थन मिल रहा है। यहां की जनता जागरुक है। यहां पर हर बार विधायकों को बदल दिया जाता है। इस बार भी बदलाव करेगी।

जसवंत सिन्हा ने कहा जनता का रुझान बदलाव की ओर है। हमने जो दिल्ली और पंजाब में मॉडल जनता के सामने रखा है। मूलभूत सुविधाओं की अनोखे ढंग से आपूर्ति हुई है। इस विकास के मॉडल को लेकर हम जनता के बीच जा रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी जसवंत सिन्हा ने कहा कि गुंडरदेही में पिछले 40 वर्षों का इतिहास है कि हर बार यहां पर विधायकों को बदल दिया जाता है। इस बार भी बदलाव की बयान देखने को मिल रही है। हमने शिक्षा स्वास्थ्य बिजली पानी इंफ्रास्ट्रक्चर सभी को ध्यान में रखते हुए ऐसी गारंटियां बनाई है जो जनता के हित में है।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

राहुल गांधी 4 को जगदलपुर में जनसभा को करेंगे संबोधित

जगदलपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 4 नवंबर को जगदलपुर आएंगे, वे यहां कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान के लिए एक जनसभा को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी के दौरे से संबंधित तैयारियों के लिए कांग्रेस के महामंत्री मलकीत सिंह गैदू को समन्वयक बनाया गया है, दौरे के दौरान वे पूरी व्यवस्था को देखेंगे। राहुल गांधी के दौरे को देखते हुए कांग्रेसियों ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल गांधी स्थानीय लालबाग मैदान से सभा को संबोधित करेंगे। पिछले विधानसभा चुनावों में राहुल गांधी मतदान के 48 घंटे पहले जगदलपुर पहुंचे थे और लोहंडीगुड़ा में आदिवासियों की जमीन वापसी, किसानों की कर्ज माफी जैसी बड़ी घोषणाएं की थी। इधर राहुल गांधी का जगदलपुर प्रवास तय होते ही कांग्रेसियों ने तैयारियों की शुरूआत कर दी है। आज कांग्रेस भवन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और क्रेडा अध्यक्ष मिथलेश स्वर्णकार, कार्यक्रम समन्वयक मलकीत सिंह गैदू और शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

4 को भरत वर्मा व 5 को रमन के लिए वोट मांगने आएंगे योगी

राजनांदगांव। राजनांदगांव विधासभा क्षेत्र में

7 नवंबर को मतदान होना है और 5 नवंबर की शाम को 5 बजे से प्रचार-प्रसार अभियान थम जाएगा। चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में कांग्रेस और भाजपा के साथ अन्य पार्टियां जोरशोर से जुटी हुई है। इस बीच भाजपा के स्टार प्रचार व उत्तरप्रदेश के युवा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 4 नवंबर को डोंगरगांव से भाजपा भरत वर्मा व 5 नवंबर पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह के लिए जनसभा को संबोधित करते हुए जनता से वोट मांगे। भाजपा मीडिया सेल से प्राप्त जानकारी के अनुसार 5 नवंबर को स्टार प्रचारक एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजनांदगांव में विशाल रोड शो करेंगे तथा गंज चौक में सभा को भी संबोधित करेंगे। वहीं योगी आदित्यनाथ 4 नवंबर को दोपहर 12 बजे भाजपा प्रत्याशी भरत वर्मा के पक्ष में डोंगरगांव बस स्टैंड के नजदीक गायत्री ग्राउंड में विशाल आमसभा को भी संबोधित करेंगे।

एमसीबी में अपहरण का आरोपी मध्यप्रदेश से गिरफ्तार

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। कहा जाता है कि जेल वो जगह होती है जहां जाकर अपराधी को न सिर्फ अपने किए गुनाह का पछतावा होता है बल्कि जेल में उसे सुधरने का भी मौका मिलता है। लेकिन कुछ अपराधी ऐसे होते हैं जिनका पेशा और धर्म दोनों ही सिर्फ और सिर्फ अपराध करना होता है। बैकुंठपुर पुलिस ने ऐसे ही एक पेशेवर अपराधी को गिरफ्तार किया है जो पुलिस की एफआईआर में न सिर्फ आदतन अपराधी है बल्कि गवाह को कट्टे की नोक पर धमकाने का जुर्म भी माथे पर लिए घूम रहा था। कट्टे की नोट पर धमकी दिए जाने और अपहरण की खबर मिलने के बाद पुलिस ने अपराधी का पूरा बैकग्राउंड खंगाला तो पता चला कि अरोपी ने अपहरण की वारदात को अकेले अंजाम नहीं दिया है बल्कि उसके गुनाह में उसका एक साथी भी साथ रहा है। पुलिस ने पहले तो संजय अग्रवाल के साथी को गिरफ्तार किया फिर मुखबिर की सूचना पर मास्टरमाइंड संजय अग्रवाल को मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ से गिरफ्तार किया। आरोपी को पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर कोर्ट में पेश कर दिया है।

क्रेन की चपेट में आने से मजदूर की दर्दनाक मौत

कोरबा। कोरबा के बांगो थाना क्षेत्र में काम के दौरान क्रेन कि चपेट में आने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। मजदूर की मौत के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनाक्रम की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार, बांगो थाना क्षेत्र के देवमठी गांव में पिछले कुछ दिनों से रेलवे पुल बनाने का काम चल रहा है। ये काम किसी निजी कंपनी को दिया गया है और काफी संख्या में मजदूर इस काम को कर रहे हैं। गुरुवार की सुबह लगभग 10ः00 बजे काम के दौरान एक मजदूर काम में लगे क्रेन की चपेट में आ गया। इसके बाद उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मजदूर की मौत के बाद काम करने वालों की भीड़ एकत्रित हो गई। इस घटना के बाद कंपनी के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना बांगो थाना पुलिस को दी गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि रेलवे पुल बनाने का काम चल रहा है। सभी मजदूर काम पर लगे हुए थे।

खेत में घूम रहा था मगरमच्छ वन अमले ने किया रेस्क्यू

कोरबा। कोरबा जिले के सरहदी गांव

परसदा में खेत में मगरमच्छ होने से हड़कंप मच गया। धान कटाई करने पहुंचे ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन अमले को दी। मौके पर पहुंची वन विभाग टीम ने रेस्क्यू कर मगरमच्छ को खूंटाघाट जलाशय में छोड़ दिया। परसदा गांव कटघोरा वनमंडल के पाली वन परिक्षेत्र में स्थित है। यह गांव सरहदी इलाके में होने के साथ-साथ बिलासपुर जिले के खूंटाघाट जलाशय से लगा हुआ है। जिसके कारण आए दिन क्षेत्र में खूंटाघाट जलाशय से निकलकर मगरमच्छ आबादी वाले क्षेत्र तक पहुंच जाते हैं। बुधवार को भी एक मगरमच्छ परसदा तक जा पहुंचा। यह मगरमच्छ गांव में रहने वाले लखेश्वर जगत के खेत में डेरा डाला हुआ था। मगरमच्छ गांव में भी घुस गया था और हमला कर ग्रामीण को गंभीर रूप से घायल भी कर दिया था। बहरहाल मगरमच्छ के जलाशय में छोड़े जाने से ग्रामीण राहत महसूस कर रहे हैं।

कांग्रेस और भाजपा के घोषणा के जवाब में जेसीसीजे का शपथ पत्र

■ 10 बिंदुओं पर मांग रहे जनता से वोट

कवर्धा। विधानसभा चुनाव में जनता का विश्वास जीतने के लिए वादों और घोषणाओं का दौर चल रहा है। कांग्रेस ने जहां 17 घोषणाएं करके काफी हद तक चुनावी हवा अपनी ओर करने का काम किया है।वहीं दूसरी तरफ बीजेपी ने किसी तरह की घोषणा नहीं की है।वहीं आम आदमी पार्टी ने अपनी 10 गारंटी लाकर चुनाव में इसे पूरा करने का दंभ भर रहे हैं।वहीं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ शपथ पत्र जारी करके जनता से इन्हें पूरा करने का वादा कर रही है।इसी कड़ी में पंडरिया विधानसभा से जेसीसीजे प्रत्याशी ने भी शपथ पत्र जारी करके जनता से वोट मांगा है।

जेसीसीजे प्रत्याशी ने जारी किया शपथ पत्र- छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के नेताओं ने घोषणाओं की झड़ी लगाई है। जिसमें पिछली बार की तरह किसानों का कर्जा माफ करने का ऐलान किया गया है।वहीं बीजेपी ने 12 पन्नों का सेवा संकल्प पत्र जारी किया है। लेकिन जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रत्याशी ने 100 रुपए के स्टांप में नोटरी के साथ 10 बिंदुओं में अपना शपथपत्र जारी किया है। जनता कांग्रेस के पंडरिया विधानसभा प्रत्याशी रवि चन्द्रवंशी ने शपथ पत्र जारी करके ईटीवी भारत को बताया कि उनके पार्टी सुप्रीमो अमित जोगी के निर्देश पर पंडरिया की जनता के हित को देखते हुए फैसला लिए गए हैं।यदि जनता उन्हें विधायक चुनती है तो वे शपथ पत्र में दिए 10 कार्य को प्राथमिकता से पूरा करेंगे।

जेसीसीजे प्रत्याशी के शपथ पत्र के बिंदु

1. क्षेत्र के सभी गन्ना उत्पादक किसान जो दोनों शक्कर कारखाना में शेयर लेना चाहेंगे सभी को शेयर दिलाएंगे। साथ ही सभी किसानों को रियायती दर पर 100 किलो शक्कर प्रति शेयर।

2. क्षेत्र में बढ़ती गन्ने की उत्पादकता को देखने कुंडा दामापुर क्षेत्र में नया शक्कर कारखाना किसानों खोला जाएगा। साथ ही गन्ना विक्रय की राशि 15 दिनों में लाभांश बोनस की राशि कारखाना बंद होने के 15 दिवस में दिलाएंगे।

3. वनांचल क्षेत्र के आदिवासी बैगा परिवारों को सामुदायिक वन अधिकार पट्टा का वितरण कराएंगे। साथ ही वनांचल ग्राम चियाड़ाठ के बंद हाईस्कूल और कोदागोदान में पुलिस चौकी, कॉलेज खुलेंगे।

4. पंडरिया और पांडातराई नगर में भव्य गार्डन, नगर में चौपाटी व्यवस्था की शुरूआत

5. क्षेत्र की बिजली व्यवस्था जो दिन प्रतिदिन बढ़ती समस्या को चुस्त-दुरुस्त किया जाएगा।

6. संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों की खस्ताहाल सड़कों का नवीनीकरण, मरम्मत कर ग्रामीणों को सुविधायुक्त सड़क उपलब्ध कराया जाएगा।

7. सुतिया बांध के पानी पर पहला अधिकार लोहारा/वीरेन्द्र नगर क्षेत्र के किसानों का है। इसलिए सुतियापाठ बांध का पानी लोहारा, वीरेन्द्र नगर क्षेत्र के किसानों को दिया जाएगा। वीरेन्द्र नगर में कॉलेज और 20 बिस्तरों का अस्पताल खोला जाएगा।

8. दामापुर में आईटीआई कॉलेज। मोहगांव को उपतहसील, दशरंगपुर (पनेका) में कॉलेज खोला जाएगा।

9. क्रांति बांध नहर गहरीकरण, विस्तारीकरण करते हुए पौनी,महका, बघर्रा,नरौली क्षेत्र के पूरे किसानों के खेत तक पानी पहुंचाया जाएगा। साथ ही मोहपाठ जलाशय नहर का विस्तारीकरण कर बाघरयटोला की ओर या घोघरा डायवर्सन जलाशय का विस्तारीकरण पलानसरी।आंधियाखोर की आगे की ओर किया जाएगा।

10. मरका क्षेत्र के किसान भाईयों के लिये मरका में सहकारिता बैंक,जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक का स्थापना किया जाएगा।

लोधी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष आज डोंगरगांव में करेंगे भाजपा प्रत्याशी वर्मा का प्रचार

डोंगरगांव। उत्तरप्रदेश के एटा विधायक व अखिल भारतीय लोधी - लोधा - लोध महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन कुमार वर्मा एक दिवसीय छत्तीसगढ प्रवास पर कल आ रहे है। राजधानी रायपुर में सामाजिकजनों से चर्चा करने के बाद राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले डोंगरगांव विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी भरत वर्मा के लिए चुनाव प्रचार-प्रसार करने जाएंगे। लोधी क्षत्रिय समाज चंगोराभाठा ईकाई रायपुर के अध्यक्ष अध्यक्ष लोधी सुरेश सुलाखे व सचिव प्रहलाद लोधी ने बताया कि लोधी क्षत्रीय समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन कुमार वर्मा उर्फ डेविड कल एक दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ आ रहे है जहां समाज के लोग उनके स्वागत की तैयारी में जुट गए है। राजधानी रायपुर पहुंचने के बाद वे छत्तीसगढ में हो रहे विधानसभा चुनाव की राजनीतिक बिसात पर सामाजिक चर्चा भी करेंगे। डोंगरगांव विधानसभा से भाजपा ने श्री भरत लाल वर्मा को प्रथम बार प्रत्याशी बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता नहीं रोजगार चाहिए : हिमंता

असम के मुख्यमंत्री मानपुर में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंचे

राजनांदगांव। बीजेपी के स्टार प्रचारक और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा गुरुवार को नवगठित जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के मानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। इसके बाद आमसभा के दौरान असम के सीएम ने छत्तीसगढ़ की बघेल सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने और आवास योजना को लेकर बघेल सरकार पर हमला बोला। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता यहां मौजूद रहे।

दरअसल, छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। पहले चरण में 20 सीटों पर मतदान होने हैं। इसे लेकर भाजपा, कांग्रेस और अन्य दलों के आला नेता स्टार प्रचारक लगातार चुनावी दौरा कर रहे हैं। इस कड़ी में भाजपा के स्टार प्रचारक और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा गुरुवार को मानपुर पहुंचे। मानपुर में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी संजीव शाह के पक्ष में प्रचार किया।

हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा मैं मां कामाख्या की धरती से आया हूं। मां कामाख्या के धरती से आए एक असमिया होने के नाते मां कौशल्या की पवित्र भूमि छत्तीसगढ़ के माता-बहनों को नमन करता हूं। छत्तीसगढ़ में बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है। युवाओं को बेरोजगारी भत्ता नहीं रोजगार चाहिए। 10 से 12 लाख बेरोजगार छत्तीसगढ़ में हैं, जिसमें से केवल 40 से 50 हजार लोगों को ही बेरोजगारी भत्ता मिल रहा है।

सरमा ने कहा कि एक मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी होती है कि लोगों को रोजगार दी जाए, ना कि बेरोजगारी भत्ता। अगर मैं मुख्यमंत्री होता तो मेरी जिम्मेदारी बनती कि छत्तीसगढ़ के लोगों को नौकरी दिलाना। रोजगार दिलाना। बेरोजगारी भत्ता देना मेरा काम नहीं है। आप लोग सीएम भूपेश बघेल असम गए हुए थे। चुनाव के समय असम में कांग्रेस सरकार आने से बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा, तो मैं भूपेश बघेल जी से बोला कि आपका ट्रेनिंग आधूरा है। मैं वादा करता हूं कि आप जितने लोगों को बेरोजगारी भत्ता देंगे, उतने लोगों को मैं रोजगार दिलाने का काम करूंगा। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रधानमंत्री जी ने 16 लाख लोगों के आवास के लिए ढाई-ढाई लाख रुपया भेजा है। हम पूछते हैं कि वह पैसा कहां गया। यहां घर तो बना नहीं।

बता दें कि इससे पहले भी असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा छत्तीसगढ़ आए थे। उस समय भी उन्होंने अपने बयान से सुर्खियां बटोरी थी। उनका बयान कई दिनों तक सियासी गलियारों में चर्चा में रहा। इस बीच एक बार फिर बेरोजगारी भत्ता पर असम के सीएम ने बयान दिया है। बता दें कि अब तक असम के सीएम के बयान पर कांग्रेस की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भूपेश बघेल को नेतृत्व से हटाने की चल रही तैयारी : हिमंता बिस्व सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एक बड़ा दावा किया है, जिसमें सरमा ने कहा है कि कांग्रेस, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल को नेतृत्व पद से हटाने की तैयारी कर रही है। सरमा छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। रायपुर में पत्रकारों से बात करते हुए असम सीएम ने कहा कि मेरे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक कांग्रेस ने तय किया है कि भूपेश बघेल का नाम पोस्टर और बैनर से हटाना चाहिए। बीते 10 दिनों से यह शुरू हो गया है। मैं 22 सालों तक कांग्रेस में रहा इसलिए मेरे पास पार्टी की आंतरिक जानकारी रहती है। चुनाव के बाद कांग्रेस, बघेल को नेतृत्व पद से या तो तुरंत हटा देगी या फिर धीरे-धीरे उन्हें हटाया जाएगा।

चुनाव आयोग से नोटिस मिलने पर हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि %जब मैंने अकबर के खिलाफ बोला तो कांग्रेस ने मेरे खिलाफ शिकायत कर दी। अगर मैंने टीएस सिंहदेव या बघेल के खिलाफ कुछ बोला होता और तब वह शिकायत करते तो बात समझ भी आती। मुझे लगता है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लिए भूपेश बघेल से ज्यादा अहम अकबर है। कांग्रेस को अकबर इतना प्यारा क्यों है?

... जब मिले मुख्यमंत्री बघेल और हिमंता बिस्व सरमा

राजनांदगांव। राजनीति के धुर विरोधी जब एक दूसरे से मिलते हैं तो वो तस्वीर सिर्फ मीडिया के कैमरों के लिए खास नहीं होती बल्कि वो जनता के लिए भी खास हो जाती है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही दलों के दो धुरंधर भूपेश बघेल और असम के सीएम हिमंता विश्व सरमा की एक तस्वीर मीडिया के कैमरों में क्लिक हो गई जहां दोनों एक दूसरे से बड़े ही गर्मजोशी के साथ मिल रहे हैं।।मौका चुनाव प्रचार का था और दोनों ही नेता मोहला मानपुर में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे।

सियासत में कोई भी तस्वीर तब खास हो जाती है जब राजनीति में एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाने वाले आमने-सामने होते हैं। ऐसी ही एक तस्वीर मोहला मानपुर से आई, जहां चुनाव प्रचार के दौरान एक ही हेलिपैड पर छत्तीसघढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और असम के सीएम हिमंता विश्व सरमा पहुंचे। जाहिर के सियासत में आरोप प्रत्यारोप की बौछार चाहे जितनी हो, आमने-सामने होने पर दोनों नेताओं ने एक दूसरे का न सिर्फ हाल चाल लिया बल्कि बड़े ही गर्मजोशी के एक दूसरे से मिले भी।

कुछ दिनों पहले ही चुनाव प्रचार में छत्तीसगढ़ पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा ने कहा था कि अगर कवर्धा को बचाना है तो मोहम्मद अकबर को हटाना है। हालांकि बाद में चुनाव आयोग ने हिमंता विश्व सरमा को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनके बयान पर सफाई भी मांगी। गुरुवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचने के बाद रायपुर में एयरपोर्ट पर सरमा ने कहा- मैंने जब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की कवर्धा में आलोचना की तो उनकी पार्टी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। लेकिन जैसे ही मैनें उनके मंत्री मोहम्मद अकबर को लेकर घेरा। कांग्रेस नाराज हो गई और चुनाव आयोग तक पहुंच गई। खुद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी हिमंता विश्व सरमा के दिए बयान की न सिर्फ आलोचना की बल्कि बयान पर कड़ी आपत्ति भी उठाई। लेकिन तमाम बयानों और आलोचनाओं के बाद जब आज दोनों मोहला मानपुर में एक दूसरे से मिले तो सियासत की बातों को भूल एक दूसरे का हाल चाल लेकर अपने अपने मिशन पर निकल पड़े। पर पीछे छूट गया मोहम्मद अकबर पर दिया हिमंता विश्व सरमा का वो सियासी बयान जिसने सियासी हलकों में तापमान तो जरूर बढ़ा दिया है।जिसका असर आने वाले दिनों में जरूर देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री बघेल के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री रमन का पलटवार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चुनावी गरमाहट के बीच राजनीतिक दलों और नेताओं का वार-पलटवार जारी है। आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए स्पेशल प्लेन के माध्यम से प्रदेश में बक्सों में भरकर पैसे लाने की आशंका जताते हुए भाजपा, ईडी और सीआरपीएफ के जवानों पर आरोप लगाते हुए कहा कि बड़ी साजिश? निर्वाचन आयोग से अनुरोध है कि जितने भी स्पेशल प्लेन छत्तीसगढ़ में उतर रहे हैं, सबकी जाँच की जाए. आखिर बक्सों में भरकर क्या आ रहा है? छापों के नाम पर आ रही ईडी और सीआरपीएफके वाहनों की भी जाँच की जाए. प्रदेश के लोगों को आशंका है कि चुनाव हारता देख भाजपा भर-भरकर रुपया ला रही है.

इस पर पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पलटवार करते हुए सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्वीटर) पर सीएम भूपेश को जवाब देते हुए लिखा कि यह डर अच्छा लगा। चुनाव हारने के बाद कांग्रेसी श्वङ्करू पर सवाल उठाते थे अब हारने के पहले ही बहाना तैयार करके बैठे हैं। दाऊ भूपेश बघेल बाकी सब तो ठीक है लेकिन सीआरपीएफ के जवानों पर ऐसे आरोप लगाते हुए थोड़ी तो शर्म कर लेते। यह जवान हमारे देश की धरोहर हैं इनकी निष्ठा पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी को भी नहीं है।

मुख्यमंत्री बघेल का मोबाइल अचानक बंद, हैक होने की आशंका

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का मोबाइल बंद हो गया। बार-बार उसे चालू करने की कोशिश की गई। बावजूद इसके सीएम बघेल का मोबाइल चालू नहीं हुआ है। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान दी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा सुबह मैंने मोबाइल से बात भी की और मैंने फेसबुक चलाया। तब सुबह 30 से 40 परसेंट इसका बैटरी भा था। उसके बाद मैं इसे चार्जिंग में डाला और जब मैं होटल से निकला, तो इसको चालू करने की, चार्जिंग करने की कोशिश की। पावर बैंक से भी चार्ज करने की कोशिश की। लेकिन यह चालू नहीं हो रहा है। क्या कुछ मेल भी आया है आपको, क्या लगता है इसे हैक करने की कोशिश की गई है? इस सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा मुझे मालूम नहीं है। लेकिन 11 बजे से यह बंद है। लगभग 6-7 घंटे हो गए है मोबाइल बंद हुए। मुझे नहीं मालूम क्यों मोबाइल ही बंद हो गया है। जाकर इसे चेक करवाता हूं। हाल ही में डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने थ्रेट अलर्ट मिलने की जानकारी दी थी। सिंहदेव ने कहा था कि स्टेट स्पॉन्सर्ड अटैकर्स द्वारा उनके आईफोन को टारगेट किए जाने की संभावना है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा था कि इसमें किसी भी प्रकार की राजनीतिक संलिप्तता है, तो यह भारत के लोकतंत्र और व्यक्ति की निजता का हनन है।

मतदान केन्द्रो में सभी मूलभूत सुविधाओं का इंतजाम हो: मिश्रा

रायपुर। अभनपुर विधानसभा के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्री विष्णु प्रसाद मिश्रा ने आज क्षेत्र के मतदान केन्द्रों पर निरीक्षण किया। श्री मिश्रा नयापारा और ब्लॉक कॉलोनी अभनपुर के मतदान केन्द्रों पर पहुंचे। उन्होंने सभी मतदान केन्द्र में पीने के पानी, बिजली, साफ-सफाई सहित शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। श्री मिश्रा ने सेक्टर ऑफिसर्स और पुलिस सेक्टर ऑफिसर्स को समन्वय के साथ काम करने को कहा।

रायपुर उत्तर विधानसभा केन्द्र के छह मतदान केन्द्र हुए शिफ्ट

विधानसभा निर्वाचन-2023 के दौरान उत्तर रायपुर विधानसभा क्षेत्र के छह मतदान केन्द्रों को निर्वाचन आयोग से अनुमति लेकर दूसरे स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया है। गुजराती स्कूल जयस्तंभ चौक के छह मतदान केन्द्रों को मौदहा पारा के विवेकानंद कॉलेज में शिफ्ट किया गया है। पहले गुजराती स्कूल में बने मतदान केन्द्र क्रमांक 123,124,125,126,127 और 128 अब विवेकानंद कॉलेज में बनेंगे। पिछले विधानसभा निर्वाचन के दौरान जिन मतदाताओं ने छह मतदान केन्द्रों पर गुजराती स्कूल में मतदान किया था। उन्हें इस बार मौदहा पारा के विवेकानंद कॉलेज में मतदान करना होगा।

सीआरपीएफ के बक्सों में मतदाताओं को प्रभावित करने लाये जा सकते हैं पैसे, आयोग करे जांच : भूपेश

रायपुर। सात तारीख को 20 सीटों पर होने वाले मतदान से पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया है। सीएम भूपेश बघेल ने कहा है कि, ईडी और सीआरपीएफ की जो भी टीम छत्तीसगढ़ आ रही है, उनके साथ बड़े बड़े बक्से भी साथ आ रहे हैं। उन बड़े बड़े बक्सों में क्या है, ये सबको पता चलना चाहिए। निर्वाचन आयोग को भी चाहिए कि वो उन बक्सों की जांच करे ताकि ये पता चले की कहीं चुनाव में कोई गड़बड़ी या फिर धांधली की तो तैयारी नहीं है। सीएम भूपेश बघेल ने ये तक कहा कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक गिर सकती है, किसी का भी इस्तेमाल कर सकती है।

चुनाव प्रचार पर निकलने से पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने चिर परिचित अंदाज में एक बार फिर केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ बीजेपी को जमकर कोसा। सीएम ने ये सवाल भी उठाया कि आखिर छत्तीसगढ़ में जब भी ईडी की टीम और सीआरपीएफ की टीम आती है तो बड़े बड़े बक्से भी उनके साथ आते हैं। आखिर उन बक्सों में क्या होता है। ये सबको मालूम होना चाहिए। निर्वाचन आयोग को भी चाहिए कि जब आम लोगों और नेताओं की गाड़ी तक चेक की जा रही है तो फिर उनकी गाड़ियों को क्यों नहीं चेक किया जा रहा। स्पेशल प्लेन से जो भी सामान ईडी

और सीआरपीएफ की टीम लेकर आ रही है उसे जरूर निर्वाचन आयोग अपनी कस्टडी में लेकर चेक करे, क्योंकि बीजेपी कुर्सी पाने के चक्कर कुछ भी कर सकती है, वो इतना नीचे गिर चुकी है कि अब लोकतंत्र की हत्या करने पर भी आमादा है।

भूपेश बघेल ने कहा निर्वाचन आयोग से अनुरोध है कि जितने भी स्पेशल प्लेन छत्तीसगढ़ में उतर रहे हैं, सबकी जांच की जाए। आखिर बक्सों में भरकर क्या आ रहा है? छापों के नाम पर आ रहे ईडी और सीआरपीएफ के वाहनों की भी जांच की जाए।

भूपेश बघेल ने यह सवाल भी उठाया है कि जब सीआरपीएफ की पर्याप्त मौजूदगी है तो छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ की और टीमें लाने की क्या जरूरत है? सीएम बघेल ने कहा कि बीजेपी के लोग किसी भी स्तर पर जा सकते हैं। सत्ता प्राप्ति के लिए यह किसी भी स्तर पर भी जा सकते हैं। जितना नीचे जाने की सोचेंगे, वहां से वह शुरू करते हैं।

सीएम भूपेश बघेल यहीं नहीं रुके, आगे उन्होने कहा कि जब भी पीएम और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ दौरे पर आते हैं। उनके साथ ईडी और आईडी की टीम भी साथ चली आती है। इस गठजोड़ का भी खुलासा होना चाहिए।

भूपेश बघेल ने कहा जयपुर में ईडी का अफसर 15 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार हुआ है। इसीलिए मैं बार-बार कह रहा हूं कि गलियों-गलियों में घूम रहे इन ईडी अफ़सरों की गाड़ी की जरूर जांच की जाए। छापों की आड़ में कहीं ये कमल छाप के स्टार प्रचारक बनकर तो नहीं घूम रहे हैं?

फोन टैपिंग की खबरों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दो घंटे तक मेरा फोन बंद रहा। मीडिया से जब फोन बंद होने की बात हमने शेयर की तब कहीं जाकर फो चालू हुआ। फोन बंद होना कई सारी आशंकाओं को जन्म देता है, जिसका खुलासा तो होना ही चाहिए। कहीं फोन की हैकिंग या फिर टैपिंग तो नहीं की जा रही।

सीएम बघेल ने दावा किया कि विपक्ष इस बार भी विपक्ष में ही बैठेगा। जनता ने ये मूड बना लिया है। बिना कुर्सी के बीजेपी रह नहीं सकती इसलिए वो एड़ी चोटी का जोर लगाकर, चुनाव में धांधली कर जीत हासिल करना चाहती है लेकिन विपक्ष को ये मौका जनता नहीं देने वाली है।

बस्तर संभाग से खुलती है सत्ता की चाबी, 12 सीटों का सियासी समीकरण, कौन मारेगा बाजी?

ललित कुमार सिंह

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर पहले चरण में 7 नवंबर को 20 सीटों पर चुनाव कराए जाएंगे। इनमें सबसे महत्वपूर्ण संभाग बस्तर है, जहां से कुल 90 सीटों में से 12 सीटें आती हैं। आदिवासी बहुल बस्तर संभाग में कुल 7 जिले आते हैं। 7 जिलों के संभाग में यहां छत्तीसगढ़ की 12 विधानसभा और 1 लोकसभा सीट है। बस्तर संभाग की 12 विधानसभा सीटों में 11 विधानसभा सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) और एक सीट सामान्य है। इनमें बस्तर, कांकेर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बीजापुर, कोंटा, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, अंतागढ़, भानुप्रतापपुर की सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। वहीं जगदलपुर विधानसभा सीट सामान्य है। वर्तमान में 12 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है।

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को यहीं से करारी हार का सामना करना पड़ा था और सत्ता गंवानी पड़ी थी। राजनीतिक दृष्टिकोण से बस्तर संभाग काफी अहम माना जाता है। कहा जाता है कि छत्तीसगढ़ में सत्ता की चाबी बस्तर संभाग से खुलती है। इसलिए माना जाता है कि अगर छत्तीसगढ़ में सरकार बनानी है, तो बस्तर किला पर फतह हासिल करना बहुत जरूरी है। प्रदेश में कुल 90 विधानसभा सीट हैं, जिनमें 39 सीटें आरक्षित हैं। 39 में से 29 सीटें आदिवासियों के लिए सुरक्षित हैं। 29 में से 12 सीटें बस्तर संभाग से आती हैं। 15 साल तक सत्ता पर काबिज रही बीजेपी को साल 2018 में यही से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था, इसलिए बीजेपी में सत्ता पाने की बैचेनी है। बस्तर में बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओपी माथुर समेत पार्टी के कई दिग्गज नेता दौरा कर चुके हैं और कर रहे हैं। बस्तर में पीएम मोदी, प्रियंका गांधी और सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान बस्तर में चुनावी सभा कर चुके हैं। बस्तर संभाग के रहवासियों के मुख्य आय का स्त्रोत वनोपज और खेती-किसानी है।

बस्तर- इस सीट से इस बार बीजेपी प्रत्याशी मनीराम कश्यप के सामने कांग्रेस प्रत्याशी लखेश्वर बघेल चुनाव लड़ रहे हैं। फिलहाल यहां पर लखेश्वर बघेल मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं। वह दो बार के विधायक रह चुके हैं। वह 2018 का चुनाव काफी बड़े अंतर से जीते थे। वहीं मनीराम पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। वो तीन बार जिला पंचायत सदस्य और उपाध्यक्ष रह चुके हैं। कुछ इलाकों में इनकी मजबूत पकड़ है। यहां कुल मतदाता 167635 है। इसमें पुरुष 81184 और महिला 86449 हैं। वहीं ट्रांसजेंडर 2 हैं।

जगदलपुर- इस सीट से इस बार से बीजेपी प्रत्याशी किरणदेव सिंह के सामने कांग्रेस प्रत्याशी जीतिन जायसवाल चुनाव लड़ रहे हैं। वर्तमान में दोनों के बीच कांटे की टक्कर दिख रही है। दोनों नगर निगम में पूर्व महापौर रह चुके हैं। किरण सिंहदेव की पहली बार चुनावी मैदान में है। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 205953 है। इनमें पुरुष 98778, महिला 107144 और ट्रांसजेंडर मतदाता 31 है।

नारायणपुर- इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी केदार कश्यप के सामने कांग्रेस प्रत्याशी चंदन कश्यप चुनाव लड़ रहे हैं। केदार कश्यप दो बार विधायक और पूर्व मंत्री रह चुके हैं। वर्तमान में भाजपा के महामंत्री हैं। वहीं चंदन कश्यप पहली बार के विधायक हैं। उन्होंने 2018 में केदार को हराकर इस सीट पर कब्जा जमाया था। वर्तमान में केदार कश्यप मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 190672 है। इनमें पुरुष 92030, महिला 98639 और ट्रांसजेंडर मतदाता 3 हैं।

कांकेर- इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी आशाराम नेताम के सामने कांग्रेस प्रत्याशी शंकर ध्रुव चुनाव लड़ रहे हैं। नेताम पहली बार चुनाव मैदान में है। वे ग्रामीण मंडल मंत्री हैं। वहीं शंकर ध्रुव ग्राम पंचायत मुड़पार के सरपंच रह चुके हैं। पहली बार 2013 में विधायक बने। फिलहाल बीजेपी प्रत्याशी आशाराम नेताम मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं। हालांकि कांग्रेस जरूर टक्कर देती दिख रही है। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 87161 है। इनमें पुरुष 87161, महिला 95082 और ट्रांसजेंडर मतदाता 2 हैं।

कोंडागांव - इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी लता उसेंडी के सामने कांग्रेस प्रत्याशी मोहन मरकाम चुनाव लड़ रहे हैं। साल 2003 से भाजपा की लता उसेंडी विधायक बनीं। 2008 में भी वो दोबारा जीतीं। 2013 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मोहन मरकाम ने लता को हराकर विधायकी पर कब्जा कर लिया। 2018

में भी वे दोबारा जीतकर आए। दो बार के विधायक रहे मरकाम से इस बार उनके समर्थक और कार्यकर्ता कटे हुए नजर आ रहे हैं। ये उनकी कमजोरी के रूप में दिख रही है। वहीं बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी मजबूत स्थिति में दिख रही है। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 188520 है। इनमें पुरुष 91044, महिला 97473 और ट्रांसजेंडर मतदाता 3 हैं।

केशकाल- इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी नीलकंठ टेकाम के सामने कांग्रेस प्रत्याशी संतराम नेताम चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व आईएएस ऑफिसर टेकाम पहली बार चुनाव मैदान में हैं। इस सीट से नए चेहरे हैं। वहीं संतराम नेताम 2013 में विधायक बने। 17 साल तक पुलिस विभाग में सेवाएं दे चुके हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 206304 है। इनमें पुरुष 100230, महिला 106070 और ट्रांसजेंडर मतदाता 4 हैं। यहां बीजेपी मजूबत स्थिति में है। क्योंकि बीजेपी प्रत्याशी को चुनाव प्रचार के लिए पर्याप्त समय मिल चुका है।

दंतेवाड़ा- इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी चेतराम अटामी के सामने कांग्रेस प्रत्याशी छविंद्र महेंद्र कर्मा चुनाव लड़ रहे हैं। अटामी 2015 से 2020 तक जिला पंचायत सदस्य रहे। दंतेवाड़ा सीट कांग्रेस के दिग्गज नेता महेंद्र कर्मा की परंपरागत सीट रही है। वर्तमान में दंतेवाड़ा विधानसभा सीट से कांग्रेस से देवती कर्मा विधायक हैं। देवती कर्मा बस्तर टाइगर के नाम से मशहूर कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा की पत्नी हैं, जिन्हें नक्सलियों ने झीरम घाटी मे गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस बार कांग्रेस ने देवती कर्मा के बेटे छविंद्र कर्मा को टिकट दिया है। फिलहाल, यहां से कांग्रेस मजबूत स्थिति में होने से आगे दिख रही है। इस सीट पर हुए पिछले 4 विधानसभा चुनावों में तीन बार कांग्रेस की जीत हुई, जबकि एक बार बीजेपी की जीत हुई है। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 192323 है। इनमें पुरुष 90084, महिला 102237 और ट्रांसजेंडर मतदाता 2 हैं।

अंतागढ़- इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी विक्रम उसेंडी के सामने कांग्रेस प्रत्याशी रुप सिंह पोटाई चुनाव लड़ रहे हैं। उसेंडी पूर्व सांसद और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। रमन सरकार में 2008 में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। वहीं पोटाई सरपंच संघ के पूर्व अध्यक्ष और आदिवासी कमेटी जिला उपाध्यक्ष रह चुके हैं। फिलहाल यहां बीजेपी मजबूत स्थिति में दिख रही है। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 175965 है। इनमें पुरुष 88512, महिला 87445 और ट्रांसजेंडर मतदाता 8 हैं।

भानुप्रतापपुर- इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी गौतम उईके के सामने कांग्रेस प्रत्याशी सावित्री मंडावी चुनाव लड़ रहे हैं। उईके पहली बार चुनाव मैदान में हैं। वे 2000 से 2015 तक जनपद सदस्य रह चुके हैं। वहीं सावित्री मंडावी पूर्व विधायक मनोज मंडावी की पत्नी हैं। वो उपचुनाव में जीत हासिल की थीं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 201826 है। इनमें पुरुष 98549, महिला 104275 और ट्रांसजेंडर मतदाता 2 हैं।

कोंटा- इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी सोयम मुका के सामने कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट से वर्तमान मंत्री और विधायक कवासी लखमा के नाम पांच बार विधायक बनने का रिकार्ड है। वो छठवीं बार चुनाव मैदान में हैं। वो कांग्रेस के बस्तर में दिग्गज नेता माने जाते हैं। आदिवासियों में उनकी अच्छी-खासी पकड़ है। बस्तर चार बार विधायक बनने वालों में कांग्रेस के झितरूराम बघेल का नाम आता है। उन्हें छोड़ दिया जाए तो अन्य कोई भी दल प्रत्याशी तीन बार से अधिक चुनाव नहीं जीत सका है। यहां वर्तमान में लखमा मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 190672 है। इनमें पुरुष 92030, महिला 98639 और ट्रांसजेंडर मतदाता 3 हैं।

चित्रकोट- इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी विनायक गोयल के सामने कांग्रेस प्रत्याशी दीपक बैज चुनाव लड़ रहे हैं। यहां वर्तमान में बैज मजबूत स्थिति में दिख रह हैं। वो दो बार 2013 और 2018 के विधायक हैं। साल 2019 में पहली बार बस्तर से सांसद बने और वर्तमान में आदिवासी चेहरा होने से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हैं। युवा चेहरे हैं। वहीं गोयल पहली बार विधायक का चुनाव लड़ रहे हैं। वो तोकापाल मंडल उपाध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 177432 है। इनमें पुरुष 83471, महिला 93959 और ट्रांसजेंडर मतदाता 2 हैं।

बीजापुर- इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी महेश गागड़ा के सामने कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम मंडावी चुनाव लड़ रहे हैं। मंडावी पहली बार के विधायक हैं। वर्तमान में वो बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष हैं। वहीं महेश गांगड़ा रमन सरकार में पूर्व मंत्री रह चुके हैं। अनुसूचित जाति जनजाति के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 168991 है। इनमें पुरुष 81426, महिला 87557 और ट्रांसजेंडर मतदाता 8 हैं। बीजेपी और कांग्रेस दोनों मजूबत स्थिति में हैं। इस बार दोनों के बीच कांटे की टक्कर है।

बस्तर संभाग के स्थानीय मुद्दे

बस्तर संभाग में सबसे बड़ा मुद्दा और समस्या नक्सलवाद है। नक्सलियों के विरोध के चलते सरकारी भवन और सड़क निर्माण का कार्य लंबे समय से ठप है। आए दिन नक्सली वारदात होने से विकास कार्य प्रभावित हैं। यहां के अंदरुनी इलाकों में स्वास्थ्य का बुरा हाल है। ऐसे कई ग्रामीण इलाके हैं जहां स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं है। इस वजह से ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलकर मरीजों को कंधे या कावड़ में रखकर स्वास्थ केंद्रों और अस्पतालों तक पहुचाना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोड, नाली, पानी की समस्या लंबे समय से है। कई पंचायतों में हाई स्कूल तक नहीं बने हैं। संभाग में बेरोजगारी समस्या है। कई युवा शिक्षित बेरोजगार हैं। कम फैक्ट्री होने से अधिकांश युवा कुली मजदूरी पर ही निर्भर हैं।

प्रधानमंत्री और धनखड़ के बीच दुर्लभ तालमेल

हरीश गुप्ता

उपराष्ट्रपति का चयन तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा उनकी क्षमता और उनके द्वारा अर्जित विश्वास के आधार पर किया जाता है। हालांकि कभी-कभी जरूरी नहीं होता है कि चयन घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंधों के आधार पर ही हो। हाल के वर्षों में, यह सर्वविदित है कि कृष्णकांत और भैरोंसिंह शेखावत को उनकी व्यक्तिगत मित्रता के कारण आई.के. गुजराल और अटल बिहारी वाजपेयी ने चुना था। डॉ. हामिद अंसारी व्यक्तिगत रूप से यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी के करीबी नहीं थे, फिर भी उन्होंने उपराष्ट्रपति के रूप में दस वर्षों तक काम किया। इसी तरह, एम. वेंकैया नायडू भी नरेंद्र मोदी के करीबी नहीं थे और इसीलिए उन्हें न तो राष्ट्रपति के रूप में पदोन्नत किया गया और न ही डॉ. हामिद अंसारी की तरह उपराष्ट्रपति के रूप में दोहराया गया। हालांकि, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मामला अलग है। जब वे सुप्रीम कोर्ट के वकील थे, उस समय से उनके पुराने जुड़ाव के कारण मोदी ने व्यक्तिगत रूप से उन्हें चुना। जब धनखड़ को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया तो राजनीतिक हलकों में आश्चर्य हुआ। लेकिन धनखड़ ने राज्यपाल के रूप में अपने कामकाज से मोदी का विश्वास अर्जित किया। 2021 के विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी की जीत के बाद मची उथल-पुथल से निपटने में उनके बेहद सक्रिय दृष्टिकोण ने मोदी का दिल खुश कर दिया। उपराष्ट्रपति के रूप में धनखड़ की पदोन्नति अच्छी सफलता थी। धनखड़ राजस्थान के अपने कई दौरों के दौरान उपराष्ट्रपति के रूप में अपनी भूमिका में बेहद सक्रिय रहे हैं और इस मुद्दे पर राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ उनकी मौखिक बहस भी हुई है। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि धनखड़ और प्रधानमंत्री मोदी के बीच बेहद करीबी रिश्ता बन गया है और वे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार साझा करते हैं। धनखड़ ने जिस तरह से सभापति के तौर पर राज्यसभा की कार्यवाही संभाली है, उससे मोदी बेहद खुश हैं। उपराष्ट्रपति के रूप में धनखड़ के चयन का श्रेय राजस्थान और अन्य जगहों पर जाट समुदाय को खुश करने के रूप में दिया जा सकता है। लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इसका वोट बैंक की राजनीति के बजाय व्यक्तिगत तालमेल से अधिक लेना-देना था। राष्ट्रपति का चयन मौजूदा राजनीतिक स्थिति के अनुसार विभिन्न मापदंडों पर आधारित होता है। आम तौर पर, यदि गठबंधन सरकार हो तो चयन सहयोगियों के परामर्श से किया जाता है और सत्तारूढ़ दल के शीर्ष नेतृत्व से भी परामर्श किया जाता है। इतिहास हमें बताता है कि आजादी की शुरुआत में डॉ. राजेंद्र प्रसाद के समय से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के करीबी विश्वासपात्र नहीं थे। प्रधानमंत्री हमेशा सरकार के सुचारु कामकाज के लिए शीर्ष पद पर अपने भरोसेमंद वफादारों को चुनना चाहते और 'रबर स्टाम्प' व्यक्ति को प्राथमिकता देते रहे हैं। ज्ञानी जैल सिंह या कुछ हद तक प्रणब मुखर्जी को छोड़कर, कुर्सी पर बैठे किसी भी व्यक्ति ने पार्टी नेतृत्व को उलझन में डालते हुए अपना अलग रास्ता नहीं चुना। कभी-कभी राष्ट्रपतियों का चयन उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए भी किया जाता था, जैसे अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को चुनने के मामले में, यहां तक कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक कारणों से ही रामनाथ कोविंद और द्रौपदी मुर्मु को राष्ट्रपति पद के लिए चुना। ये दोनों अपने आप में मोदी के वफादार या उनके करीबी विश्वासपात्र नहीं थे। उन्हें उन समुदायों में पार्टी की पहुंच बढ़ाने के लिए चुना गया था, जहां से वे संबंध रखते थे। लंबे समय के बाद भाजपा आलाकमान ने जमीनी हकीकत के दबाव में झुकने के संकेत दिए हैं।

महुआ को भी बचाएगी सुप्रीम कोर्ट ?

अजय सेतिया

महुआ मोइत्रा संसदीय परंपराओं में विश्वास रखती होती, तो इस तरह की चिठ्ठी नहीं लिखती। हालांकि उनकी यह आपत्ति एकदम जायज है कि जब उन्होंने कमेटी को चिठ्ठी लिख कर 4 नवंबर के बाद बुलाने की गुहार लगाई थी, तो एथिक्स कमेटी को उनका आग्रह स्वीकार करके उन्हें 5 नवंबर के बाद ही बुलाना चाहिए था। एथिक्स कमेटी ने 31 अक्टूबर के बजाए उन्हें 2 नवंबर को पेश होने के लिए कहा। तीन दिन में कोई पहाड़ नहीं टूट जाता, अगर एथिक्स कमेटी उन्हें 2 की बजाए 5 नवंबर को बुला लेती। इतनी बात तो अदालत भी मान लेती है। लेकिन अब जिस तरह की चिठ्ठी महुआ मोइत्रा ने एथिक्स कमेटी को लिखी है, वह पूरी तरह गलत है। यह घमंड की परकाष्ठा है कि महुआ मोइत्रा ने लोकसभा की एथिक्स कमेटी के अधिकार क्षेत्र पर ही सवाल उठा दिया है। उन्होंने एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष को चिठ्ठी लिख कर कहा है कि संसदीय समितियों को आपराधिक मामलों में जांच का कोई अधिकार नहीं है, अपराधिक मामलों की जांच सिर्फ जांच एजेंसियां ही कर सकती हैं। यह वही महुआ मोइत्रा है, जो कल तक गौतम अडानी पर आरोप लगा कर संयुक्त संसदीय समिति से जांच करवाने की मांग कर रही थीं।

संयुक्त संसदीय समिति में कौन सी विशेज्ञता होती है कि वे औद्योगिक घरानों की आपराधिक गतिविधियों की जांच कर सके। वह संसदीय व्यवस्था पर ही सवाल उठा रही हैं। उनका कहने का मतलब यह है कि अब तक जितनी भी संयुक्त संसदीय समितियां बनी, या जितनी भी एथिक्स कमेटी की सिफारिशें हुई, वे सब गलत थी। तो क्या वह यह भी कहना चाहती हैं कि 2005 में जिन दो एथिक्स कमेटियों ने ग्यारह सासंदों की सदस्यता खत्म करने की सिफारिश की थी, वह भी गलत थी। असल में महुआ को डर सता रहा है कि उनकी लोकसभा सदस्यता जाने वाली है, क्योंकि खुद पर लगाए गए आरोपों में से ज्यादातर उन्होंने एथिक्स कमेटी के सामने जाने से पहले ही कुछ टीवी चेनलों को दिए इंटरव्यू में कबूल कर लिए हैं। अभी कुछ और बातें भी सामने आ रही हैं, जैसे उन्होंने बिना लोकसभा सचिवालय को सूचित किए दुबई की 47 यात्राएं की थीं। इन 47 यात्राओं के टिकटों का मामला भी सामने आ रहा है, जो कथित तौर पर उनके अकाऊंट से नहीं खरीदी गई थीं। उनकी ताज़ा चिठ्ठी इस बात का संकेत है कि उन्हें संसद से बर्खास्त किए जाने की सिफारिश का अंदेशा है। इसलिए उन्होंने एथिक्स कमेटी पर हमलावर रूख अपना लिया है। एथिक्स कमेटी को लिखी चिठ्ठी में उन्होंने उनके खिलाफ हल्फिया बयान देने वाले दर्शन हीरानन्दानी के सामने बैठ कर काउन्टर सवाल किए जाने की इच्छा जताई है।

यह एक ऐसी इच्छा है कि अगर एथिक्स कमेटी उनकी यह मांग पूरी नहीं करती, तो उनके सुप्रीमकोर्ट जाने का रास्ता खुलेगा। पर बड़ा सवाल यह है कि क्या कपिल सिब्बल या कोई अन्य बड़ा वकील महुआ मोइत्रा को सुप्रीमकोर्ट से राहत दिला पाएगा? 2005 में जब संसद से प्रस्ताव पास करके 11 सांसदों की सदस्यता खत्म की गई थी, तो वे सुप्रीम कोर्ट गए थे। उनकी तरफ से वैसे तो प्राणनाथ लेखी प्रमुख वकील थे, लेकिन एक बार राम जेठमलानी भी पेश हुए थे। चीफ जस्टिस वाई.के. सब्बरवाल की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय पीठ ने सुनवाई की थी। पीठ में तीन बनाम दो जजों के बहुमत के आधार पर सुप्रीमकोर्ट ने सांसदों की याचिका अस्वीकार कर दी थी। एक तरह से सुप्रीमकोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच यह स्वीकार कर चुकी है कि संसद को अपने सदस्य को बर्खास्त करने का अधिकार है। हालांकि इससे पहले भी तीन सांसद बर्खास्त किए जा चुके थे। सबसे पहले 1951 में कांग्रेस के सांसद एच. जी. मुद्गल को पैसे लेने के आरोप में, 1976 में आपातकाल के दौरान सुब्रहमन्यम स्वामी को देश विरोधी प्रोपेगंडा के आरोप में (हालांकि वह भारत में लगाए गए आपातकाल के खिलाफ मोर्चा खोले हुए थे), 1977 में इंदिरा गांधी की सदस्यता खत्म की गई थी। 2005 में लोकसभा के दस और राज्यसभा के एक सांसद के बाद 2016 में विजय माल्या की सदस्यता भी प्रस्ताव पास करके खत्म की जा चुकी है।

जिस समय सुप्रीमकोर्ट ने लोकसभा और राज्यसभा से बर्खास्त 11 सांसदों की याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार की थी, उस समय लोकसभा स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने देश के सभी स्पीकरों की कांफ्रेंस बुला ली थी, जिसमें विधायिका के कार्यों में सुप्रीमकोर्ट के दखल की आलोचना की गई थी। सदन में भी उन्होंने बोला था कि वह किसी कोर्ट को संसदीय कामकाज में दखल नहीं देने देंगे, वह बिलकुल परवाह नहीं करते। स्पीकरों की बैठक में हालांकि छतीसगढ़ विधानसभा के स्पीकर प्रेम प्रकाश पांडे ने कहा था कि सांसदों को बर्खास्त करने का संसद का निर्णय जल्दबाजी में किया गया गलत निर्णय है। लोकसभा में जब प्रस्ताव पास किया जा रहा था उस समय विपक्ष के नेता लालकृष्ण आडवानी ने कहा था कि अपराध के मुकाबले यह सजा बहुत ज्यादा है। भाजपा ने बर्खास्तगी के खिलाफ वाकआउट भी कर दिया था, हालांकि बर्खास्त किए गए 10 लोकसभा सदस्यों में से तीन बीएसपी के, एक सपा का और एक कांग्रेस का सदस्य था।

लोकसभा स्पीकर सोमनाथ चटर्जी उन दस सांसदों को बर्खास्त करने को जिद्द पर अड़े थे, जबकि तब कपिल सिब्बल केंद्र में मंत्री थे और वह भी उन 11 सांसदों की बर्खास्तगी के पक्ष में थे, जिनमें से दस सांसदों ने ऐसा एक भी सवाल लोकसभा या राज्यसभा में लगाया ही नहीं था, जिसके लिए उन्हें तथाकथित रूप से पैसे लेते हुए स्टिंग ऑपरेशन में गुप्त कैमरे में रिकॉर्ड किया गया था। सिर्फ स्टिंग आपरेशन के आधार पर उनको बर्खास्त कर दिया गया। उनमें से एक सांसद राजाराम पाल ने लिख कर दिया हुआ था कि उनके नाम से लगाया गया उपरोक्त सवाल उन्होंने अपने दस्तखत से दाखिल नहीं किया था। स्टिंग आपरेशन भी पूरी तरह प्रायोजित था, जिसे अनिरुद्ध बहल की कोबरा डॉट कॉम ने 48 लाख रूपए में आजतक को बेच दिया था। आजतक ने खुद एथिक्स कमेटी के सामने आकर यह कबूल किया था कि उसने स्टिंग ऑपरेशन का वीडियो अनिरुद्ध बहल से 48 लाख रूपए में खरीदा।

वह स्टिंग आपरेशन केवल पैसा कमाने के उद्देश्य से किया गया था, उसमें कोई सवाल लोकसभा या राज्यसभा में पूछा ही नहीं गया था। उसमें कैश फार क्वेश्चन का मामला बनता ही नहीं था। लेकिन महुआ मोइत्रा तो खुद कबूल कर चुकी हैं कि उन्होंने संसद के पोर्टल में लॉगिन के लिए अपना पासवर्ड दर्शन हीरानंदानी को दिया था, वह उनकी दी गई हवाई टिकटों पर विदेश यात्राएं करती थीं, उनसे महंगे गिफ्ट लेती थी। दर्शन हीरानन्दानी ने कहा है कि महुआ आए दिन कोई न कोई डिमांड रखती रहती थी। उनके सवाल लोकसभा की वेबसाईट पर दर्शन हीरानन्दानी का स्टाफ लोड करता था। लेकिन जैसे ही संसद प्रस्ताव पास करके महुआ मोइत्रा की सदस्यता खत्म करेगी, वह सुप्रीमकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगी। लेकिन क्या सुप्रीम कोर्ट महुआ मोइत्रा को बचाने में सफल होगा?

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-31)

गतांक से आगे...

वह संकल्प से युक्त मन:शक्ति क्षणमात्र में ही स्वच्छ आकाश की भावना करती है, उसमें शब्दबीज अंकुरित होने लगते हैं। तत्पश्चात् वही मन अधिक सघन होकर घने स्पन्दन के क्रम से वायुस्पन्दन की भावना में लीन होता है। उसमें स्पर्शरूप बीज के अंकुर फूटते हैं। उसके बाद दृढ़ अभ्यास द्वारा शब्द-स्पर्श रूप आकाश एवं वायु के टकराने से अग्नि उत्पन्न होती है। तीनों गुणों से ओत-प्रोत मन रस तन्मात्रा की अनुभूति करता हुआ क्षण भर में जल की ठण्डक का विचार करता है, इससे उसे जल का अनुभव होता है। [आकाश में वायु की गतिशीलता से जो घर्षण क्रिया होती है। उससे विद्युत् विभव (इलैक्ट्रिकल चार्ज) के रूप में अग्नि का उद्भव होता है। वायु के घटकों (हाइड्रोजन आक्सीजन) को अग्नि संयुक्त करके जल रूप देता है। विज्ञान यह क्रिया स्थूल पदार्थ रूप में ही समझ पाता है, ऋषि इसे सूक्ष्म तन्मात्राओं के रूप में भी अनुभव करते हैं।]

फिर चार गुणों से संयुक्त होकर मन अगले ही क्षण गन्ध तन्मात्रा का भाव कर लेता है, इससे उसे पृथ्वी का अनुभव होने लगता है। इस प्रकार पाँच तन्मात्राओं से युक्त होकर वह मन अपनी सूक्ष्मता त्यागकर आसमान में अग्निकणों की शक्ल में स्फुरित होते हुए शरीर का दर्शन करता है। [ऋषि सूक्ष्म से क्रमश: स्थूल के विकास का चित्रण कर रहे हैं। यहाँ सूक्ष्म मनोमय से अपेक्षाकृत स्थूल अग्निकणों के रूप में प्राणमय कोश के विकास का क्रम बतलाया गया है। यह प्राणमय ही परिपक्व होकर स्थूल काया का रूप लेता है। ऋषि इस क्रिया की उपमा स्वर्णकणों को गलाकर वाञ्छित आकार में ढालने की क्रिया से दे रहे हैं ।]

वह शरीर ही अहंकार कलाओं से युक्त और बुद्धि बीज से संयुक्त पुर्यष्टक नाम से जाना जाता है, जो प्राणियों के हृदय कमल में मँडराने वाले भौरे के सदृश है। पाक (परिपूर्णावस्था) की स्थिति में बिल्वफल की तरह ही तीव्र संवेगात्मक तेजस्वी शरीर की भावना किये जाने पर मन स्थूल हो जाता है। निर्मल आकाश में वह तेज, मूषा (सोना गलाने के पात्र) में पिघले हुए स्वर्ण के समान स्फुरित होकर अपनी प्रकृति के अनुसार गठित होने लगता है। ऊपर से वह सिर की तरह, नीचे से पैरों की तरह, पार्श्वों में भुजाओं की तरह तथा मध्य में उदर की तरह समय आने पर अभिव्यक्ति को प्राप्त होकर पूर्ण शरीर के आकार को प्राप्त हो जाता है। बुद्धि, वीर्य, बल, उत्साह, विज्ञान और वैभव से सम्पन्न हो जाता है।

वही शरीर सब लोकों का पितामह भगवान् ब्रह्मा बन जाता है। भूत, भविष्यत् और वर्तमान के प्रत्यक्ष द्रष्टा भगवान् ब्रह्माजी ने अपनी उत्तम और मनोहर छबि को निहारकर विचार किया कि इस चिन्मात्र आत्मरूपी परमाकाश का कोई आदि अन्त दृष्टिगोचर नहीं होता। सर्वप्रथम क्या होना चाहिए? इस प्रकार का विचार करते ही तत्काल उन्हें पवित्र आत्मदृष्टि प्राप्त हुई।

क्रमश: ...

अमरनाथ यात्रा होगी अब और भी आसान, गुफा तक बन रही है सड़क

सुरेश एस डुग्गर

अमरनाथ गुफा के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के तीर्थयात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास आरंभ हो गए हैं। पिछले दो वर्षों में सरकार दुमैल से अमरनाथ गुफा तक सड़क चौड़ीकरण के निर्माण पर सक्रिय रूप से काम कर रही है और अब गुफा तक सीमा सड़क संगठन ने वाहन पहुंचा कर यह साबित कर दिया है कि वह आसमान तक जाने की सड़क भी बना सकती है।

अमरनाथ का पवित्र तीर्थ स्थल, समुद्र तल से लगभग 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। गुफा तक लगभग 14 किलोमीटर तक फैले बालटाल मार्ग पर भी बीआरओ का महत्वपूर्ण ध्यान है। संगठन को पिछले साल इस मार्ग को चौड़ा करने और वाहनों के आवागमन के लिए अनुकूल बनाने का काम सौंपा गया था। विशेष रूप से, मार्ग के विभिन्न खंडों, विशेष रूप से भूस्खलन के प्रति संवेदनशील खंडों में पर्याप्त प्रगति देखी गई है, जिसमें पहाड़ियों पर सुरक्षात्मक दीवारों का निर्माण भी शामिल है।

बीआरओ वर्तमान में चंदनवाड़ी और बालटाल दोनों के माध्यम से पवित्र गुफा तक जाने वाले तीर्थ मार्गों की पहुंच को चौड़ा और बेहतर बनाने में लगा हुआ है। इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना की जिम्मेदारी सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को सौंपी गई थी, जिसने इस पहल को वास्तविकता बनाने के लिए कई श्रमिकों और मशीनरी को समर्पित किया है।

पिछले दो वर्षों से बीआरओ ने अमरनाथ की पवित्र गुफा को जोड़ने के लिए कड़ी मेहनत की है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि तीर्थयात्रियों की यात्रा अधिक सुलभ और सुविधाजनक हो। इस पहल को तीर्थयात्रियों और अधिकारियों से समान रूप से प्रत्याशा और उत्साह मिला है क्योंकि यह भक्तों के लिए अमरनाथ की पवित्र यात्रा को अधिक सुविधाजनक और सुलभ बनाने का वादा करता है, खासकर चुनौतीपूर्ण इलाकों और ऊंचाई वाले इलाकों में।

पवित्र गुफा तक वाहन योग्य सड़क का विकास इस पवित्र स्थल की वार्षिक तीर्थयात्रा की सुविधा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। परियोजना से जुड़े करीबी सूत्रों ने खुलासा किया है कि हाल ही में बीआरओ ने दुमेल से पवित्र गुफा तक सड़क के चौड़ीकरण को सफलतापूर्वक पूरा किया, जो इस महत्वाकांक्षी प्रयास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

परीक्षण के तौर पर टिप्?पर डोजर और कैंपर वाहन बेहतर पहुंच का प्रदर्शन करते हुए सफलतापूर्वक पवित्र गुफा तक पहुंच गए हैं। सड़क चौड़ीकरण परियोजना उन तीर्थयात्रियों की कठिनाइयों को कम करने के लिए शुरू की गई थी, जिन्हें पारंपरिक रूप से पैदल अमरनाथ गुफा की यात्रा करनी पड़ती थी।

यह विकास आने वाले वर्षों में श्रद्धालुओं के लिए तीर्थयात्रा को और अधिक आरामदायक और सुलभ बनाने के लिए तैयार है। बीआरओ के एक अंदरूनी सूत्र ने पुष्टि की कि बालटाल की ओर से अमरनाथ की पवित्र गुफा तक सड़क चौड़ीकरण पूरा हो गया है।

श्रमिकों का समर्पण और लचीलापन स्पष्ट था, क्योंकि वे सड़क को तेजी से पूरा करने के लिए भीषण ठंड और उप-शून्य तापमान सहित कठोर मौसम की स्थिति में भी मेहनत करते रहे। यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना अमरनाथ गुफा में सांत्वना चाहने वालों की आध्यात्मिक यात्रा को संरक्षित और बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आसिम मुनीर ने पाकिस्तान में कर दिया तख्तापलट?

अभिनय आकाश

पाकिस्तान के सोशल मीजिया पर एक वीडियो क्लिप खूब प्रसारित हो रहा है। इस क्लिप में टेलीविजम एंकर की तरफ से ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस की नेशनल असेंबली की पूर्व सदस्य सायरा बानो से देश की मौजूदा स्थिति और उसकी अंतरिम सरकार के कामकाज को लेकर सवाल पूछा जाता है। जवाब में वो अपने बच्चों से जुड़ा एक किस्सा शेयर करती हैं। बानो बताती हैं कि जब उनका छोटा बच्चा अपने बड़े भाई को वीडियो गेम खेलते हुए देखता है तो वो भी इसकी जिद पकड़ कर बैठ जाता है। मां बड़ी चालाकी से अपने छोटे बच्चो को टीवी रिमोट कंट्रोल देती हैं जिसमें कोई बैट्री ही नहीं लगी होती है। छोटा बच्चा उस बेजान रिमोट के साथ खेलने में लग जाता है। उसे लगता है कि वो भी अपने बड़े भाई की माफिक वीडियो गेम चला रहा है। कमोबेश, यही स्थिति पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति को दर्शाती है। देश में पेपर पर इस्लामाबाद में स्थित एक अंतरिम सरकार है। वास्तव में ये एक बेजान रिमोट के साथ खेल रही है। मामलों को प्रभावी ढंग से रावलपिंडी से मैनेज किया जाता है, जहां इसकी शक्तिशाली सेना का जनरल मुख्यालय (जीएचक्यू) है।

ये कोई बहुत बड़ा रॉकेट साइंस नहीं है और दुनिया जानती है कि पाकिस्तान में सेना एक शक्तिशाली संस्था है जिसका प्रभाव देश के हर क्षेत्र तक फैला हुआ है। 9 मई 2023 को हुए दंगों के बाद से पाकिस्तानी सेना ने देश में चुपचाप तख्तापलट कर दिया है। इसने आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) और पाकिस्तान सेना अधिनियम (पीएए) में विवादास्पद संशोधनों के माध्यम से देश के मामलों में व्यापक जनादेश देने के लिए शहबाज शरीफ सरकार पर दबाव डाला। इसने अपने खिलाफ किसी भी प्रकार की असहमति पर भारी जुर्माना लगाया है, जैसा कि मीडिया पर प्रतिबंध और प्रमुख पत्रकारों और अधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी से परिलक्षित होता है, जिससे भय का माहौल पैदा होता है। ऐसा कोई मीडिया संस्थान नहीं है जो सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा निर्देशित लाइन को फॉलो नहीं कर रहा हो। यह दर्शाता है कि कैसे सेना ने खुद को न्यायाधीश जूरी की भूमिका में ला दिया है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के सदस्यों के अलावा, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के सहयोगियों के नेतृत्व में सैकड़ों राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर फर्जी सैन्य अदालतों में मुकदमा चलाया जा रहा है। अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में सैन्य समर्थक कठपुतली अनवारुल हक कक्कड़ की नियुक्ति के माध्यम से इस मूक तख्तापलट को अंतिम रूप दिया गया। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि पाकिस्तान की राजनीति पर सेना की पकड़ बरकरार रहे। अंतरिम सरकार सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा पोषित छोटे राजनेताओं से भरी हुई है। इसने सेना को बिना किसी जवाबदेही के किसी भी प्रकार के निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार रखने वाला वास्तविक शासक बना दिया है। नतीजा यह है कि कई सत्तावादी फैसले हुए हैं जिनमें देश में अफगान शरणार्थियों को ज़ेनोफोबिक लक्ष्यीकरण और प्रोफाइलिंग शामिल है। यह सर्वविदित तथ्य है कि अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर कब्ज़ा करने के लिए अफगान तालिबान को सैन्य सहायता प्रदान करके पाकिस्तान ने लाखों अफगानों को बेघर कर दिया था।

इस पॉलिटिकल इंजीनियरिंग के साथ-साथ, पाकिस्तानी सेना राज्य मशीनरी में रणनीतिक नियुक्तियों के अपने सिद्धांत के माध्यम से अपने सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों को प्रमुख पदों पर रख रही है। जैसे, अधिकांश प्रभावशाली सरकारी एजेंसियां जैसे राष्ट्रीय डेटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण (एनएडीआरए), अंतरिक्ष और ऊपरी वायुमंडल अनुसंधान आयोग, जल और बिजली विकास प्राधिकरण (डब्ल्यूएपीडीए), और राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी), अन्य शामिल हैं। नियुक्ति प्रोटोकॉल और पेशेवर योग्यताओं का पालन किए बिना, महत्वपूर्ण नेतृत्व भूमिकाओं के लिए सैन्य अधिकारियों की नियुक्ति, सेना को आर्थिक नीतियों को आकार देने और उनके हितों के अनुरूप निर्णय लेने में पर्याप्त प्रभाव प्रदान करती है। जैसे, एनएडीआरए का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद मुनीर अफसर करते हैं, डब्ल्यूएपीडीए का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सज्जाद गनी करते हैं, एनएबी का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल नजीर अहमद बट करते हैं, और सुपारको का नेतृत्व मेजर जनरल आमेर नदीम करते हैं।

हाल के महीनों में पाकिस्तानी सेना ने देश के विदेशी मामलों में नागरिक कार्यकारी की भूमिका को भी बेशर्मी से नजरअंदाज कर दिया है, जिससे पता चलता है कि सैन्य प्रतिष्ठान ने देश के बाहरी और आंतरिक मामलों को कैसे प्रभावी ढंग से अपने नियंत्रण में ले लिया है। सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने हाल के महीनों में कई देशों की द्विपक्षीय यात्राएं की हैं। उदाहरण के लिए, जनरल मुनीर ने सितंबर के मध्य में तुर्की का दौरा किया और देश के व्यापक नागरिक और सैन्य नेतृत्व के साथ तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने जनरल मुनीर का उद्देश्य उनके ऐतिहासिक राजनयिक और सैन्य संबंधों को बढ़ाना बताया। इससे पहले, पाकिस्तान सेना प्रमुख ने अप्रैल 2023 में बीजिंग की चार दिवसीय यात्रा की, जहां उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत की और फरवरी 2023 में यूनाइटेड किंगडम की पांच दिवसीय यात्रा की। जनरल मुनीर ने सऊदी अरब और यूनाइटेड का भी दौरा किया। जनवरी 2023 में अरब अमीरात। यह पाकिस्तान के विदेशी संबंधों में सेना द्वारा निभाई जाने वाली विस्तारित भूमिका को प्रदर्शित करता है जिसमें इसके प्रमुख द्विपक्षीय दौरे करते हैं और तथाकथित नागरिक नेतृत्व के बजाय विभिन्न देशों के राष्ट्र प्रमुखों से मुलाकात करते हैं।

इसी तरह, पाकिस्तान का दौरा करने वाले विदेशी प्रतिनिधिमंडल नागरिक कार्यकारी की तुलना में सेना प्रमुख के साथ अपनी बैठकों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे देश के सरकारी मामलों में सेना की भूमिका उजागर होती है। उदाहरण के लिए, चीनी विदेश मंत्री किन गैंग, जिन्हें तब से अपदस्थ कर दिया गया है, ने मई 2023 की अपनी यात्रा के दौरान जनरल असीम मुनीर से मुलाकात की और दोहराया कि बीजिंग उच्च गुणवत्ता वाले सहयोग प्राप्त करने, संयुक्त रूप से चुनौतियों का सामना करने और सामान्य विकास को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करने की उम्मीद करता है। समृद्धि, एक राजनयिक भाषा जो आम तौर पर उनके मंत्रिस्तरीय समकक्षों के साथ प्रयोग की जाती है। डिफ़ॉल्ट के कगार पर खड़े देश के आर्थिक पुनरुद्धार के प्रबंधन के मामले में, पाकिस्तान सेना ने जून 2023 में आधिकारिक तौर पर आर्थिक पुनरुद्धार योजना में नेतृत्व की भूमिका को खुद को परियोजनाओं के समन्वय में एक महत्वपूर्ण भूमिका सौंपकर छोड़ दिया। सरकार ने दावा किया कि यह योजना स्थानीय विकास और मुख्य रूप से खाड़ी देशों से विदेशी निवेश के माध्यम से प्रमुख क्षेत्रों में पाकिस्तान की अप्रयुक्त क्षमता का दोहन करने और परियोजना कार्यान्वयन में तेजी लाने में मदद करेगी। दूसरे शब्दों में, यह सैन्य प्रतिष्ठान को पाकिस्तान के पूंजीगत संसाधनों पर व्यापक निगरानी और अपने लाभ के लिए इन संसाधनों का दोहन करने का अधिकार देता है।

हिन्द स्वराज्य

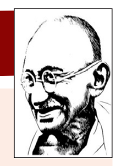

छुटकारा (भाग-3)

गतांक से आगे...

आपकी एक आँख मैन्चेस्टर पर और दूसरी हम पर रहे यह अब नहीं पुसायेगा। आपका और हमारा स्वार्थ एक ही है, इस तरह आप बरतेंगे तभी हमारा साथ बना रह सकता है। आपसे यह सब हम बेअदबी से नहीं कह रहे हैं। आपके पास हथियारबल है, भारी जहाजी सेना है। उसके खिलाफ वैसी ही ताकत से हम नहीं लड़ सके। लेकिन आपको अगर ऊपर कही हुई बात मंजूर न हो, तो आपसे हमारी नहीं बनेगी। आपकी मर्जी में आये और यह मुमकिन हो तो आप हमें तलवार से काट सकते हैं, मर्जी में आये तो हमें तोप से उड़ा सकते हैं। हमें जो पसंद नहीं है वह अगर आप करेंगे, तो हम आपकी मदद नहीं करेंगे; और बगैर हमारी मदद के आप एक कदम भी नहीं चल सकेंगे। संभव है कि अपनी सत्ता के मद में हमारी इस बात को आप हँसी में उड़ा दें। आपका हँसना बेकार है, ऐसा आज शायद हम नहीं दिखा सकें। लेकिन अगर हममें कुछ दम होगा तो आप देखेंगे कि आपका मद बेकार है और आपका हँसना (विनाश काल की) विपरीत बुद्धि की निशांनी है। हम मानते हैं कि आप स्वभाव से धार्मिक राष्ट्र की प्रजा है। हम तो धर्मस्थान में ही बसे हुए है! आपका और हमारा कैसे साथ हुआ, इसमें उतरना फिजूल है। लेकिन अपने इस सम्बन्ध का हम दोनों अच्छा उपयोग कर सकते हैं। आप हिन्दुस्तान में आने वाले जो अंग्रेज हैं वे अंग्रेज प्रजा के सच्चे नमूने नहीं हैं, और हम जो आधे अंग्रेज जैसे बन गये हैं वे भी सच्ची हिन्दुस्तानी प्रजा के नमूने नहीं कहे जा सकते। अंग्रेज प्रजा को अगर आपकी करतूतों के बारे में सब मालूम हो जाय, तो वह आपके कामों के खिलाफ हो जाय। हिन्द की प्रजा ने तो आपके साथ संबंध थोड़ा ही रखा है। आप अपनी सभ्यता को, जो दरअसल बिगाड़ करने वाली है, छोड़कर अपने धर्म की छानबीन करेंगे, तो आपको लगेगा कि हमारी माँग ठीक है। इसी तरह आप हिन्दुस्तान में रह सकते हैं। अगर उस ढंग से आप यहाँ रहेंगे तो आपसे हमें जो थोड़ा सीखना है वह हम सीखेंगे, और हमसे आपको जो बहुत सीखना है वह आप सीखेंगे। इस तरह हम (एक-दूसरे से) लाभ उठायेंगे और सारी दुनिया को लाभ पहुँचायेंगे। लेकिन यह तो तभी हो सकता है, जब हमारे संबंध की जड़ धर्मक्षेत्र में जमे।

क्रमश: ...

ओबीसी सियासत को नये आयाम दे रही है कांग्रेस

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज हमेशा से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है लेकिन ओबीसी वोटर कभी किसी पार्टी के 'बंधुआ' बनकर नहीं रहे। परंतु जिसके भी साथ रहे उसकी तकदीर बदल दी और जिसका साथ छोड़ दिया वह कहीं का नहीं बचा। एक समय ओबीसी कांग्रेस का मजबूत वोटर हुआ करता था। अस्सी के दशक तक ओबीसी वोटरों का साथ कांग्रेस को मिलता रहा, जिसके बल पर कांग्रेस ने 1989 तक यूपी में सत्ता सुख उठाया, इसके बाद राम मंदिर की राजनीति में ओबीसी पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी के साथ हो गया। वहीं ओबीसी में आने वाले करीब 8 फीसदी यादव वोटर समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ गये, जो आज तक इमोशनल वजह से सपा के साथ लगाव रखता है, क्योंकि सपा की मुख्य लीडरशिप यादव बिरादरी से ताल्लुक रखती है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार यूपी में ओबीसी वोटरों की आबादी करीब 42 फीसदी है इसीलिए इस वर्ग का मोह कोई छोड़ नहीं पाता है। यह कहने में भी किसी को संकोच नहीं होगा कि आज बीजेपी ओर मोदी जिस मुकाम पर हैं, उसके पीछे की सबसे बड़ी वजह ओबीसी वोटर ही हैं, जो पूरी तरह से बीजेपी के साथ लामबंद हैं। इसी वोट बैंक में सेंधमारी के लिए कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व लगातार प्रयासरत है। कांग्रेस द्वारा जातीय जनगणना की मांग भी इसीलिए की जा रही है ताकि बीजेपी के ओबीसी वोटरों को अपने (कांग्रेस) पाले में खींचा जा सके। इसको लेकर राहुल गांधी लगातार बयानबाजी करते रहते हैं, जबकि एक समय कांग्रेस जातीय जनगणना के बिल्कुल खिलाफ हुआ करती थी। कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जातीय जनगणना की मांग को विघटनकारी मानकर इसका सदैव विरोध करते रहे थे जबकि जातीय राजनीति करने वाले तमाम क्षेत्रीय दल जातीय जनगणना की वकालत में लगे रहते थे। इसमें समाजवादी पार्टी के प्रमुख मुलायम सिंह यादव से लेकर राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव जैसे नेता शामिल थे। मगर इन नेताओं ने सत्ता में रहते हुए कभी भी जातीय जनगणना कराये जाने की ठोस शुरुआत नहीं की थी क्योंकि वह जानते थे कि जातीय जनगणना कराये जाने की मांग करके सियासी फायदा तो उठाया जा सकता है, लेकिन इसके सहारे सत्ता चलाना कभी आसान नहीं रहेगा।

खैर, आज की कांग्रेस का 'स्वभाव' बिल्कुल बदल गया है। वह येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाने से गुरेज नहीं करती है। जबसे बिहार में जातीय जनगणना के नतीजे आये हैं तबसे जातीय जनगणना कराये जाने को लेकर कांग्रेस में उतावलापन कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। कांग्रेस जातीय जनगणना को मुद्दा बनाकर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भी बिसात बिछाने की तैयारी कर रही है, इसीलिए जातीय जनगणना पर अपनी नीति साफ करने और आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए, यूपी कांग्रेस लगातार ओबीसी वोटरों को लामबंद करने में लगी है। इसी क्रम में 30 अक्टूबर को लखनऊ के गांधी भवन सभागार में हुए कांग्रेस के राज्य स्तरीय पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में तय किया गया है कि जातीय जनगणना की मांग को लेकर योगी सरकार पर दबाव बनाने के लिए पिछड़ों के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा। कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रदेश भर के ओबीसी नेताओं की जुटान देखने को मिली। यूपी कांग्रेस के इस सम्मेलन में जातीय जनगणना और ओबीसी समाज को लेकर आगे के कार्यक्रम के स्वरूप पर चर्चा के साथ तय किया गया कि इस मुद्दे पर प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जनसभा करके जातीय जनगणना के फायदे और कांग्रेस के एजेंडे से वाकिफ कराया जायेगा।

गौरतलब है कि यूपी कांग्रेस जातिगत जनगणना की मांग को लेकर इस साल मई से कार्यक्रम चला रही है। मंडलवार सम्मेलनों के बाद जिलावार सम्मेलन किए गए थे। इसमें कांग्रेस की तरफ से जातिगत जनगणना की मांग पर राय स्पष्ट की गई और लोगों को ओबीसी समाज के लिए, कांग्रेस की नीतियों से अवगत करवाया गया। अब कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर और निचले स्तर पर जाना चाहती है। यूपी कांग्रेस द्वारा अब तक कराये गये कार्यक्रमों में ओबीसी समाज के लिए कांग्रेस की नीति साफ करने के लिए पर्चे बांटे गए थे। इसमें प्रदेश कांग्रेस की तरफ से बताया गया था कि अब तक कांग्रेस ने ओबीसी समाज के लिए क्या किया है। इन पर्चों में मंडल कमीशन के अध्यक्ष रहे बिहार के पूर्व सीएम बीपी मंडल के पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी को लिखे पत्र का भी जिक्र है, जिसमें उन्होंने कहा कि तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के प्रशासनिक और व्यक्तिगत सहयोग के बिना मंडल कमीशन की रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकती थी।

लब्बोलुआब यह है कि अपनी स्थापना के करीब सवा सौ साल बाद कांग्रेस पहली बार खुलकर ओबीसी राजनीति के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। उदयपुर और फिर रायपुर सम्मेलन में कांग्रेस के राजनीतिक प्रस्तावों में जातिगत जनगणना को लेकर प्रस्ताव पास हुए थे। कांग्रेस की पिछली कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में भी जातिगत जनगणना की मांग पर चर्चा हुई थी और इसकी मांगों को लेकर कार्यक्रम किए जाने पर सहमति बनी थी। यूपी में इस मसले पर अलग-अलग कार्यक्रम जारी हुए और इसे चुनाव तक आगे जारी रखने की योजना बनाई गई है। देखना यह है कि कांग्रेस का यह दांव ओबीसी वोटरों को कितना प्रभावित करता है, वैसे कुछ हद तक इसकी तस्वीर पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनाव से भी साफ हो जायेगी, जहां कांग्रेस ने जातीय जनगणना को बड़ा मुद्दा बनाया है और सत्ता में आने पर जातीय जनगणना कराये जाने का दावा कर रही है।

आरक्षणः क्या मनोज जरांगे महाराष्ट्र के नए हार्दिक पटेल साबित होंगे?

अजय बोकिल

एक बेहद सामान्य दिहाड़ी मजदूर सा चेहरा। चेहरे पर बढ़ी हुई दाढ़ी, बिखरे से बाल। शरीर पर साधारण कपड़े, लेकिन आंखों में तेज चमक और दृढ़ विश्वास। ये हैं मनोज जरांगे, जो आज महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन व राजनीति का चमकता चेहरा हैं। मनोज राज्य में मराठा समुदाय को ओबीसी दर्जा देकर सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण की मांग को लेकर आमरण अनशन पर हैं। उनके लिए मराठा युवा जान देने तक को तैयार हैं। इस बीच राज्य की तीन पहियों की शिंदे सरकार बदहवासी में है। राज्य में मराठा मुख्यमंत्री और एक मराठा उपमुख्यमंत्री होने के बाद भी किसी की समझ नहीं आ रहा है कि इस मांग का समाधान क्या हो? महाराष्ट्र की राजनीति और आरक्षण आंदोलन में मनोज जरांगे का उदय आठ साल पहले गुजरात में 'पाटीदार अनामत आंदोलन' के रूप में अनाम से चेहरे हार्दिक पटेल के चमत्कारी नेता के रूप में उदय से काफी कुछ मेल खाता है। यह बात अलग है कि बाद में हार्दिक खुद राजनीति के शतरंज का मोहरा बन गए और आज वो उसी भाजपा से विधायक हैं, जिसके खिलाफ उन्होंने कभी समूचे गुजरात को हिला दिया था। अब मनोज जरांगे का हश्र क्या होता है, यह देखने की बात है, लेकिन यह मानने में हर्ज नहीं है कि आज महाराष्ट्र में गुजरात ही खुद दोहरा रहा है। ध्यान रहे कि इस देश में जातिवादी राजनीति का आरक्षण एक ब्रह्मास्त्र है, क्योंकि यदि आरक्षण को हटा दिया जाए तो जातिवादी राजनीति महज एक जाति आधारित वोटों की गोलबंदी या फिर समाज सुधार के सात्विक आग्रह रूप में शेष रहती है। भारतीय समाज और खासकर हिंदुओं में सामाजिक न्याय के तहत संविधान में दलित व आदिवासियों के लिए जिस आरक्षण का प्रावधान किया गया था, उसने अब मानों यू टर्न ले लिया है। पहले माना जाता था कि जाति व्यवस्था के कारण विकास की दौड़ में पीछे रही जातियों और समुदायों को सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों व राजनीतिक आरक्षण देकर उन्हें प्रगत समुदायों के समकक्ष लाया जा सकता है और सामाजिक समता का एक लेवल कायम किया जा सकता है। दरअसल, वोटों की राजनीति ने सामाजिक समता के इस काल्पनिक मॉडल को जल्द ही सरकारी रेवड़ी और राजनीतिक प्रभुत्व की चाह में तब्दील कर दिया, इसीलिए समाज की मध्यम जातियों ने पहले ओबीसी के तहत आरक्षण मांगा और मिला। अब वो जातियां भी खुद को पिछड़ा कहलवाना चाह रही हैं, जो सत्तर साल पहले आरक्षण को राजनीतिक दान समझ कर हिकारत के भाव से देखती थीं। अब विडंबना है कि आज महाराष्ट्र में मराठा, गुजरात में पाटीदार, राजस्थान में गुर्जर और हरियाणा में जाट आरक्षण की मांग इसी संवैधानिक जातीय अवनयन में अपने सामाजिक उन्नयन की राह बूझ रही हैं। आरक्षण की लॉलीपाप अब उन जातियों को भी तीव्रता से आकर्षित कर रही है, जो सदियो से समाज में श्रेष्ठताभाव में जीने की आदी रही हैं। यानी अब यदि उन्हें भी आरक्षण मिले तो वो किसी भी जाति के नाम का आवरण ओढ़ने के लिए तैयार हैं। इसका अर्थ इन जातियों में सामाजिक समता को लेकर कोई बुनियादी मानसिक बदलाव का होना नहीं है, केवल आर्थिक बेहतरी और राजनीतिक सत्ता पाने की तात्कालिक स्वार्थसिद्धी ज्यादा है। इसी का नतीजा है कि आरक्षण की राजनीति में अब नए और समाज की निचली पायदान से आने वाले खिलाड़ियों की गुंजाइश बन रही है। यह उस स्थापित नेतृत्व के प्रति जनता का गहरा अविश्वास भी है, जो आरक्षण की फुटबाल को इस पाले से उस पाले में ठेलते रहे हैं। 41 वर्षीय मनोज जरांगे का जन्म महाराष्ट्र के बीड जिले के मातोरी में हुआ। स्कूली शिक्षा उन्होंने वहीं जिला परिषद के स्कूल में पाई। तीन बेटियों और एक बेटी के पिता मनोज शुरू से ही मराठा आंदोलन से भावनात्मक रूप से जुड़े रहे हैं। पहले वो कांग्रेस पार्टी में थे, बाद में उन्होने अपना संगठन 'शिवबा संघटना' बनाया। यूं मराठा आरक्षण आंदोलन पुराना है, लेकिन चार साल ठंडे पड़े आंदोलन में आग पैदा करने का काम जरांगे ने ही किया है। आजकल अंबड गांव के अंकुशनगर के निवासी जरांगे के लिए मराठा आरक्षण का मुद्दा जीने मरने का सवाल है। इसके लिए उन्होंने अपनी जमीन तक बेची। जालना जिले के आंतरवाली सराटी गांव में आमरण अनशन कर रहे जरांगे का तर्क है कि चूंकि मराठा जाति मूलतः कृषक जाति है, इसलिए अन्य पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत आरक्षण की अधिकारी है। खेती अब लाभ का व्यवसाय नहीं रहा, इसलिए मराठों को अन्य पिछड़ी जाति वर्ग में आरक्षण दिया जाए। जरांगे दो साल पहले भी 90 दिनों तक अनशन कर चुके हैं, लेकिन तब उसकी चर्चा ज्यादा नहीं हुई थी, क्योंकि वह आंदोलन शांतिपूर्ण था। उनके दूसरे अनशन के दौरान मराठा आरक्षण आंदोलनकारियों पर आंदोलनकारियों पर पुलिस लाठीचार्ज का मुद्दा गरमाया था। तब राज्य सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया था कि मराठों को आरक्षण के अध्ययन के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है, जिसकी रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। लिहाजा मनोज फिर अनशन पर बैठे और आंदोलन हिंसक हो गया। इसमें अब तक 25 मौतें हो चुकी हैं।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में इस्राइल-हमास की एंट्री

अमित शर्मा

राजस्थान के विधानसभा चुनाव में इस्राइल-हमास युद्ध की भी एंट्री हो गई है। बाबा बालकनाथ के नामांकन के समय राजस्थान पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस्राइल किस तरह तालिबानी मानसिकता के लोगों निशाना बना-बना कर मार रहा है। उन्होंने कहा कि उसी तरह का कठोर जवाब देने के लिए राजस्थान में भी मजबूत सरकार होनी चाहिए। इस तरह का बयान देकर योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के उसी एजेंडे को आगे बढ़ाया है, जिसमें पार्टी राजस्थान में सुरक्षा और राष्ट्रवाद को अपना प्रमुख चुनावी हथियार बनाने का फैसला लिया है। योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत सरकार धार्मिक आधार पर लोगों के बीच भेदभाव करती है। उन्होंने कहा कि कन्हैयालाल की हत्या हुई, तो उसके परिवार को केवल पांच लाख रुपये की मदद दी गई, जबकि गौहत्या के मामले में 20-25 लाख रुपये की मदद दी गई। उन्होंने जनता से सवाल पूछते हुए कहा कि आप सोच सकते हैं कि यदि कन्हैयालाल की हत्या उत्तर प्रदेश में हुई होती तो क्या होता? इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कन्हैयालाल की हत्या का मामला उठाया था। उन्होंने कहा कि इस समय गाजा में कैसे इस्राइल तालिबानी मानसिकता के लोगों को कुचल रहा है। सटीक तरीके से निशाना मार-मार कर कुचल रहा है। उन्होंने कहा कि तालिबानी सोच वालों का उपचार तो बजरंग बली की गदा ही है। योगी आदित्यनाथ के इस बयान से राजस्थान का चुनावी माहौल गरमा गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद राष्ट्रवाद का मुद्दा मजबूत हुआ है। योगी ने कांग्रेस पर कमजोर राष्ट्रवाद और अल्पसंख्यक समुदाय के तुष्टिकरण का आरोप लगाया। भाजपा ने राजस्थान के अलवर जिले की तिजारा विधानसभा सीट पर अपने सांसद बाबा बालकनाथ को उतारा है। बाबा बालकनाथ उसी संप्रदाय के संत हैं, जिस समुदाय से स्वयं योगी आदित्यनाथ आते हैं। यही कारण है कि बाबा बालकनाथ भी उसी अंदाज और तेवर में बात करते हैं, जिस अंदाज में योगी आदित्यनाथ बात करते हैं। उन्हें राजस्थान के %योगी% के रूप में देखा जाता है। मुसलमानों की अच्छी-खासी संख्या वाली सीट तिजारा पर पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा उम्मीदवार संदीप कुमार ने जीत हासिल की थी। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार इमामुद्दीन अहमद खान को हराया था। इस बार इस सीट पर भाजपा के उम्मीदवार बाबा बालकनाथ का मुकाबला कांग्रेस के इसी उम्मीदवार से है। बाबा बालकनाथ का नाम बहुत बड़ा है, जो उन्हें चुनावी लाभ पहुंचा सकता है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह भी है कि तिजारा राजस्थान की उन चंद विधानसभा सीटों में शामिल है, जहां भाजपा को सबसे कम सफलता मिली है। भाजपा ने तिजारा सीट पर केवल एक बार 2013 में सफलता पाई थी।

भाजपा जीती तो कौन होगा छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री

रोहित मिश्र

छत्तीसगढ़ बीजेपी मुख्यमंत्री चेहरे के बिना विधानसभा चुनाव लड़ रही है। एक तरफ कांग्रेस के पास स्पष्ट रुप से मुख्यमंत्री का चेहरा है तो दूसरी ओर बीजेपी मोदी और पार्टी के विजन पर यह चुनाव लड़ रही है। जिस तरह केंद्र में बीजेपी कांग्रेस से पूछती है कि उनका पीएम का चेहरा कौन होगा उसी तर्ज पर यह सवाल छत्तीसगढ़ में कांग्रेस बीजेपी से करती आ रही है। अंततः चुनाव का ऊंट किस करवट बैठता है यह नहीं कहा जा सकता। पर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि बीजेपी को राज्य में सत्ता मिल जाती है तो उस हालत में वह किसे मुख्यमंत्री बनाएगी? लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके और पूरे राज्य से परिचित रमन सिंह एक बार फिर से बीजेपी की च्वाइस होंगे या बीजेपी किसी आदिवासी पर अपना दांव लगाएगी। वह किसी सांसद को मौका देगी या ब्यूरोक्रेसी को छोड़कर राजनीति में आए एक ब्यूरोक्रेट को।

राज्य में कयास यह भी हैं कि बीजेपी महाराष्ट्र और हरियाणा मॉडल की तरह कोई ऐसा नाम सामने लेकर आ सकती है जिसकी दूर-दूर तक कहीं कोई चर्चा ना रही हो। टिकट बंटवारे के ज्यातादर फैसले हाईकमान से ही हुए हैं। ऐसी हालत में विधायकों की किसी एक नेता के साथ गोलबंदी दिखे ऐसा होता भी नहीं दिख रहा है। आइए इस बात का एनालिसिस करते हैं कि बीजेपी यदि सत्ता में आती है तो उसके पास पांच वो कौन से नाम हैं जिन्हें वह मुख्मंत्री बना सकती है।

विजय बघेल की उम्मीदवारी मजबूत है। उसकी दो वजहें हैं। विजय बघेल सीएम भूपेश बघेल की ही जाति ओबीसी की कुर्मी समाज से आते हैं। वह मुख्यमंत्री के खिलाफ पाटन से ताल ठोंक रहे हैं। सासंद हैं। साफ-सुथरी छवि है। राज्य के स्थानीय नेताओं का विरोध नहीं है।

हाईकमान के विश्वस्त माने जाते हैं। राजनीति जानकार बताते हैं कि उनके खिलाफ एक ही चीज जाती है कि उनकी अपील पूरे छत्तीसगढ़ में नहीं है। वह एक क्षेत्र के ही नेता हैं।

तीन बार के मुख्यमंत्री रहे रमन सिंह को भले ही पार्टी ने मुख्यमंत्री के तौर पर प्रोजेक्ट नहीं किया लेकिन उनकी प्रत्याशिता को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। राजनीतिक टीकाकार रवि भोई कहते हैं कि शुरुआती समय में रमन सिंह जरुर बीजेपी में उपेक्षित थे लेकिन जब चुनाव बेहद करीब आया तो हाईकमान ने टिकट देने में रमन सिंह की भी सुनी। केंद्रीय नेतृत्व यह बात जानता है कि रमन सिंह तीन कार्यकाल सरकार चला चुके हैं और उन्हें राज्य चलाने की बेहतर समझ है। वह राज्य में लोकप्रिय रहे हैं। भले ही 2018 का चुनाव हारने के बाद उनकी सक्रियता कुछ कम रही हो लेकिन मुख्यमंत्री चुनते समय उनके अनुभव को दरकिनार कर देना कठिन होगा।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव सीएम पद के लिए भी दावेदार बन सकते हैं। अरुण साव ओबीसी समाज से आते हैं। सीधे-सरल हैं। पार्टी के अंदर की गुटबाजी में विश्वास नहीं करते। इन चुनावों के 6 महीने बाद ही लोकसभा के चुनाव होने हैं। बीजेपी को एक साफ सुथरी छवि वाला ऐसा मुख्यमंत्री चाहिए जो हाईकमान के निर्देश को पूरी तरह से अमल में लेकर आए। इसके लिए साव बेहतर व्यक्ति हो सकते हैं। ओबीसी की जिस जाति से वह आते हैं उसकी संख्या छत्तीसगढ़ में ठीक-ठाक है। जातीय समीकरणों का लाभ भी उनके पक्ष में जा सकता है।

ब्यूरोक्रेट ओपी चौधरी तब चर्चाओं में आए थे जब उन्होंने 2018 के चुनावों के पहले नौकरी से इस्तीफा देकर बीजेपी ज्वाइन कर ली थी। चौधरी युवाओं में लोकप्रिय हैं। सोशल मीडिया में बहुत बड़ी फैन फालोइंग है। जिस तरह से महाराष्ट्र में अपेक्षाकृत युवा चेहरे देवेंद्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाया गया था ऐसी सूरत में इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि पार्टी ओपी चौधरी को ही यह जिम्मेदारी सौंप दे। ओपी चौधरी ओबीसी समाज से आते हैं। राजनीति में एक विजन लेकर आए हैं। उनके हिस्से की कमजोरी यह है कि वह पारंपरिक राजनेता नहीं हैं। संगठन को चलाने का अनुभव नहीं है। उम्र भी अपेक्षाकृत राज्य के नेताओं की तुलना में कम है।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी किसी आदिवासी नेता पर भी दांव लगा सकती है। राम विचार नेताम का नाम ऐसी हालत में सबसे ऊपर आ सकता है। इसके अलावा बीजेपी किसी नए आदिवासी चेहरे पर भी दांव लगा सकती है। किसी अन्य चेहरे पर दांव लगाने की बात पर वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर मुक्तिबोध कहते हैं कि बीजेपी यदि चुनाव जीतती है तो वह सीएम चुनने के मामले में सरप्राइज भी दे सकती है। सीएम चुनते समय केंद्रीय नेतृत्व इस बात का ख्याल रखना चाहेगा कि 6 महीने बाद ही लोकसभा के चुनाव होने हैं। बीजेपी पिछली बार की तरह इस बार भी चुनावों में प्रदर्शन करना चाहेगी। जिसमें मुख्यमंत्री की कार्यशैली के साथ उसकी जाति भी अहम होगी।

राजस्थान भाजपा में मुख्यमंत्री पद के लिए वसुंधरा समेत पांच प्रबल उम्मीदवार

नीरज कुमार दुबे

राजस्थान का हालिया राजनीतिक इतिहास हर चुनाव के बाद सरकार बदलने का रहा है इसलिए जहां भाजपा इस बार सत्ता में अपने आगमन को तय मान कर चल रही है वहीं राजनीति के जादूगर कहे जाने वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सत्ता में दोबारा वापसी कर इतिहास बदलने के लिए जीतोड़ कोशिश कर रहे हैं। किसकी मेहनत रंग लायेगी या किसका भाग्य चमकेगा यह तो तीन दिसंबर को आने वाले जनादेश से पता चल ही जायेगा। लेकिन इस बार की चुनावी फिजां को देखें तो बयार कुछ बदली-बदली-सी नजर आती है। सत्ता की प्रबल दावेदार भाजपा की बात करें तो यहां मुख्यमंत्री पद के कई तगड़े दावेदारों के चलते वसुंधरा राजे का तीसरी बार मुख्यमंत्री बनना बेहद मुश्किल नजर आ रहा है।

वसुंधरा राजे- देखा जाये तो वसुंधरा राजे 20 साल से राजस्थान में पार्टी की शीर्ष नेता रही हैं। 2003 में वह पहली बार मुख्यमंत्री बनी थीं और उसके बाद से हर चुनाव उनके नेतृत्व में ही लड़ा गया है लेकिन इस बार उन्हें पार्टी ने मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी नहीं बनाया है। वसुंधरा राजे ने नेतृत्व हासिल करने के लिए पार्टी आलाकमान पर दबाव तो काफी बनाया था लेकिन जब उन्हें इसमें कामयाबी नहीं मिली तो अपने ज्यादा से ज्यादा समर्थकों को भाजपा का टिकट दिलाने पर उन्होंने जोर दिया ताकि सरकार बनने की स्थिति आने पर मुख्यमंत्री के नाम के लिए ज्यादा से ज्यादा विधायक उनके समर्थन में खड़े हो सकें।

देखा जाये तो वसुंधरा राजे जिस तरह पिछले पांच साल तक पार्टी के कार्यक्रमों से लगभग दूरी बनाये रहीं उसी को देखते हुए पार्टी ने भी चुनाव के समय उन्हें महत्वपूर्ण फैसलों से दूर ही रखा। हाल ही में राजस्थान में भाजपा की परिवर्तन यात्राओं में भी वसुंधरा राजे की भूमिका पहले जैसी नहीं रखी गयी थी। पार्टी आलाकमान जानता है कि पिछले चुनावों में राजस्थान में जनता ने %मोदी तुझसे बैर नहीं, वसुंधरा तेरी खैर नहीं% जैसे नारे लगाये थे इसलिए इस बार वसुंधरा राजे को नेतृत्व देने से परहेज कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा जा रहा है। भाजपा ने अपने सात सांसदों को भी विधानसभा चुनाव के मैदान में उतार कर साफ संकेत दे दिया है कि विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से सिर्फ वसुंधरा राजे ही नहीं और भी भारी भरकम राजनीतिक कद वाले नेता मैदान में हैं। तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल वसुंधरा राजे को इस बार पार्टी के युवा नेताओं से खूब चुनौतियां मिल रही हैं। इसके अलावा यह भी बताया जा रहा है कि पार्टी को यह खूब अखरा है कि सतीश पूनियां के राजस्थान भाजपा अध्यक्ष रहते हुए वसुंधरा राजे ने 2019 से 2023 तक पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बनाये रखी थी और सिर्फ वसुंधरा ही नहीं बल्कि उनके समर्थक नेता भी पार्टी से दूरी बनाये हुए थे।

राजेन्द्र राठौड़- माना जा रहा है कि यदि वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री पद नहीं मिलता है तो वह अपने करीबी नेता राजेन्द्र राठौड़ का नाम आगे कर सकती हैं। राजेन्द्र राठौड़ वर्तमान में राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। वह लगातार सात बार से विधायक हैं और 90 के दशक से अब तक कोई चुनाव नहीं हारे हैं। वह राज्य

मंत्रिमंडल में कई बार कैबिनेट मंत्री रहे हैं। छात्र राजनेता के रूप में कॅरियर शुरू करने वाले राजेन्द्र राठौड़ ने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के नेतृत्व में भी काम किया है और वसुंधरा राजे के करीबियों में भी वह गिने जाते हैं। बड़े राजपूत नेता के रूप में स्थापित राजेन्द्र राठौड़ हालांकि विपक्ष के नेता हैं लेकिन वह कभी यह नहीं कहते कि वह मुख्यमंत्री पद की रेस में हैं। विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने अशोक गहलोत सरकार को कानून व्यवस्था की खामियों और पेपर लीक मामलों में जोरदार तरीके से घेरा था। इस बार उनको चुरु की बजाय तारानगर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है लेकिन यहां भी उनकी जीत की संभावनाएं प्रबल हैं क्योंकि वह पहले भी एक बार इस सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। साथ ही इस पूरे क्षेत्र में उनका अच्छा प्रभाव माना जाता है जिसके चलते वह राजपूतों के अलावा मुस्लिमों और जाटों के वोट हासिल करने में भी सफल रहते हैं।

सतीश पूनियां- इसके अलावा सतीश पूनियां भी मुख्यमंत्री पद की रेस में हैं। वह राजस्थान में तीन वर्षों तक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे लेकिन उनका सारा कार्यकाल विपक्षी नेता के रूप में ही बीता। भाजपा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने विपक्ष की भूमिका का प्रभावी ढंग से निवर्हन किया और लगातार विभिन्न मुद्दों को लेकर राजस्थान सरकार को घेरते रहे। 2023 की शुरुआत में उन्हें पद से हटाकर सीपी जोशी को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बना दिया गया था लेकिन सतीश पूनियां ने पार्टी का फैसला चुपचाप स्वीकार कर लिया था। जाट नेता सतीश पूनियां आमेर से आते हैं जहां उनका अच्छा खासा प्रभाव माना जाता है। वर्तमान में वह विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष पद पर हैं। सतीश पूनियां हालांकि कई चुनाव हारने के बाद पिछले चुनावों में पहली बार विधायक बने थे लेकिन इससे पहले उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय जनता युवा मोर्चा आदि में विभिन्न पदों पर काम किया हुआ है और वह आरएसएस के करीबियों में शुमार बताये जाते हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद पर रहने के दौरान उनकी कभी भी वसुंधरा राजे से नहीं बनी। दोनों नेताओं के संबंध तब और बिगड़ गये थे जब सतीश पूनियां ने वसुंधरा के कुछ समर्थकों को अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से हटा दिया था और वसुंधरा के विरोधियों को तवज्जो देना शुरू कर दिया था।

सीपी जोशी-इसके अलावा सीपी जोशी की बात करें तो चित्तौड़गढ़ के सांसद का चयन जब इस साल मार्च में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए किया गया था तो सभी चौंक गये थे। ब्राह्मण समुदाय से आने वाले सीपी जोशी इस बार के विधानसभा चुनावों में बहुत अहम भूमिका में हैं। पार्टी अध्यक्ष के नाते यह उनकी जिम्मेदारी है कि भाजपा सत्ता में आये, इसके लिए वह कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं। सीपी जोशी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ तो पूरे प्रदेश का दौरा कर ही रहे हैं साथ ही पार्टी संगठन से भी तालमेल बनाकर चुनाव अभियान का संचालन कर रहे हैं। ऐसी अटकलें हैं कि यदि भाजपा की सरकार बनती है तो सीपी जोशी के हाथ में राज्य का नेतृत्व उसी तरह आ सकता है जैसे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के लिए उनका नाम आगे आया था।

गजेंद्र सिंह शेखावत- केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की बात करें तो हाल के वर्षों में राज्य की राजनीति में उनका तेजी से उभार हुआ है। वह पार्टी आलाकमान के प्रिय इसलिए भी माने जाते हैं क्योंकि वह हमेशा अशोक गहलोत को निशाने पर लिये रहते हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर से आते हैं और पिछले लोकसभा चुनावों में उन्होंने मुख्यमंत्री गहलोत के बेटे को ही चुनाव हराया था। राजस्थान से जुड़े मुद्दों पर भी जिस तरह भाजपा की ओर से गजेंद्र सिंह शेखावत अक्सर पार्टी का पक्ष रखते हैं उससे संकेत मिलते हैं कि पार्टी उन्हें राजस्थान के मामलों में और बड़ी भूमिका दे सकती है। गजेंद्र सिंह शेखावत का नाम तो प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए भी सामने आया था लेकिन वसुंधरा राजे की ओर से किये गये तगड़े विरोध के चलते वह पीछे रह गये थे। राजस्थान में सचिन पायलट की बगावत के समय भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा के जिन नेताओं पर राज्य सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया था उनमें एक नाम गजेंद्र सिंह शेखावत का भी था। बहरहाल, देखना होगा कि भाजपा की सरकार बनने पर इन पांच नामों में से ही किसी एक को नेतृत्व सौंपा जाता है या कोई नया चौंकाने वाला नाम आ सकता है।

बेफिक्र होकर उठाएं सोलो ट्रिप का लुत्फ

देश-दुनिया घूमने का शौक रखने वाले लोग अक्सर किसी भी न किसी सफर पर जाने का प्लान करते रहते हैं। वहीं महिलाएं सुरक्षा के कारण सोलो ट्रिप प्लान नहीं कर पाती हैं। लेकिन बता दें कि देश के इन शहरों में कोई भी महिला अकेले घूम सकती है।

देश-दुनिया घूमने का शौक रखने वाले लोग अक्सर किसी न किसी सफर को प्लान करते रहते हैं। वह अपने परिवार, दोस्तों आदि कि साथ ट्रिप पर जाने के इंतजार में रहते हैं। वहीं मौका मिलने पर ऐसे लोग घूमने के लिए निकल पड़ते हैं। हालांकि आजकल की बिजी लाइफस्टाइल के कारण लोगों के पास समय की कमी रहती है। ऐसे में यह भी तय नहीं होता कि जब आपको छुट्टी मिले तब आपके दोस्तों के पास भी समय हो। ऐसे में कई बार बना-बनाया प्लान बिगड़ जाता है।

वहीं अधिक घूमने का मन होने पर पुरुष अकेले ही घूमने के लिए निकल जाते हैं। लेकिन महिलाओं व लड़कियों के लिए सोलो ट्रिप को लेकर काफी असमंजस की स्थिति होती है। क्योंकि सुरक्षा के लिहाज से वह अकेले ट्रिप पर नहीं जा पाती हैं। लेकिन अगर आप बिना अपनी सुरक्षा की फिक्र किए सोलो ट्रिप इंज्वॉय करना चाहती हैं। तो हम आपको देश की कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जो अकेले घूमने के लिहाज से सुरक्षित हैं। आइए जानते हैं वह कौन सी जगहें हैं।

मसूरी, उत्तराखंड

उत्तराखंड का मसूरी सुरक्षा के लिहाज से काफी अच्छी जगह है। यहां पर महिलाएं बिना अपनी सुरक्षा की फिक्र किए आराम से ट्रिप का मजा ले सकती हैं। बता दें कि देहरादून से बस या टैक्सी कर आप मसूरी पहुंच सकती हैं। इसके बाद अपने बजट में होटल आदि कर सकती हैं। बता दें कि यह जगह सुरक्षा और घूमने दोनों के लिहाज से काफी अच्छी है। अगर आप भी अकेले मसूरी घूमने का प्लान बना रही हैं तो यहां पर आप दलाई हिल्स, माल रोड, कैंप्टी फॉल, धनौल्टी घूम सकती हैं। दो दिन की ट्रिप में आपका ज्यादा खर्च भी नहीं आएगा।

जैसलमेर, राजस्थान

घूमने के लिहाज से राजस्थान के लगभग सभी पर्यटन स्थल काफी शानदार हैं। वहीं जैसलमेर में महिला अकेले घूमने का मजा ले सकती हैं। बता दें कि यह शहर महिलाओं के लिए पूरी तरह से सेफ है। राजस्थान के जैसलमेर को द गोल्डन सिटी कहा जाता है। यहां पर आप कई फेमस जगहों पर घूम सकते हैं। इसके अलावा आप जैसलमेर में कई एक्टिविटीज कर सकती हैं और यहां के कई शानदार स्थानीय बाजार घूम सकती हैं।

वाराणसी, उत्तर प्रदेश

वहीं आप यूपी के सबसे पुराने शहर वाराणसी घूमने के लिए भी जा सकती हैं। यहां पर आपको कई प्राचीन घाट देखने को मिलेंगे। गंगा नदी के घाट पर आपको बेहद शांति का अनुभव होगा। वाराणसी की दिव्य और भव्य गंगा आरती देख आपके मन को काफी सुकून मिलेगा।

अगर आप भी गर्मी में कहीं ऐसी जगह जाने का प्लान बना रहे हैं जो आपको गर्मी से राहत दे सके। तो बता दें कि नीचे हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो जून-जुलाई के महीने में भी काफी ठंडी रहती हैं।

जून-जुलाई के महीने में भी काफी ठंडी रहती हैं ये जगहें

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही लोग ठंडी जगहों पर जाने का प्लान बनाने लगते हैं। गर्मियों में बच्चों के भी स्कूल की छुट्टियां हो जाती हैं। ऐसे में माता-पिता पहले से ही ट्रिप प्लान कर लेते हैं। ऐसे में अगर आप भी गर्मी में कहीं ऐसी जगह जाने का प्लान बना रहे हैं जो ठंडी जगहें हों, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जो जून-जुलाई के महीने में भी काफी ठंडी रहती हैं। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

केदारनाथ

चार धाम की यात्रा में केदारनाथ का अपना विशेष स्थान है। एक समय पर केदारनाथ की यात्रा करना काफी कठिन था। लेकिन वर्तमान समय में केदारनाथ पहुंचना आसान है। हर साल यहां पर लाखों की संख्या में भक्त बाबा केदारनाथ के दर्शन करने उत्तराखंड पहुंचते हैं। उत्तराखंड में स्थित इस जगह में भगवान शिव वास करते हैं। बता दें कि भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक लिंग केदारनाथ भी है। जून-जुलाई के महीने में आप भी बच्चों और परिवार के साथ केदारनाथ दर्शन के लिए जा सकते हैं। जून के महीने में यहां का मिनिमम तापमान करीब 4-12 डिग्री के आसपास होता है।

स्पीति वैली

अगर आप भी गर्मियों में किसी ठंडी जगह जाने का प्लान बना रहे हैं तो स्पीति वैली सबसे अच्छा ऑप्शन है। यहां पर आर सूरज ताल, चंद्रताल, धंकार मोनेस्ट्री और कुंजुम पास जैसी कई जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। जून के महीने में भी यह जगह बर्फ से ढकी होती है। ऐसे में हो सकता है जब आप यहां पर घूमने जाएं तो यहां पर आपको बर्फ की सफेद चादर देखने को मिले। कई बार इस जगह का तापमान -2 डिग्री भी पहुंच जाता है।

सोनमर्ग

अगर आपने अभी तक कश्मीर नहीं देखा है तो आपको गर्मियों में यहां पर घूमने का प्लान जरूर बनाना चाहिए। अप्रैल से जून के महीने में घूमने के लिए सोनमर्ग सबसे अच्छी जगह है। जून-जुलाई के महीने में यहां का टेंपरेचर 7-12 डिग्री तक होता है। यहां पर आप बच्चों के साथ शिकारा बोट राइड का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके साथ ही आप सोनमर्ग में गंडोला राइड, जीफ सफारी, फेमस ट्यूलिप्स गार्डन, म्यूजियम आदि भी घूम सकते हैं। यहां पर आप कश्मीरी कुजीन का आनंद और असली पशमीना शॉल की खरीददारी कर सकते हैं।

कल्पा

अगर आप हिमाचल प्रदेश में शिमला और सोलांग घूमकर बोर हो चुके हैं। तो बता दें कि इस गर्मी में आप छुट्टी मनाने के लिए किन्नौर के कल्पा गांव आ सकते हैं। कल्पा गांव में आप सतलज नदी के किनारे फैमिली रिजॉर्ट बुक कर सकते हैं। यहां पर आप खूबसूरत मोनेस्ट्री के साथ-साथ मंदिरों के दर्शन भी कर सकते हैं। इस जगह पर आप बच्चों को सेब के बागान दिखा सकते हैं। बता दें कि इस गांव में मिनिमट टेंपरेचर 7 डिग्री तक रहता है।

सेला पास

अगर आप अपने परिवार के साथ हिमाचल और उत्तराखंड के अलावा कहीं और जाना चाहते हैं तो आप नॉर्थ ईस्ट की सैर कर सकते हैं। बता दें कि अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 78 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह जगह ज्यादा एक्सप्लोर नहीं की गई है। अगर आप भी भीड़भाड़ से दूर किसी शांत जगह की तलाश कर रहे हैं तो अरुणाचल प्रदेश का तवांग शहर और सेला पास दर्रा सबसे बढ़िया ऑप्शन है। यहां पर आप ट्रेल हाइकिंग का आनंद ले सकते हैं। साथ ही झीलों के पास पिकनिक का आनंद उठा सकते हैं। जून के महीने में यहां का टेंपरेचर काफी कम रहता है।

जब सर्दियों में बेहतरीन टूरिस्ट प्लेस की बात की जाती है, तो उसमें गोवा का नाम अवश्य लिया जाता है। ठंड के मौसम में लोग क्रिसमस से लेकर न्यू ईयर तक सेलिब्रेट करते हैं और इस दौरान लोग गोवा जाना बेहद ही पसंद करते हैं।

इंडिया में घूमने के लिए ये हैं बेहतरीन जगहें

ठंड के मौसम में अक्सर लोगों का बाहर घूमने का मन करता है। मौसम में ठंडक मन में एक प्रसन्नता का अहसास करवाती है और इसलिए लोग कहीं घूमकर आना चाहते हैं। हालांकि, सबसे पहले मन में यही सवाल आता है कि घूमने के लिए, कहां जाएं। दरअसल, मन में एक शंका रहती है कि कहीं ठंड में बाहर घूमना मुसीबत ना बन जाए। हो सकता है कि आप भी कुछ ऐसा ही सोच रहे हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही स्थानों के बारे में बता रहे हैं जहां पर आप सर्दियों के मौसम में घूम सकते हैं-

शिमला-कुफरी, हिमाचल प्रदेश

अगर आप ठंड के मौसम में स्नोफॉल को एक्सपीरियंस करना चाहते है तो ऐसे में आप शिमला-कुफरी घूमने के लिए जा सकते हैं। ठंड के मौसम में आप यहां पर बर्फबारी के अलावा कई तरह की एडवेंचर्स एक्टिविटीज का भी आनंद ले सकते हैं और माल रोड पर शॉपिंग का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

केरल

ठंड के मौसम में आप केरल घूमने के लिए जा सकते हैं। मानसून के खत्म होने के बाद केरल की प्राकृतिक सुंदरता की भव्यता बस देखते ही बनती हैं। यही कारण है कि केरल को बेस्ट विंटर डेस्टिनेशन के रूप में जाना जाता है। आप यहां पर कोवलम और वर्कला समुद्र तट, एलेप्पी बैकवाटर, थेक्कडी और कुमिली मसाला उद्यान और मुन्नार चाय बागान आदि को देख सकते हैं। इसके अलावा, साइलेंट वैली नेशनल पार्क प्रकृति प्रेमियों के घूमने के लिए एक बेहतरीन स्थान है।

औली, उत्तराखंड

ठंड के मौसम में आप औली उत्तराखंड घूमने के लिए जा सकते हैं। यहां पर आप नंदा देवी, नीलकंठ और माना पर्वत की शानदार चोटियों को देख सकते हैं या फिर स्कीइंग का आनंद उठा सकते हैं। औली को स्कीइंग के लिए एक बेहतरीन थान माना गया है। यूं तो यह लगभग पूरे साल ही हरी-भरी घाटियों के कारण पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है, लेकिन सर्दियों में इस जगह की खूबसूरती बस देखते ही बनती है।

गोवा

जब सर्दियों में बेहतरीन टूरिस्ट प्लेस की बात की जाती है, तो उसमें गोवा का नाम अवश्य लिया जाता है। ठंड के मौसम में लोग क्रिसमस से लेकर न्यू ईयर तक सेलिब्रेट करते हैं और इस दौरान लोग गोवा जाना बेहद ही पसंद करते हैं। गोवा की सुखद जलवायु, शांत समुद्र तट, वाटरस्पोर्ट और नाइटक्लब गोवा को सर्दियों में घूमने के लिए बेहतरीन प्लेस बनाते हैं।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर अवश्य जाएं और देश के लिए शहादत देने वालों को नमन करें

राष्ट्रीय समर स्मारक को युद्ध स्मारक के नाम से भी जाना जाता है। यह दिल्ली के इंडिया गेट के आसपास के क्षेत्र में फैला हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 फरवरी 2019 को 44 एकड़ में बने नेशनल वॉर मेमोरियल को राष्ट्र को समर्पित किया था। राष्ट्रीय समर स्मारक की मांग कई दशकों से हो रही थी लेकिन इसे पूरा किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। 2014 में राष्ट्रीय समर स्मारक बनाने के लिए प्रक्रिया शुरू की गयी और 2019 में इसका लोकार्पण किया गया। राष्ट्रीय समर स्मारक बनने से पहले तक इंडिया गेट पर स्थित अमर जवान ज्योति पर ही देश के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी जाती थी। लेकिन जब राष्ट्रीय समर स्मारक बना तो रक्षा बलों के राष्ट्र के लिये किये गये योगदान को सराहने वाली इस पहल का देश ने भरपूर स्वागत किया। इस साल अमर जवान ज्योति की ज्योति का भी राष्ट्रीय समर स्मारक में विलय कर दिया गया। राष्ट्रीय समर स्मारक को युद्ध स्मारक के नाम से भी जाना जाता है। यह दिल्ली के इंडिया गेट के आसपास के क्षेत्र में फैला हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 फरवरी 2019 को 44 एकड़ में बने नेशनल वॉर मेमोरियल को राष्ट्र को समर्पित किया था। इस मेमोरियल में जाने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है। यहां बड़ी संख्या में देश के विभिन्न भागों से तो लोग आते ही हैं साथ ही स्कूली छात्र भी समूहों में आकर हमारे वीर जांबाजों के शौर्य के बारे में जानते हैं। यहां सुंदर बगीचे सबका मन मोह लेते हैं और सुरक्षा बलों के शौर्य से जुड़े प्रतीकों के साथ लोग फोटो खिंचवाते हैं। हालांकि यहां कैमरा ले जाने के कुछ नियम भी हैं।

जानिए लंबी आयु और स्वस्थ जीवन प्रदान करने वाले यह दिव्य मंत्र, हर बाधा होगी दूर

धार्मिक मान्यता के अनुसार, अपने परिवार की रक्षा हेतु मनुष्य को अलग-अलग तरह की पूजा-अनुष्ठान, हवन, दान-पुण्य, मंत्र-पाठ और अन्य उपाय करने चाहिए। इन दिव्य और अलौकिक मंत्रों के रोजाना जाप से व्यक्ति को ना सिर्फ लंबी आयु बल्कि स्वस्थ जीवन भी मिलता है।

अपने जीवन की सुख-समृद्धि के लिए हर व्यक्ति पूजा-पाठ करता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, अपने परिवार की रक्षा हेतु मनुष्य को अलग-अलग तरह की पूजा-अनुष्ठान, हवन, दान-पुण्य, मंत्र-पाठ और अन्य उपाय करने चाहिए। वहीं हिंदू धर्म में कुछ ऐसे शक्तिशाली और प्रभावी मंत्रों का उल्लेख मिलता है। जिनका नियमित नियम से जाप करने से व्यक्ति की बड़ी से बड़ी समस्या हल हो सकती है।

महामृत्युंजय मंत्र

महामृत्युंजय मंत्र को मृत्यु को पराजित करने वाला सबसे कारगर मंत्र को माना गया है। इस मंत्र का उल्लेख रुद्र संहिता के सतीखंड में मिलता है। धार्मिक पुराणों के मुताबिक इसी मंत्र के कारण ही राजा दधिच भी पूर्ववत सकुशल जीवित हुए थे। इसी मंत्र की शक्ति से महर्षि मार्कण्डेय ने यमराज को पराजित किया था। शिवपुराण के अलावा ऋग्वेद, यजुर्वेद, नारायणोपनिषद् में भी इस मंत्र का उल्लेख मिलता है। संपुट सहित यह मंत्र इस प्रकार है- ॐ हौं जूं सः, ॐ भूर्भुवः स्वः। ॐ भूर्भवः स्वः। ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्। स्वः भुवः भूः ॐ हौं जूं सः ॐ। यज्ञ, जप, अभिषेक आदि के माध्यम से इस मंत्र की साधना की जाती है। यह मंत्र शीघ्र फल देने वाला है।

बगुलामुखी मंत्र

जो व्यक्ति गंभीर रोग से पीड़ित रहते हैं, उन्हें बगुलामखी देवी के मंत्र का जप करना चाहिए। अगर रोगी इस मंत्र का जप करने में असमर्थ है, तो इसका जाप किसी अन्य से भी करवाया जा सकता है। यह मंत्र इस प्रकार है- ॐ ऐं ऐं ॐ ह्रीं बगलामुखी ईशानाय भूताधिपतये, वृषभ वाहनाय कर्पूर वर्णनाय त्रिशूल हस्ताय सपरिवाराय, एहि एहि मम्। विघ्नान् विभंज्जय विभंज्जय, ॐ मम पत्नी अस्य अकाल मृत्यु मुखं मृत्यु स्तम्भय स्तम्भय, ॐ ह्रीं मम पत्नी अस्य आकाल मृत्यु मुखं भेदय भेदय, ॐ वश्यम् कुरू कुरू, ॐ ह्रीं बगलामुखि हुम फट् स्वाहा। इस मंत्र के नियमित जाप से गंभीर से गंभीर रोग ठीक हो जाता है।

दुर्गा सप्तशती का मंत्र

अगर कोई व्यक्ति अक्सर बीमार रहता है, उसकी सेहत में अक्सर उतार-चढ़ाव बना रहता है। तो ऐसे व्यक्ति को दुर्गा सप्तशती के इस प्रभावशाली मंत्र का जाप करना चाहिए। यह मंत्र इस प्रकार है- देहि सौभाग्यमारोग्यं, देहि मे परमं सुखं। रूपं देहि, जयं देहि, यशो देहि, द्विषो जहि। इसके अलावा रुद्राभिषेक करना भी काफी ज्यादा शुभ माना जाता है।

आदित्य हृदय स्तोत्र

बता दें कि ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को सभी ग्रहों का राजा माना गया है। वहीं हृदय का कारक ग्रह सूर्य को माना गया है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति हृदय रोग से पीड़ित है, तो उसे नियमित आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। इसके अलावा उगते हुए सूर्य को जल अर्पित करना चाहिए।

सूर्य गायत्री मंत्र

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को रोजाना सूर्य गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। यह एक प्रभावशाली और दिव्य मंत्र है। यह मंत्र इस प्रकार है- ॐ भास्कराय विद्महे दिवाकर। धीमहि तन्नो सूर्य प्रचोदयात। इस मंत्र का रोजाना पांच माला जाप करना चाहिए।

गुरुग्राम के पास इन होमस्टे में बिताएं अपना वीकेंड, बेहद दिलचस्प हैं ये जगहें

पूरे सप्ताह काम करने के बाद हम सभी अक्सर वीकेंड पर ढेर सारा आराम और रिलैक्स करना चाहते हैं। लेकिन ऐसा घर पर रहकर संभव नहीं हो पाता है। ऐसे में कुछ लोग वीकेंड इंज्वॉय करने के लिए बाहर घूमने का प्लान बनाते हैं।

हम सभी पूरे सप्ताह काम करने के बाद वीकेंड पर ढेर सारा आराम करना चाहते हैं। अक्सर लोग वीकेंड पर दिल्ली एनसीआर के आसपास रहना चाहते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस वीकेंड गुरुग्राम के आसपास रुकने का मन बना रहे हैं। तो बता दें कि ऐसे कई होमस्टे हैं। जहां पर आप आराम से अपना वीकेंड गुजार सकते हैं। इस आर्टिकल के जरिए आज हम आपको गुरुग्राम और उसके आसपास के एरिया में मौजूद होमस्टे के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर रहकर आप खुद को रिचार्ज कर सकते हैं।

सिमब्लिस फार्म

अगर आप भी इस वीकेंड एक बेहतरीन जगह पर रुकना चाहते हैं तो सिमब्लिस फार्म एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। बता दें कि यहां पर मेहमान बड़े पैमाने पर कैंपिंग कर सकते हैं। सिमब्लिस फार्म में आपको 4 बेडरूम, 2 बारबेक्यू पिट्स, गेजेबो, पूल, फायरप्लेस और इन हाउस शेफ मिलेगा। सिमब्लिस फार्म मानेसर से ठीक आगे स्थित है। यह फार्म पूरी तरह से फुल रहते हैं, ऐसे में आप यहां पर पहले से ही बुकिंग कर सकते हैं।

मालिबू टाउन

मालिबू टाउन तीन मंजिला विला 1000 वर्ग मीटर में फैले होने के साथ ही फुल फर्निश्ड है। यहां पर आपको कम्युनिटी क्लब के पूल, टेनिस कोर्ट और रेस्तरां आदि भी मिलेंगे। जहां पर आप अपना वीकेंड आराम से बिता सकते हैं। अगर आप भी अपनी थकान को पूरी तरह से मिटाना चाहते हैं तो आपको एक बार यहां विजिट जरूर करना चाहिए। इस होमस्टे में हर चीज का चयन काफी समझदारी से किया गया है। इसीलिए यहां पर रुकने वाले गेस्ट को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है। मालिबू टाउन सेक्टर 47 गुरुग्राम में स्थित है।

आइवी ब्रिज फार्म

अगर आपको भी नेचर से खासा लगावा है तो आपको अपना वीकेंड आइवी ब्रिज फार्म पर बिताना चाहिए। यहां पर आपको ट्री हाउस मिलेगा। जो आपको आपके बचपन को फिर से जीने का मौका मिलेगा। यहां पर आप नेचर के बीचो-बीच अच्छा समय बिता सकते हैं। नेचुरल फील लाने के लिए यहां पर आर्टिफिशियल बारिश होती है। इसके अलावा आइवी ब्रिज फार्म एक स्विमिंग पूल भी है। इस जगह पर आप फलों के बगीचे में नाश्ता करने से लेकर बांस के बगीचे में टहलने का लुत्फ उठा सकते हैं।

गिलमोर स्टे

अगर आप गुरुग्राम में ही एक बेहतरीन होमस्टे का ऑप्शन ढूंढ रहे हैं। तो आप गिलमोर स्टे में भी रुक सकते हैं। यह होमस्टे सिटी सेंटर से सिर्फ 7.7 किमी दूर है। यहां पर आप अपने परिवार के साथ भी स्टे कर सकते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

केजरीवाल ने ईडी को पत्र लिख समन वापस लेने की मांग की

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पत्र लिखकर उत्पाद शुल्क नीति घोटाला मामले में उन्हें भेजा गया समन वापस लेने को कहा है। यह तब हुआ जब आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख को गुरुवार सुबह 11 बजे जांच एजेंसी के सामने पेश होना था। ईडी को दिए अपने जवाब में दिल्ली के मुख्यमंत्री ने समन नोटिस को अवैध और राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा, नोटिस भाजपा के आदेश पर भेजा गया था। नोटिस यह सुनिश्चित करने के लिए भेजा गया था कि मैं चार चुनावी राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए जाने में असमर्थ हूं। ईडी को तुरंत नोटिस वापस लेना चाहिए। दिल्ली के मुख्यमंत्री को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत समन जारी किया गया है। यह पहली बार था जब उन्हें ईडी ने समन किया था। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी अब उन्हें नया समन जारी कर सकती है।

केजरीवाल जांच से क्यों भाग रहे : संबित पात्रा

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से प्रवर्तन निदेशालय गुरुवार को पूछताछ करने वाली थी। हालांकि, वह ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए। अब इसको लेकर भाजपा केजरीवाल पर हमलावर हो गई है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने इसको लेकर प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि टीवी के माध्यम से आप लोग देख ही रहे होंगे कि अरविंद केजरीवाल भाग गए हैं। अरविंद केजरीवाल ईडी के समन से भाग रहे हैं, सच्चाई का सामना करने से भाग रहे हैं। जांच से भागना एक तरह से स्वीकार करना होता है कि हां मैंने गलती की है। पात्रा ने कहा कि ईडी के सामने, एजेंसी के सामने पेश न होना, एक तरह से डर को दिखाता है, स्वीकृति को दिखाता है कि हां मैंने गलती की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के शराब घोटाले के किंग-पिंग केजरीवाल ने स्वीकार किया है कि हां, शराब घोटाले में मेरा हाथ है। इसके पीछे जो बेतहाशा भ्रष्टाचार हुआ है, उसमें मैं भी शामिल हूं। वरना डरने की क्या आवश्यकता थी!

एथिक्स कमेटी के सामने पेश हुईं महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा गुरुवार को संसद की एथिक्स कमेटी के सामने पेश हुई। एथिक्स कमेटी ने महुआ मोइत्रा को 2 नवंबर को कमेटी के सामने पेश होने का निर्देश दिया था। इससे पहले टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप लगाने वाले वकील जय अनंत देहाद्राई ने कहा है कि आरोप बेहद गंभीर हैं और इस मामले में सच बाहर आना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है और फिलहाल मामला संसद की एथिक्स कमेटी के सामने है। यह सही नहीं होगा कि मैं अभी इस पर कोई टिप्पणी करूं। मेरी विनती है कि सच बाहर आना चाहिए और मैं इसके अलावा कुछ नहीं चाहता। देहाद्राई ने कहा यह कमेटी का अधिकार है कि उसे क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

तेलंगाना में बीआरएस के लिए आसान नहीं सत्ता की डगर

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुट गए हैं। चुनाव से पहले ही पार्टियों द्वारा एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। जहां राज्य में एक ओर चुनावी मंच तैयार हैं, तो वहीं बीआरएस, कांग्रेस और बीजेपी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार दिख रहे हैं। हांलाकि तीनों दलों के दांव ऊंचे हैं। एक ओर जहां सत्तारूढ़ बीआरएस अपनी सत्ता को बचाए रखने की कोशिश कर रही है, तो वहीं बीजेपी और कांग्रेस भी बीआरएस को सत्ता से उखाड़ फेंकने की तैयारियों में लगी हैं। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से राज्य में बीआरएस का राज रहा है। ऐसे में राज्य के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की नजर जीत के साथ ऐतिहासिक हैट्रिक पर भी है। वह अपनी कल्याणकारी योजनाओं के जरिए एक बार फिर सत्ता में वापसी की राह बना रहे हैं। मुख्यमंत्री केसीआर जनता को साधने के लिए राज्य भर में कई जनसभाएं करेंगे।

राज्यपाल को तलब करने पर बदायूं के एसडीएम निलंबित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भूमि अधिग्रहण मामले में राज्यपाल को तलब करने पर एक उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (न्यायिक) को निलंबित कर दिया गया है। एसडीएम की पहचान बदायूँ के विनीत कुमार के रूप में की गई, जिन्हें यूपी सरकार ने उनकी घोर लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया था। इस बीच, उनके पेशकार (कर्मचारी जो अधिकारी को फाइलें पेश करते हैं) को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ा और उन्हें भी निलंबन की सजा सुनाई गई। पिछले महीने, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को समन जारी किया गया था, जिससे उनके कार्यालय को इस तरह की कार्रवाई के खिलाफ मिली संवैधानिक छूट का हवाला देना पड़ा। मामला लोदा बहेरी गांव निवासी चंद्रहास द्वारा एक अन्य व्यक्ति और राज्यपाल को पक्षकार बनाते हुए एसडीएम कोर्ट में दायर जमीन संबंधी याचिका से जुड़ा है।

बिखरने लगा इंडिया गठबंधन! बिहार सीएम बोले- नहीं हो रहा कोई काम, कांग्रेस को तो फुर्सत ही नहीं

कांग्रेस पार्टी की दिलचस्पी 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में : नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को पटना में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की बीजेपी हटाओ, देश बचाओ रैली में शामिल हुए। सीएम नीतीश ने कहा कि जो लोग हमारे देश के संविधान को बदलने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें रोकने के लिए इंडिया ब्लॉक का गठन किया गया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमने सभी दलों से बात की, उनसे एकजुट होने और देश को उन लोगों से बचाने का आग्रह किया जो इसके इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए पटना और अन्य जगहों पर बैठकें हुईं।

इसके साथ ही नीतीश ने अपनी नाराजगी भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इंडिया एलायंस बना लेकिन कुछ खास नहीं हो रहा। 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की दिलचस्पी उनमें ज्यादा है। उन्होंने पुरानी पार्टी को संदेश देते हुए साफ तौर पर कहा कि हम सब मिलकर कांग्रेस पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे थे लेकिन उन्हें अभी इस सब की चिंता नहीं है। वे अभी 5 राज्यों के चुनाव में व्यस्त हैं। इसलिए 5 राज्यों के चुनाव के बाद वे खुद ही सबको बुलाएंगे। इस बीच सीपीआई नेता डी राजा ने भी कहा कि हमारे देश की हालत बहुत खराब है और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने देश को बर्बाद कर दिया है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया के प्रमुख सूत्रधार और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को आरोप लगाया कि देश की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस का ध्यान आजकल इंडिया गठबंधन को मजबूत बनाने में नहीं है। उन्होंने बेहद नाराजगी भरे लहजे में कहा कि कांग्रेस विधानसभा चुनावों में इस कदर व्यस्त हो गई है कि इंडिया गठंबधन के अन्य घटक दलों से लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे पर बात ही नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन को आगे बढ़ाने में दिलचस्पी ही नहीं ले रही है।

उन्होंने कहा, हम 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे पर कांग्रेस के साथ चर्चा कर रहे थे, लेकिन

ऐसा लगता है कि कांग्रेस अभी पांच राज्यों के चुनाव अभियान में काफी व्यस्त है।

सीएम नीतीश ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि बहुत चर्चा करने के बाद इंडिया का गठन किया गया था, लेकिन कांग्रेस पार्टी को फिलहाल उसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। इस समय कांग्रेस का पूरा फोकस पांच राज्यों के चुनाव में है। इसलिए फिलहाल इंडिया गठबंधन को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। इन चुनावों के बाद फिर से सभी को एकजुट किया जाएगा।

नीतीश कुमार के इस बयान पर सत्ता के समीकरण बैठाने वाले कयास लगा रहे हैं कि इंडिया गठबंधन के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और कहीं न कहीं विपक्षी गुट में अब दरार दिखाई देने लगी हैं, जिसकी तलाश भाजपा को 2024 के आम चुनाव के लिए हैं।

इंडिया समूह की आखिरी बैठक 31 अगस्त-1 सितंबर को मुंबई में हुई थी, जिसके बाद यह घोषणा की गई कि कांग्रेस अगली तारीखें तय करेगी। अटकलें थीं कि यह दिल्ली में होगा लेकिन कोई घोषणा नहीं की गई। ऐसी भी चर्चा थी कि यह चुनाव वाले मध्य प्रदेश में होगा लेकिन वह भी नहीं हुआ। नीतीश कुमार को व्यापक रूप से इंडिया ब्लॉक के संस्थापक सदस्यों में से एक के रूप में देखा जाता है; वास्तव में, यह बिहार के मुख्यमंत्री ही थे जिन्होंने वरिष्ठ विपक्षी नेताओं को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए एकजुट होने की संभावना के बारे में बताया और अपनी वरिष्ठता का उपयोग करते हुए उनके और कांग्रेस के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य किया।

इंडी गठबंधन का ना कोई मिशन, ना विजन : भाजपा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को अपनी टिप्पणी के साथ भाजपा को इंडिया गुट पर हमला करने के लिए हथियार प्रदान किया है। नीतीश ने कहा कि कांग्रेस गठबंधन की तुलना में चुनावों में अधिक रुचि रखती है। पटना में बोलते हुए, कुमार ने दावा किया कि गठबंधन में कुछ खास नहीं हो रहा है। 2024 के आम चुनावों में भाजपा के रथ का मुकाबला करने के लिए 28 पार्टियों का एक समूह बनाया गया है। अब नीतीश के बयान को लेकर भाजपा ने इंडिया गठबंधन पर तंज कसा है। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि उनका इंडी गठबंधन वास्तव में टुकड़े-टुकड़े गठबंधन है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा नहीं बल्कि भारत जोड़ो यात्रा निकालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में सपा बनाम कांग्रेस चल रही थी, आज बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कांग्रेस पर हमला बोला, इससे पहले दिल्ली से पंजाब तक आप बनाम कांग्रेस थी, पश्चिम बंगाल में अधीर रंजन चौधरी बनाम ममता बनर्जी थी, केरल में कांग्रेस बनाम लेफ्ट चल रहा था। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि इस गठबंधन का कोई मिशन या विजन नहीं है। इस गठबंधन में सिर्फ विरोधाभास, भ्रम, भ्रष्टाचार, महत्वाकांक्षा और एक-दूसरे के प्रति हताशा है। इसीलिए वे एक-दूसरे पर ताना कसते हैं।

तेलंगाना में केसीआर को घेरते हुए राहुल का दावा

कांग्रेस सत्ता में आई तो महिलाओं को हर माह होगा 4000 का फायदा

हैदराबाद। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि तेलंगाना में दो नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो महिलाओं को चार हजार रुपये तक का फायदा होगा। दरअसल, राहुल गांधी कालेश्वरम परियोजना के मेदिगड्डा (लक्ष्मी) बैराज के पास अंबातीपल्ली गांव में एक महिला सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा कथित तौर पर लूटे गए सभी धन को लौटाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री की लूट से तेलंगाना की महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं। कांग्रेस पार्टी ने मुख्यमंत्री द्वारा लूटी गई राशि आपके बैंक खातों में जमा करने का फैसला किया है।'

कांग्रेस नेता ने कहा कि सामाजिक पेंशन, एलपीजी सिलेंडर पर बचत और सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा के जरिए महिलाओं को 4000 रुपये तक का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पहले कदम के रूप में हर महीने महिलाओं के बैंक खातों में सामाजिक पेंशन के रूप में 2,500 रुपये जमा किए जाएंगे। इसके अलावा, कांग्रेस सत्ता में आने पर एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति करेगी, जिसकी कीमत अभी एक हजार रुपये है, जो बाद में पांच सौ रुपये में मिलेगा। इतना ही नहीं सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा के माध्यम से एक हजार रुपये की आपूर्ति की जाएगी। कांग्रेस सांसद ने कहा, 'इन सभी योजनाओं से महिलाओं को हर महीने चार हजार रुपये का फायदा होगा। इसे पराजला सरकार यानी लोगों की सरकार कहा जाता है।'

तेलंगाना में एक लाख करोड़ रुपये लूटे जाने का आरोप लगाते हुए राहुल ने कहा कि बीआरएस, भाजपा और एमआईएम आगामी चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि मुकाबला कांग्रेस और केसीआर के नेतृत्व वाली पार्टी के बीच है। उन्होंने कहा, एमआईएम और भाजपा बीआरएस का समर्थन कर रहे हैं। इसलिए आपको दोराला सरकार को

हटाने और पराजला सरकार को लाने के लिए कांग्रेस का पूरा समर्थन करना होगा।' राहुल गांधी ने केसीआर पर कालेश्वरम परियोजना से पैसा बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केसीआर के लिए एटीएम की तरह है। राहुल ने कहा कि इस मशीन को चलाने के लिए तेलंगाना के सभी परिवारों को 2040 तक सालाना 31,500 रुपये खर्च करने होंगे।

कांग्रेस के लिए आसान नहीं तेलंगाना की राह

दक्षिण में कर्नाटक में जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस की नजरें अब तेलंगाना पर हैं। पार्टी राज्य में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए पूरी रणनीति के साथ चुनाव मैदान में उतर चुकी है। बता दें कि कर्नाटक में मिली जीत के बाद कांग्रेस के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। ऐसे में कांग्रेस राज्य में अपनी बढ़त बनाने के लिए कर्नाटक वाले फॉर्मूले को यहां पर भी लागू कर रही है। बता दें कि साल 2018 के चुनाव में तेलंगाना में कांग्रेस की खाते में 19 सीटें आई थीं। लेकिन इस बार कांग्रेस की तैयारियों को देखकर लग रहा है कि राज्य में सत्तारूढ़ बीआरएस को कांग्रेस से बड़ा नुकसान हो सकता है। तेलंगाना चुनाव के चलते कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता आए दिन राज्य के दौरे पर हैं। वहीं हाल ही में सोनिया गांधी ने तेलंगाना में रैली के दौरान कहा था कि राज्य में कांग्रेस की सरकार देखना उनका सपना है। हांलाकि सपना कितना साकार होता है, यह तो समय आने पर ही पता चलेगा। लेकिन पार्टी अपनी तैयारियों में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

खेल
प्रमुख समाचार

न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंचने से दो जीत दूर: फिलिप्स

नईदिल्ली। विश्व कप के दौरान कई खिलाड़ियों के चोटिल होने के बीच लगातार तीसरी हार का सामना करने वाले न्यूजीलैंड के हरफनमौला ग्लेन फिलिप्स को उम्मीद है कि उनकी टीम दो और जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहेगी।

टूर्नामेंट में लगातार चार जीत के साथ अपना अभियान शानदार तरीके से शुरू करने वाले न्यूजीलैंड को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 190 रन के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद चार विकेट पर 357 रन का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 35.3 ओवर में 167 रन बनाकर आउट हो गई।

इस मुकाबले में 50 गेंद में 60 रन बनाने वाले फिलिप्स ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम सेमीफाइनल में पहुंचने से सिर्फ दो जीत दूर है। इन दो जीत से हम तीसरे या चौथे स्थान पर अपनी जगह पक्की कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि अगर हम अपनी बुनियादी चीजों पर कायम रहें, जिससे हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ करते हैं, तो सब कुछ ठीक हो जाएगा।'' न्यूजीलैंड को अब बचे हुए दो मैचों में पाकिस्तान (चार नवंबर) और श्रीलंका (नौ नवंबर) का सामना करना है। बांग्लादेश पर सात विकेट की जीत के साथ ही पाकिस्तान की टीम में सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई है।

फिलिप्स ने कहा, '' हम मैदान पर चीजों को संतुलित रखने की कोशिश करते हैं। हम बहुत ज्यादा निराशा या अत्यधिक जश्न नहीं मनाते है। ऐसे में मुझे लगता है कि यह हमारे लिए अपनी चीजों को सरल रखते हुए आगे बढ़ने के बारे में है।''

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स में फिर तेजी, चढ़ा 490 अंक, निफ्टी 19,100 के पार

नईदिल्ली। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने के बाद वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी दर्ज की गई। बता दें कि फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को 5.25-5.50 प्रतिशत के दायरे में बनाए रखा। एक्सपर्ट्स के अनुसार, फेड रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने दरों में एक और बढ़ोतरी की संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है, लेकिन बाजार पर्यवेक्षकों का मानना है कि वह उतने आक्रामक नहीं थे जितना उन्होंने अनुमान लगाया था। इस बीच तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 489.57 अंक या 0.77 प्रतिशत चढ़कर 64 हजार के पार जाते हुए 64,080.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 64,202.64 अंक तक चला गया था। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी एक बार फिर से 19,100 के स्तर के पार चला गया।

अदाणी ने क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया में शेष 51% हिस्सेदारी खरीदी

नईदिल्ली। उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह ने क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी भी हासिल कर ली है। हालांकि, कंपनी ने लेनदेन के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड ने क्यूबीएमएल में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए एक शेयर खरीद समझौता पूर्ण किया है। क्यूबीएमएल व्यापार व वित्त समाचार डिजिटल मीडिया मंच बीक्यू प्राइम का संचालन करती है। एएमजी मीडिया ने इससे पहले क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया लिमिटेड (क्यूबीएमएल) में 47.84 करोड़ रुपये में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का दूसरी तिमाही में नेट प्रॉफिट 22% बढ़ी

नईदिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत बढ़कर 66.80 करोड़ रुपये रहा है। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की बिक्री बुकिंग दोगुना से अधिक होकर 5,034 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। इससे पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी ने 54.96 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की जुलाई-सितंबर अवधि में उसकी कुल आय बढ़कर 605.11 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 369.20 करोड़ रुपये थी। इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बिक्री बुकिंग दोगुना होकर 5,034 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 2,409 करोड़ रुपये से अधिक रही थी।

सीआईएल की कोयले की सप्लाई अक्टूबर में 11% बढ़ी

नईदिल्ली। त्योहारी सीजन में बिजली की बढ़ती मांग के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी सीआईएल की बिजली उत्पादन संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति अक्टूबर में 11 प्रतिशत बढ़कर 5.08 करोड़ टन हो गई। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की बिजली क्षेत्र को ईंधन आपूर्ति पिछले वित्त वर्ष अक्टूबर में 4.58 करोड़ टन थी। चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में सीआईएल द्वारा बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति एक साल पहले के 33.1 करोड़ टन से 1.5 करोड़ टन बढ़कर 34.6 करोड़ टन हो गई। इसमें 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बयान के अनुसार, 'बिजली क्षेत्र को क्वांटम आपूर्ति अक्टूबर तक 34.13 करोड़ टन की प्रगतिशील प्रतिबद्धता से 47 लाख टन अधिक थी।' कंपनी बिजली क्षेत्र को 61.0 करोड़ टन के वार्षिक आपूर्ति लक्ष्य को पार करने को लेकर आश्वस्त है।

अमेरिका को बीआरआई से भी चीन ने दी चुनौती

हर्ष वी पंत

बेल्ट एंड रोड इनीशटिव (बीआरआई) के दूसरे दशक में प्रवेश के मौके पर विकाशील देशों की इकॉनमी में अरबों डॉलर का निवेश जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने पिछले हफ्ते बीआरआई फोरम में कहा कि 'चीन अच्छा प्रदर्शन तभी कर सकता है जब दुनिया अच्छा प्रदर्शन कर रही होज जब चीन अच्छा करता है तो दुनिया और अच्छा करती है।' यही नहीं, जैसी कि अपेक्षा थी, पश्चिमी देशों पर निशाना साधते हुए उन्होंने यह भी कहा कि हम इकतरफा पाबंदियां लगाने, आर्थिक दादागीरी दिखाने और सप्लाई चेन में बाधा डालने के खिलाफ हैं।

पिछली बार के बीआरआई फोरम में आए 37 नेताओं के मुकाबले इस बार इसमें महज 24 वैश्विक नेता मौजूद थे। ऐसे समय में जब चीनी इकॉनमी की सेहत पर सवाल उठ रहे हैं, शी स्वाभाविक ही यह दिखाना चाहते थे कि बिजनेस को लेकर चीन का रुख काफी खुला है। उन्होंने जहां क्रॉस बॉर्डर ट्रेड और सर्विसेस सेक्टर में निवेश बढ़ाने और डिजिटल प्रॉडक्ट्स का बाजार विस्तृत करने की बात कही, वहीं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में विदेशी निवेश से बंदिशें हटाने का भी वादा किया। करीब तीन साल लंबे लॉकडाउन से जनवरी 2023 में बाहर आने के बाद चीन का यह पहला अंतरराष्ट्रीय आयोजन तो था ही, शी के एक प्रमुख प्रॉजेक्ट का सेलिब्रेशन भी था। बीआरआई की उपलब्धियां बताते हुए उन्होंने कहा कि कैसे उनकी इस पहल ने इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को उभरते वैश्विक आर्थिक विमर्श के केंद्र में लाकर विकासशील दुनिया की मदद की है।

उन्होंने बताया कि कैसे चीन ने एक

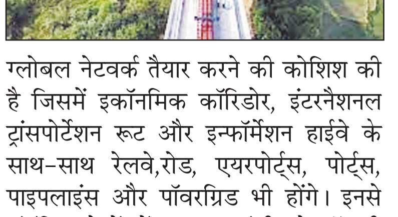

ग्लोबल नेटवर्क तैयार करने की कोशिश की है जिसमें इकॉनमिक कॉरिडोर, इंटरनैशनल ट्रांसपोर्टेशन रूट और इन्फॉर्मेशन हाईवे के साथ-साथ रेलवे,रोड, एयरपोर्ट्स, पोर्ट्स, पाइपलाइंस और पॉवरग्रिड भी होंगे। इनसे संबंधित देशों में सामान, पूंजी, टेक्नॉलजी और मानव संसाधन का फ्लो बढ़ेगा और हजारों साल पुराने सिल्क रोड को आज के दौर में नई अहमियत मिलेगी।

इसमें दो राय नहीं कि बीआरआई ग्लोबल इकॉनमिक ऑर्डर में पीछे छूट चुके देशों को आर्थिक वैश्वीकरण के नए चरण से जोड़ने के लिहाज से एक अच्छा आइडिया है।

समस्या इसके अमल के तरीकों में थी, जिसकी वजह से न केवल बहुत सारे देश कर्ज के जाल में फंस गए बल्कि कई प्रॉजेक्ट वित्तीय व पर्यावरणीय कसौटियों पर कमजोर साबित हुए और ऐसे केंद्रीकृत प्रॉजेक्ट की व्यावहारिकता सवालों के घेरे में आई। ऐसे में इस फोरम के जरिए शी चिनफिंग को यह भी दिखाना था कि बीआरआई प्रॉजेक्ट को लेकर उनके देश की प्रतिबद्धता कायम है। यह ऐसा प्रॉजेक्ट है जो न केवल उभरते ग्लोबल ऑर्डर में चीन की जिओ-पॉलिटिकल पोजिशनिंग से जुड़ा है बल्कि जिओ-इकॉनमिक्स के लिहाज से भी उतना ही अहम है।

शी ने यह संकेत देने का भी प्रयास किया कि वह बीआरआई में कुछ बदलाव लाने को तैयार हैं ताकि मुख्यतया डिजिटल इकॉनमी और सस्टेनेबल ग्रीन डिवेलपमेंट पर जोर देते हुए उच्चस्तरीय विकास की ओर बढ़ा जा सके। चीन के राष्ट्रपति ने इस प्रॉजेक्ट में शामिल कंपनियों के लिए ईमानदारी और बेहतर मूल्यांकन व्यवस्था बनाने की बात कही। इसे ध्यान में रखते हुए रिसर्च और ट्रेनिंग कार्यक्रमों के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों को प्रॉजेक्ट से जोड़ा जाएगा।

बीआरआई को दुनिया भर में जिस तरह की चुनौतियां झेलनी पड़ रही हैं और जिस तरह से बीआरआई के विकल्प लॉन्च किए जा रहे हैं, उसके मद्देनजर शी चिनफिंग के लिए इसमें सुधार करते हुए दिखना जरूरी था। ये सुधार किस तरह से जमीन पर अमल में आते हैं, उसी से बीआरआई का भविष्य तय होगा और चीन की विश्वसनीयता भी। शी चिनफिंग के लिए बीआरआई फोरम दुनिया के सामने अमेरिकी अगुआई वाली विश्व व्यवस्था का विकल्प पेश करने का मौका भी था।

बृजमोहन को मिल रहा भरपूर समर्थन, पसंददीदा पान भी खिलाया गया

रायपुर। दक्षिण विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने आज पेंशनबाड़ा, बैरन बाजार, कटोरा तालाबक्षेत्र में जनसंपर्क किया। अभियान की शुरुआत विवेकानंद कॉम्प्लेक्स, पेंशन बाड़ा से हुई। जहां क्षेत्र की जनता ने बृजमोहन अग्रवाल का जोरदार स्वागत किया। आज का जनसंपर्क अभियान विवेकानंद शॉपिंग कांप्लेक्स से शुरू होकर होली क्रॉस स्कूल पेंशन बाड़ा, साई मंदिर पीपल झाड़, होलीक्रास इंग्लिश स्कूल, चपरासी कॉलोनी, शासकीय आवास फ्लैट, अरविंद नगर बस्ती, न्यू कुंद्रा पारा, महिला पालटेकनीक चौक, न्यू पेंशन बाड़ा शासकीय कालोनी, फौव्वारा चौक, नायडू चौक, एकता कांप्लेक्स, एकता कांपलेक्स, गवली मोहल्ला, राजा गवली का घर, कुंद्रा पारा बस्ती में चला। जनसंपर्क दौरान क्षेत्र की जनता का अपने विधायक बृजमोहन अग्रवाल के प्रति प्यार देखने को मिला। इलाके की महिलाओं ने अपने प्यारे बृजमोहन भईया का फूलों की माला पहना कर आरती उतारी और उनका विजय तिलक किया। इतना ही नही जगह-जगह उनका मुंह भी मीठा किया गया। कुछ जगहों पर बृजमोहन अग्रवाल को उनका पसंददीदा पान भी खिलाया गया। जनता के प्यार से अभिभूत बृजमोहन अग्रवाल ने हर सुख और दुख में हमेशा की तरह उनका साथ निभाने का वादा किया।

बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ी और छत्तीसगढ़िया के उज्ज्वल भविष्य के लिए जनता से भाजपा को वोट देने की अपील की।

10 करोड़ का माल जब्त, राज्य कर विभाग की 24 टीमें सभी बॉर्डर में तैनात

रायपुर।विधानसभा निर्वाचन आचार संहिता लागू होने के बाद राज्य जीएसटी विभाग में सर्तकता और कार्यवाही बढ़ा दी है। चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने लिए बांटे जाने वाले सामानों के परिवहन पर विभाग की पैनी नजर है। विभाग ने अधिकारियों की 24 टीमों को अन्य राज्यों की सीमाओं से सटे रास्तों पर 24 घंटे वाहनों की जांच के लिए नियुक्त किया गया है और पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से वाहनों की जांच की जा रही है। राज्य कर आयुक्त द्वारा अपने अधिकारियों को पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों से समन्वय करने और संयुक्त जांच करने की हिदायत भी दी गई हैं।

राज्य के भीतर भी 15 टीमों के द्वारा ई-वे बिल की जांच लगातार की जा रही है। राज्य कर विभाग द्वारा 01 जुलाई 2023 से 31 अक्टूबर 2023 तक कुल 10.10 करोड़ का माल जब्त किया। जा चुका है। विभाग की नजर रेल्वे और बसों से भेजे जाने वाले सामानों पर भी हैं। रेल्वे से परिवहित माल पर भी गलती पाये जाने पर इस दौरान 40.81 लाख की पेनाल्टी लगाई जा चुकी है। चुनाव में मुफ्त बांटे जाने वाले सामान की धरपकड़ सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त ने सभी अधिकारियों को उनके क्षेत्र में पड़ने वाले गोदामों की जांच करने हेतु निर्देशित किया गया है। अब-तक 377 गोदामों की जांच करके स्टॉक में अंतर पाये जाने पर व्यापारियों को 21.05 लाख रुपये जमा कराये गये हैं। विभाग के अधिकारियों द्वारा पुलिस प्रशासन का सहयोग निष्पक्ष निर्वाचन सुनिश्चित करने में किया जा रहा है और निर्वाचन कार्य में लगे एसएसटी और एफएसटी में सभी जिलों में अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति गई है और उनके द्वारा जांच में प्रशासन का सहयोग किया जा रहा है।

भाजपा का जयराम रमेश पर पलटवार

जिसे टैम्पर वीडियो बता रहे, वह कांग्रेस के पेज पर लाइव चला: श्रीवास्तव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश की पत्रकार वार्ता में धान खरीदी के लिए केंद्र सरकार द्वारा 80 फीसदी राशि दिए जाने की स्वीकारोक्ति के परिप्रेक्ष्य में कहा है कि झूठ के पाँव लंबे समय तक नहीं चलते और हम मानते हैं कि कांग्रेस में भी सत्य कहने और स्वीकारने का साहस रखने वाले कुछ नेता हैं। वैसे तो पर्दे के पीछे कांग्रेस के अधिकांश नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियाँ और योजनाएँ बेहतर हैं और उनकी राजनीतिक विवशता है कि सार्वजनिक तौर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी और भाजपा की मुखालफत करना पड़ती है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि जयराम रमेश ने बुधवार को राजधानी में पत्रकारों के सामने यह स्वीकार किया था कि धान खरीदी की 80 फीसदी राशि केंद्र सरकार देती है। अपनी बात को बहुत विस्तार से पत्रकारों को समझाते हुए जयराम रमेश ने कहा था कि अगर केंद्र सरकार 2200 रुपए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करती है तो प्रदेश की कांग्रेस सरकार शेष राशि मात्र ही देती है।

जयराम रमेश का यह कथन आईने की तरह साफ है कि धान खरीदी के लिए केंद्र सरकार 2200 रुपए दे रही है और प्रदेश की भूपेश सरकार सिर्फ 600 रुपए ही देती है। बावजूद इसके, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और भूपेश सरकार अपने दम पर पूरा धान खरीदने का मिथ्या दंभ भर रही है और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रदेश के किसानों को बरगला रही है। भरोसे का सम्मेलन करने वाली भूपेश सरकार ने जितना झूठ फैलाया था, उस झूठ की पोल खुल चुकी है। श्री श्रीवास्तव ने इस बात पर हैरानी जताई कि धान खरीदी को लेकर जयराम रमेश ने दिन में जो बात कही, शाम होते-होते वे खुद उससे मुकर गए।

चार घंटे भी वह अपनी बात पर कायम नहीं रह सके।जयराम रमेश का यह कथन मीडिया जगत के कैमरे में कैद है और जयराम रमेश साफ झूठ बोल रहे हैं कि उनके कथन को भाजपा द्वारा टैम्परिंग करके प्रस्तुत किया जा रहा है। श्री श्रीवास्तव ने पत्रकार वार्ता में जयराम रमेश के उस लाइव वीडियो का प्रदर्शन करके बताया कि जयराम रमेश कैसे झूठ बोलकर सेल्फ गोल का डैमेज कंट्रोल करने की हास्यास्पद कोशिश कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में प्रदेश के व्यापार व उद्योग से सुझाव मांगने चेंबर भवन पहुंचे जयराम रमेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि कल विधानसभा चुनाव में प्रदेश के व्यापार एवं उद्योग से संबंधित सुझाव हेतु कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री जयराम रमेश एवं टीम चेंबर भवन पहुंचे जहां उनके साथ राष्टीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा जी, अखिलेश प्रताप सिंह जी, अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ. राकेश गुप्ता जी, प्रवक्ता छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अजय गंगवानी जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में चेंबर अध्यक्ष श्री अमर पारवानी की अध्यक्षता में चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश के व्यापारी एवं व्यापार तथा उद्योग के विकास से संबंधित महत्वपूर्ण सुझावों से अवगत कराकर श्री जयराम रमेश एवं उनकी टीम को व्यापार एवं उद्योग से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

महत्वपूर्ण सुझाव: 1.यूजर चार्ज 2.संपत्ति कर 3.इंश्योरेंस पेंशन 4.एकल खिड़की प्रणाली 5.वन स्टेट वन लाइसेंस 6.बिजली बिल हाफ 7. मंडी शुल्क की समाप्ति 8. ई वे बिल से संबंधित 9.रियायती दर पर विद्युत दर का निर्धारण 10. ईंधन में रियायत 11. भारतीय दंड संहिता संबंधी 12. व्यापारियों की सुरक्षा 13.विशेष सुरक्षा कानून 14. कृषि आधारित उद्योग श्रेणी में सूक्ष्म-लघु एवं मध्यम उद्योगों की श्रेणी संबंधित 15. अग्निशमन केंद्र की स्थापना 16. फूड पार्क स्थापना 17.कोल्ड स्टोरेज स्थापना 18.श्रम कानून 19. उद्योग/व्यापार विभाग सम्बंधित 20. स्थानीय स्तर पर रोजगार देने पर रियायत संबंधी 21. कुटीर एवं लघु उद्योग संबंधित 22. प्रदूषण मुक्त उद्योग 23. जल संसाधन संबंधी 24. कारखाना अधिनियम संबंधी संशोधन 25. नई औद्योगिक पॉलिसी 2024-29 संबंधी 26. भवन निर्माण अनुज्ञा 27. सोलर सब्सिडी 28. स्मार्ट ट्यूरिज्म 29. आईटी सेक्टर से संबंधित इत्यादि।

बैठक में आयकर एवं जीएसटी से संबंधित सुझाव की प्रतिलिपि भी राज्यसभा सदस्य श्री जयराम रमेश एवं टीम को सौंपी गई। टेक्नीकल टीम द्वारा ज्ञापन के सम्बंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कम्पोस्ट खाद के नाम पर किसानों को थमा रहे हैं मिट्टी : विजय बघेल

पाटन। छत्तीसगढ़ के सबसे है हाई प्रोफाइल सीट कहे जाने वाले पाटन जंहा पर देश दुनिया से लेकर प्रदेश तक सभी के नजरें टिकी हुई है! यहां पर चीर प्रतिद्वंदी कका और भतीजा एक दूसरे के फिर आमने सामने है! जंहा भाजपा ने अपने लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक वोटों से जीत करने वाले सांसद विजय बघेल पर एक बार फिर भरोसा जताया है!

ज्ञात हो भाजपा प्रत्याशी पाटन विधानसभा के विजय बघेल ने जन आशीर्वाद मांगने आज उत्तर मण्डल के तर्रा से शुभारम्भ किया! जंहा देव तुल्य जनता से आशीर्वाद माँगा!17नवंबर को होने वाले मतदान में कमल के छाप पर बटन दबाकर भारी मतो से विजयी बनाने अपील किया!भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने तर्रा, आमापेण्ड्री, रूही, सावनी,खुड़मुड़ी,झीट, कापसी, उपरा, महूदा, महूदा, जमराव और आखिर में घुघवा सहित ग्रामों में लोगों से जन आशीर्वाद माँगा! विजय बघेल का साथ देने उनके धर्मपत्नी रजनी बघेल और साथ में उनकी सुपुत्री प्रतीक्षा बघेल भी मिलकर जनता का आशीर्वाद मांग रही है!अपने सरल स्वभाव की वजह से भारी समर्थन मिल रहा है!भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने राज्य के भुपेश सरकार पर जमकर हमला बोला, कहा कि झुठ फरेब से लोगों को बेवकुफ बनाने का उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना कांग्रेस को अच्छी तरह से आता है! झुठ तो इतना है कि लज्जा आनी चाहिए इसको वो भी नहीं आती है!यंहा की जनता को छलने का काम किया है!पेशन के नाम पर बुजुर्गों के साथ छलावा साढ़े तीन सौ रुपए से बदले एक हजार रूपए देने का वादा,बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का का खोखले वादे किये थे जिसे पूरा नही किया!क्या छत्तीसगढ़ प्रदेश में एक लाख उनतालीस हजार ही युवा बेरोजगार हैं! गांव-गांव में सैंकड़ों बेरोजगार युवा हैं! आगे बघेल ने कहा की प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की बात किये थे,आज मोहल्ला के गली-गली में शराब बिक्री किया जा रहा है! प्रदेश में दूध की नदियाँ बहाने का वादा करने वाले लबरा सरकार गाँव-गांव में शराब की नदियां बहा रही है! वर्मी कम्पोस्ट खाद के नाम से किसानों के साथ ये दादा गीरी कर रहे हैं!

फाफाडीह भाजपा मंडल चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

रायपुर।रायपुर उत्तर विधानसभा के अंतर्गत भाजपा मंडल फाफाडीह चुनाव कार्यालय का गुरुवार को भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा के करकमलों से उद्घाटन किया गया। स्थानीय चुनाव प्रचार की गतिविधियां अब भाजपा मंडल फाफाडीह चुनाव कार्यालय से संचालित की जाएंगी। इससे पहले पंडरी में भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा का मुख्य चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया गया था।

फाफाडीह स्थित पीली बिल्डिंग में भाजपा मंडल फाफाडीह चुनाव कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर क्षेत्रवासियों ने श्री सोनी और श्री मिश्रा सहित अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। वहीं रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा ने कहा कि, यह भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है कि चुनाव में जीत के हिसाब से रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। चुनावी तैयारी को और सशक्त करने के उद्देश्य से आज से भाजपा मंडल फाफाडीह के लिए पृथक चुनाव कार्यालय खोला गया है, जहां पर नियमित रूप से कार्यकर्ताओं और समर्थकों की बैठक की जाएगी और चुनाव में जीत के लिए रूपरेखा बनाई जाएगी।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

मतदाताओं को लुभाने लिए बांटे जाने वाले सामानों पर रखी जा रही है कड़ी नजर

रायपुर। त्यौहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच के लिए छत्तीसगढ़ के समस्त जिलो में संचालित खाद्य परिसरों में निर्मित खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच के लिए विभिन्न जिलों के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की एक राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल बनाकर औचक जांच कराई जा रही है। उत्पादन इकाइयों पर नजर रखी जा रही है, जिससे कि आम जन को उच्च गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सके। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार राजनांदगाव एवं रायपुर जिले में संयुक्त टीम के द्वारा मसाला, दाल, होटल आदि में औचक निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के गुणवत्ता जांच हेतु नमूना संकलित किया गया। राजनांदगाव के मेसर्स राजेश कंफेक्शनरी से चॉकलेट के नमूने संकलित करते हुए जप्ती की कार्यवाही गई मेसर्स अमर शहीद एग्रो से गरम मसाले का नमूना लिया गया। रायपुर में मोवा स्थित दाल मिल मेसर्स संतोष दाल मिल से मसूर के दाल का नमूना लिया गया, साथ ही संयुक्त दल द्वारा एक प्रतिष्ठित होटल मेसर्स अशोका बिरयानी से नूडल का नमूना लेकर राज्य खाद्य एवम औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया जहाँ से रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

रमन सरकार के चलते नक्सलवाद 14 जिलों तक पहुँचा: ठाकुर

रायपुर । पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांकेर में नक्सलियों के द्वारा की गई तीन लोगों की हत्या बेहद दुखद है नक्सलियों की कायरना हरकत है जिस पूर्व डॉ. रमन सिंह की नेतृत्व वाली सरकार जो प्रदेश में नक्सलवाद को बढ़ाने के लिये दोषी माना जाता है। वो अब नक्सलवाद के नाम से घड़ियाल आंसू बहा रहे हैं। रमन

सरकार की कायरता के चलते 15 साल तक बस्तर में खून की होली नक्सली खेलते रहे है। पूर्व रमन सरकार ने दक्षिण बस्तर के तीन ब्लाकों में सीमित नक्सलवाद को प्रदेश के 14 जिलों तक पहुंचाया है। प्रदेश भूला नहीं है। नक्सलवाद को खत्म करने के लिए आये पंजाब के पूर्व डीजीपी केपीएस गिल को रमन सिंह ने वेतन लो और मौज करो की सलाह दिया था छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद जितने भी आदिवासियों की मौत नक्सली हमले में हुई है जवानों की शहादत हुई है विपक्षी नेताओं की हत्याएं हुई है उसके लिए सिर्फ रमन सरकार दोषी है। आज भाजपा किस मुंह से सरकार बनने पर नक्सलवाद को खत्म करने का दावा कर रही है जबकि भाजपा का एजेंडा आतंक को सरक्षंण देना और सहयोग करना रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार की विश्वास विकास और सुरक्षा की नीति सूं नक्सलवाद की कमर टूटी है देश मे छत्तीसगढ़ की पहचान अब विकास मॉडल के रूप में हो रही है। पूर्व की रमन सरकार ने खाद पानी देकर दक्षिण बस्तर के 3 विकासखंड तक सीमित नक्सलवाद को 14 जिलों तक पहुंचाया था।

पीएम ने कका नहीं जनता का मखौल उड़ाया: शुक्ला

रायपुर। राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यध सुशील आनंद शुक्ला ने पत्रकरों से चर्चा करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ में अभी तक की कुल 5 जनसभाओं में कुल 139 बार झूठ बोल चुके है, अब छत्तीसगढ़ के लोग प्रधानमंत्री की बातों को गंभीरता से लेना बंद कर चुके है। मोदी, कांग्रेस एवं भूपेश बघेल से इतना डरे हुये है कि 45 मिनट

में 54 बार कांग्रेस का नाम लिये।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर से सार्वजनिक झूठ बोलकर प्रधानमंत्री पद की गरिमा को गिराया। मोदी ने अपने भाषण में सिर्फ झूठ और झूठ ही बोला। जिस राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनने की कोई संभावना नहीं वहां पर मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण में लोगों को आमंत्रित करना इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री मुंगेरी लाल के सपने भी देखते है। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ की जनता के द्वारा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को प्यार से दिये गये कका संबोधन का मखौल उड़ाकर छत्तीसगढ़ का अपमान किया है।प्रधानमंत्री ने सफेद झूठ बोला कि धान खरीदी केंद्र सरकार करती है। मोदी बतायें यदि धान खरीदी केंद्र करती है तो धान खरीदी के लिये कितने का बजट प्रावधान किया था? कितना पैसा कब किसानों के खाते में डाला? किस संस्था के माध्यम से केंद्र ने धान खरीदी? बड़े शर्म का विषय है कि भारत देश का प्रधानमंत्री झूठ बोलता है।

राज्य कर विभाग ने सीमावर्ती क्षेत्रों में जांच के लिए तैनात

रायपुर। विधानसभा निर्वाचन आचार संहिता लागू होने के बाद राज्य जीएसटी विभाग में सर्तकता और कार्यवाही बढ़ा दी है। चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने लिए बांटे जाने वाले सामानों के परिवहन पर विभाग की पैनी नजर है। विभाग ने अधिकारियों की 24 टीमों को अन्य राज्यों की सीमाओं से सटे रास्तों पर 24 घंटे वाहनों की जांच के लिए नियुक्त किया गया है और पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से वाहनों की जांच की जा रही है। राज्य कर आयुक्त द्वारा अपने अधिकारियों को पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों से समन्वय करने और संयुक्त जांच करने की हिदायत भी दी गई हैं। राज्य के भीतर भी 15 टीमों के द्वारा ई-वे बिल की जांच लगातार की जा रही है। राज्य कर विभाग द्वारा 01 जुलाई 2023 से 31 अक्टूबर 2023 तक कुल 10.10 करोड का माल जब्त किया। जा चुका है। विभाग की नजर रेल्वे और बसों से भेजे जाने वाले सामानों पर भी हैं। चुनाव में मुफ्त बांटे जाने वाले सामान की धरपकड़ सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त ने सभी अधिकारियों को उनके क्षेत्र में पड़ने वाले गोदामों की जांच करने हेतु निर्देशित किया गया है। अब-तक 377 गोदामों की जांच करके स्टॉक में अंतर पाये जाने पर व्यापारियों को 21.05 लाख रुपये जमा कराये गये हैं। विभाग के अधिकारियों द्वारा पुलिस प्रशासन का सहयोग निष्पक्ष निर्वाचन सुनिश्चित करने में किया जा रहा है और निर्वाचन कार्य में लगे एसएसटी और एफ्एसटी में सभी जिलों में अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति गई है और उनके द्वारा जांच में प्रशासन का सहयोग किया जा रहा है।

दो बदमाशों को रायपुर कलेक्टर ने किया जिलाबदर

रायपुर। विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत कुछ आदतन अपराधियों के ज़िलाबदर प्रकरण तैयार कर प्रस्तुत किए गए थे। प्रस्तुत प्रकरणों में से 2 आरोपियों के प्रकरणों की प्रक्रिया पूरी होने पर ज़िला दंडाधिकारी रायपुर द्वारा इनके ज़िलाबदर हेतु आदेश जारी कर दिये गये हैं।इन्हें रायपुर और रायपुर के सरहदी ज़िलों में रहने, आने-जाने की मनाही होगी।विकास उर्फ भीम उर्फ रावण मधुकर पिता राम सेवा मधुकर उम्र 23 वर्ष निवासी इंद्रा नगर शुक्रवारी बाजार बिरगांव थाना उरला जिला रायपुर एवं मोहम्मद जुबेर पिता असफाक उम्र 20 वर्ष निवासी गाजी नगर बिरगांव थाना उरला जिला रायपुर के विरुद्ध जिला दंडाधिकारी रायपुर द्वारा रायपुर तथा सीमावर्ती जिला दुर्ग, धमतरी,महासमुंद, गरियाबंद, बलौदा बाजार के सीमाओं में बिना सक्षम न्यायालय की अनुमति के प्रवेश न करने आदेशित किया गया है।मधुकर उम्र 23 वर्ष निवासी इंद्रा नगर शुक्रवारी बाजार बिरगांव थाना उरला के विरुद्ध थाना उरला में वर्ष 2018 से 2023 के बीच लोगों को डराना धमकाना, गुण्डागर्दी, अवैध रूप से चाकू रखकर लहराते हुये लोगों को डराना धमकाना, नाबालिक को बहला फुसलाकर भगा कर ले जाना, जुआ खेलना जैसे संगीन 6 अपराध थाना उरला रायपुर में पंजीबद्ध हुए हैं।मोह जुबेर पिता असफाक उम्र 20 साल साकिन गाजीनगर थाना उरला जिला रायपुर द्वारा भी थाना उरला के साथ-साथ रायपुर जिला के थाना खमतराई अंतर्गत विगत कुछ वर्षो 2018 से 2023 तक अनावेदक अपराध में संलिप्त रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा और पूर्व सीएम को लिया आड़े हाथों

चिटफंड के जरिए आम जनता के पैसे को लूटवाया: भूपेश

राजनांदगांव। फर्जी चिटफंड कंपनियों के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा और पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह को जमकर लताड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ रमन सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान जमकर फर्जी चिटफंड कंपनी खुलवाए और उसके जरिए निवेशकों को पैसों को लुटवाया और संचालकों को फरार करवा दिया।

उन्होंने कहा कि मोदी जी भी भाजपा नेताओं से यही सीखते है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने फर्जी चिटफंड कंपनियों में पैसा डूबा चुके लोगों को उनकी गाढ़ी कमाई वापस की और फर्जी कंपनियों के 500 संचालकों को जेल भेजें।

5 साल में दिया वायदे से ज्यादा

जनसभा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमने अपने 5 साल के कार्यकाल में जनता के हित में काम किया। आम आदमी का विकास हमारी पहली प्राथमिकता रही। कांग्रेस सरकार के योजनाओं से हितग्राहियों के जेबों में 1.75 लाख करोड़ रुपये की राशि पहुंचाई गई। हमने आम जनता से जो वादा किया था उनको पूरा किया और अपने वादे से ज्यादा देने का काम किया।

ये सरकार, आपकी सरकार है

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि ये सरकार किसानों,मजदूरों, युवाओं और महिलाओं की सरकार है। हमने सभी वर्गों का उत्थान किया है, हमारी योजनाओं और नीतियों में आम आदमी पहली प्राथमिकता में रहे इसलिए सबको लगता है कि ये उनकी अपनी सरकार है।

हमने की गौ माता की सेवा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हम गौ माता की सेवा कर रहे है, हमने गोबर और गौमूत्र की खरीदी कर रहे है। प्रदेश के कई गोपालक और भूमिहीन ग्रामीण गोबर बेचकर लाखों रुपये कमा चुके है। उन्होंने कहा कि खेती की भांति पशुपालन को भी लाभ का धंधा बनाएंगे।

रायपुर दक्षिण के डेढ़ दर्जन प्रत्याशियों ने वापस लिए नाम, महंत का किया समर्थन

रायपुर। सूबे की सबसे नामचीन विधानसभा सीटों में से एक रायपुर दक्षिण में एक बड़ा उलट फिर हुआ है।राजधानी रायपुर के दक्षिण विधानसभा से नामांकन दाखिल करने वाले डेढ़ दर्जन से ज्यादा प्रत्याशियों ने अपना नाम वापस लिया है। नाम वापसी के साथ ही इन प्रत्याशियों ने कांग्रेस का दामन भी थाम लिया है, जिसके बाद सभी ने एक स्वर में कांग्रेस के प्रत्याशी महंत रामसुंदर दास को जिताने की बात कही है।

रायपुर दक्षिण के कांग्रेस प्रत्याशी महंत रामसुंदर दास के समर्थन में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन भरने वाले 17 लोगों ने अपना नाम वापस ले लिया। महापौर एजाज़ ढेबर ने दावा किया कि 8 और ऐसे लोग थे जो नामांकन फार्म तो ले लिए थे लेकिन नहीं भरे। इस तरह महापौर ने रायपुर दक्षिण से 25 लोगों के चुनावी मैदान से पीछे हटने का दावा किया है। सारे नाम वापस लेने वाले लोग कांग्रेस प्रत्याशी महंत रामसुंदर दास, महापौर एजाज़ ढेबर एवं पूर्व महापौर प्रमोद दुबे के साथ मीडिया से बातचीत की।महंत राम सुंदर दास ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि समर्थन से अभिभूत हूं। सबका समर्थन मिला है, सबका आभार प्रकट करता हूं। आज से सभी कांग्रेस के लिए मेरे लिए काम करेंगे, इसका असर कांग्रेस पर पड़ेगा।जीत के विधानसभा जाऊंगा और समस्या का समाधान करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि इसमें जाती भेद की बात नहीं है, मैं सबकी सेवा पहले भी किया हूं, अब भी करूंगा। महंत रामसुंदर दास ने कहा कि जब योगी मठ से निकलकर उत्तरप्रदेश जैसे राज्य के मुख्यमंत्री बन सकतें है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.